इतिहास में पहली बार 09
एक साथ..

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मालामाल वीकली 2 11
में नजर...

वर्ष - 02, अंक - 155 | गाजियाबाद / सोमवार 07 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

अकेले नदी साफ करने वाले बिट्टू को नीदरलैंड से जॉब-ऑफर

● डच सीईओ बोले-हमारे साथ काम करो; इंग्लिश क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भी तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अकेले नदी साफ करने वाले मध्य प्रदेश के 20 साल के सुरेंद्र सिंह चौधरी 'बिट्टू तबाही' को नीदरलैंड की संस्था 'द ओशन क्लीनअप' ने नौकरी का ऑफर दिया है। संस्था के फाउंडर और सीईओ बॉयन स्लैट ने बिट्टू की मेहनत से प्रभावित होकर लिखा- हमारे साथ काम करो। द ओशन क्लीनअप' कंपनी समुद्रों और नदियों से प्लास्टिक कचरा हटाने का काम करती है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भी बिट्टू की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बदलाव तब शुरू होता है, जब कोई व्यक्ति दूसरों का इंतजार करना छोड़कर खुद पहल करता है। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले से निकलने वाली

अजनार नदी का पानी पीने और सिंचाई के काम आता था, लेकिन बढ़ते प्रदूषण से यह गंदे नाले में बदल गई थी।

● **26 जनवरी को लिया था सफाई का संकल्प–** बिट्टू ने इस साल 26 जनवरी को अजनार नदी को उसका पुराना और स्वच्छ रूप लौटाने का संकल्प लिया। शुरुआत में कुछ दोस्त भी उनके साथ आए, लेकिन मुश्किल और थकाऊ काम के कारण वे धीरे–धीरे पीछे हट गए। इसके बाद बिट्टू ने अकेले ही सफाई जारी रखी। वह रोज सुबह नदी में उतरते और घंटों पानी में रहकर हाथों से कचरा निकालते रहे। करीब तीन महीने की मेहनत के बाद नदी की तस्वीर बदल गई। अब यहां कचरे की जगह साफ पानी नजर आता है। बिट्टू ने नदी की सफाई में अपना समय और मेहनत लगाने के साथ पैसे भी खर्च किए। भारी कचरा निकालने के लिए उन्होंने अपनी जेब से रुपए भी खर्च किए।

मां-पिता से कहकर निकलते- क्रिकेट खेलने जा रहे हैं

बिट्टू और कृष्णा कहते हैं कि वो दो ढाई महीने से नदी की सफाई के रील सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अपलोड कर रहे हैं। माता–पिता सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते। उन्हें कभी ये पता नहीं लगा कि वे क्या करते हैं। हम तो घर से यही कहकर निकलते हैं कि हम क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। हां, कुछ दिनों से जब से महिंद्रा जी ने हमारे काम की सोशल मीडिया पर तारीफ की, तब से कई लोग हमसे अच्छे से बात करते हैं। कलेक्टर ने भी हमें बुलाकर सम्मान किया। विधायक ने भी हमें बुलाया है।

संक्षिप्त

गोवा दौरे पर अमित शाह, बीजेपी की पोस्ट पर घमासान

कांग्रेस ने पूछा क्या राष्ट्रीय प्रतीक से बड़े हैं पीएम मोदी

पणजी (एजेंसी)। गुजरात के साथ अगले साल गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गोवा के दौरे में हैं। गृह मंत्री अमित शाह के गोवा पहुंचने के साथ ही बीजेपी गोवा की एक सोशल मीडिया पोस्ट पर कांग्रेस हमलावर हो गई है। गोवा कांग्रेस ने इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पूछा है कि गृह मंत्री अमित शाह जी आप आज गोवा के दौरे पर हैं। क्या आपकी बीजेपी भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का

इसी तरह सम्मान करती है। इस मुद्दे पर पवन खेड़ा ने कानूनी कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस ने भारत का राष्ट्रीय प्रतीक मोदी के नीचे रखा गया है। कोई भी व्यक्ति हमारे गणतंत्र के प्रतीकों से ऊपर नहीं है। बीजेपी गोवा को सफाई देनी चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। इस मुद्दे पर गोवा बीजेपी ने लिखा है कि डियर 'नॉन दिमागी नक्सल्स' राष्ट्रीय प्रतीक किसी के पैरों के नीचे नहीं है। यह उस भारत की नींव को दर्शाता है जिसे मोदी जी नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।

दुर्गापूजा में कोलकाता के आसमान में दिखेगा अद्भुत नजारा

3000 ड्रोन से झलकेगी बंगाल की संस्कृति, शुरू हुई तैयारी

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में सत्ता में आई भाजपा सरकार दुर्गापूजा को वैश्विक सांस्कृतिक उत्सव में बदलने की तैयारी कर रही है। इसके लिए व्यापक योजना तैयार की जा रही है। आगामी 10 अक्टूबर को महालया से 19 अक्टूबर को अष्टमी तक विभिन्न आयोजनों के जरिए बंगाल की दुर्गापूजा, लोक परंपराओं, कला, संगीत, खान–पान और

हस्तशिल्प को देश–दुनिया के सामने प्रस्तुत करने की योजना है। राज्य सरकार आगामी सोमवार को समस्त संबंधित पक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेगी। राज्य सचिवालय सूत्रों के अनुसार दुर्गापूजा के दौरान कोलकाता के आसमान में करीब 3,000 ड्रोन की रोशनी से देवी दुर्गा की छवि और बंगाल की सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न दृश्य उकेरे जाएंगे। महालया के दिन ईडन गार्डेंस स्टेडियम में भव्य सांस्कृतिक आयोजन से उत्सव की शुरुआत होगी। इसमें पारंपरिक महिषासुरमर्दिनी की प्रस्तुति के साथ बंगाल की लोक एवं शास्त्रीय संगीत परंपरा प्रदर्शित की जाएगी।

एमपी में जहरीली शराब का आतंक

11 लोगों की मौत

सागर में 24 लोग भर्ती, बीमारों के शरीर नीले पड़े

कलेक्टर ने किया दौरा, की 10 के मरने की पुष्टि

सागर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली-अवैध शराब के सेवन से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि कलेक्टर ने 10 मौतों की पुष्टि की है। वहीं, करीब 35 लोगों को अस्पताल लाया गया था। इनमें से कुछ की हालत अब भी गंभीर है। गंभीर मरीजों को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल सागर रेफर किया गया है। मौतों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के मुताबिक, मामला बंडा थाना क्षेत्र के नौरोजा और घुघरा खुर्द गांव में केंद्रित है। शनिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे इसकी पहली सूचना मिली थी। प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग की जा रही है और शराब पीने वाले लोगों की जांच कराई जा रही है। जिन लोगों में लक्षण मिल रहे हैं, उन्हें बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा है।

मिथाइल अल्कोहल के सेवन से मौत की आशंका

कलेक्टर ने बताया कि अब तक हुए दो–तीन पोस्टमॉर्टम में प्रथम दृष्टया मिथाइल अल्कोहल के सेवन की बात सामने आई है। वहीं, एसपी अनुराग सुजानिया ने कहा कि प्राथमिक जांच में शराब की सप्लाई उत्तर प्रदेश के ललितपुर से होना सामने आया है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। ललितपुर में भी नेटवर्क खंगाला जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल लाए गए

मरीजों के शरीर नीले पड़ गए थे। उन्हें अकड़न महसूस हो रही थी। प्रशासन ने बीएमसी में संदिग्ध मरीजों के लिए अलग से बेड आरक्षित किए हैं। पोस्टमॉर्टम और अन्य कानूनी कार्रवाई जारी है। मौतों के बाद प्रशासन ऐक्शन में है। सागर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और एसपी प्रभावित गांवों में पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। क्षेत्र की 6 शराब दुकानों को एहतियातन सील कर सैंपलिंग के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम बोले-इस मामले में कठोर कार्रवाई करेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई रवाना होने से पहले कहा कि उन्होंने प्रभारी मंत्री और अधिकारियों को मौके पर तुरंत जांच के निर्देश दिए हैं। इस मामले में कठोर कार्रवाई करेंगे। इस तरह की घटनाओं को हमारी सरकार बिलकुल बर्दाश्त नहीं करेगी। डिप्टी सीएम

जगदीश देवड़ा ने कहा कि हादसे के पीछे जो भी व्यक्ति जिम्मेदार होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने एक्स पर पोस्ट कर सरकार पर सवाल उठाए हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार आज सागर जिले के बंडा जाएंगे। वे जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हाल जानेंगे। इस दौरान वे परिजन से घटना की जानकारी भी लेंगे।

कलेक्टर बोलीं- जहरीली शराब पीकर बीमार पड़े

कलेक्टर ने बताया कि चिकित्सा दल सभी मामलों पर लगातार नजर रखे हुए हैं। स्थिति के अनुसार जरूरी मेडिकल और प्रशासनिक कार्रवाई की जा रही है। मृतकों में चार गांवों के लोग शामिल बताए जा रहे हैं। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है और शराब के सेवन से हुई मौतों के कारणों को लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सिक्किम में लैंडस्लाइड दो नदी का रास्ता बंद

● पानी एक जगह हुआ जमा, यूपी में कई घाट डूबे

सड़क पर चिताएं जलीं, एमपी में नदियां उफनाईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिक्किम के नगा फॉरेस्ट इलाके में नगा-टोसा रोड की नई सड़क कटिंग पर शनिवार देर रात लैंडस्लाइड हुई। यह लैंडस्लाइड थेंग टनल के सामने तीस्ता और च्याकोऊंग नदियों के संगम के पास हुई। इससे दोनों नदियों का बहाव रुक गया और इलाके में पानी इकट्ठा होने लगा। वहीं, यूपी के 18 जिलों में रविवार को बारिश का अलर्ट है। 26 जिलों के 3.53 लाख लोग बाढ़ से परेशान हैं। प्रयागराज में घाट डूबने से सड़क पर चिताएं जलानी पड़ रही हैं। उधर, बिहार के 18 जिले बाढ़ की चपेट में है। पटना के गांधी घाट पर गंगा ने 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। शनिवार को यहां जलस्तर 50.57 मीटर पहुंच गया। 2016 में 50.52 मीटर दर्ज किया गया था। मध्य प्रदेश में नर्मदा समेत कई नदियां उफान पर हैं। बरगी, भदभदा और कलियासोत के गेट खुले हैं।

योगी ने चित्रकूट में बाढ़ का हवाई सर्वे किया

सीएम योगी ने रविवार को चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। मंदाकिनी नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रैन बसेरों में रह रहे बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। करीब 800 प्रभावित परिवारों को 50–50 किलो की राहत किट बांटीं। इससे पहले, शनिवार को योगी ने वाराणसी में बाढ़ की स्थिति का हवाई सर्वे किया था। उधर, प्रदेश में मानसूनी बारिश का दौर लगातार जारी है। रविवार सुबह से गाजियाबाद, मेरठ, आगरा और संभल समेत 15 जिलों में रुक–रुक कर बारिश हो रही है। श्रावस्ती में भारी बारिश के कारण बाइपास का करीब 400 मीटर हिस्सा जलमग्न हो गया। बिजनौर में सड़कें और गलियां तालाब बन गईं। सरकारी अस्पताल में 3 से 4 फीट तक पानी भर गया। वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर और अयोध्या समेत प्रदेश के 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। प्रयागराज के दारागंज घाट पर शवदाह गृह में पानी भर जाने से लोगों को अंतिम संस्कार के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। वाराणसी और कानपुर में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से पानी घरों में घुस चुका है।

दिल्ली में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी, कई दबे

इनमें ज्यादातर दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र, पीजी में रहते थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को दो बिल्डिंग गिर गईं। इसमें एक छह मंजिला है जिसमें पीजी चलता है। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे। 3 का रेस्क्यू कर लिया गया है। हालांकि अभी यह पता नहीं चला है कि मलबे में कितने बच्चे फंसे हैं। आसपास की दूसरी बिल्डिंग को भी सुरक्षा के लिए खाली करा लिया गया है। घटना दोपहर 1.30 बजे की है। स्थानीय लोग हथौड़े से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं। मलबे में कुछ गाड़ियां भी दब गईं हैं। सत्य निकेतन दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास बसा प्रमुख छात्र इलाका है। यहां बड़ी संख्या में छात्र पीजी और हॉस्टल में रहते हैं। इलाके में कई छात्र आवास हैं और आसपास वेंकटेश्वर कॉलेज, आर्यभट्ट कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज और मैत्रेयी कॉलेज जैसे संस्थान हैं।

मुझे डर लग रहा है, कुछ हुआ तो जिम्मेदार कौन होगा

नीशू आजाद के घर रात में पथराव, स्वतंत्र भारद्वाज पर लगाया आरोप

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में शनिवार रात यूट्यूबर और कॉकरोच जनता पार्टी की कार्यकर्ता नीशू आजाद के घर पर पथराव किए जाने का आरोप सामने आया है। नीशू आजाद का आरोप है कि रात करीब 11 बजे कुछ लोगों ने उनके घर की ओर पत्थर फेंके। इस दौरान कई पत्थर घर की बालकनी और

किचन तक जा पहुंचे। घटना के बाद परिवार के लोग डर गए। नीशू आजाद ने इस मामले में स्वतंत्र भारद्वाज और उसके समर्थकों पर आरोप लगाया है। नीशू आजाद ने घटना के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो पोस्ट कर अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने दिल्ली और गाजियाबाद पुलिस से अपने माता-पिता समेत पूरे परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

सहारनपुर कलेक्ट्रेट

ढहाई मस्जिद के नीचे मिला कुआं

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद ढहाए जाने के बाद नीचे कुआं मिला है। यह 20 फीट गहरा और डेढ़ मीटर चौड़ा है। कुआं स्लैब (पत्थर) से ढंका था। प्रशासन ने कटर से पत्थर कटवाया तो कुआं दिखाई दिया। पुलिस ने इसे लोहे की चादर से ढंक दिया है, ताकि मलबा अंदर न जाए। कुआं कितना पुराना है। इसका पता लगाने के लिए प्रशासन ने एएसआई को बुलाया है। मौके पर भारी फोर्स तैनात है। बैरिकेडिंग करके किसी को वहां जाने नहीं दिया जा रहा। मस्जिद की शिकायत करने वाले विकास त्यागी ने दावा किया- यहां पहले मंदिर रहा होगा। उसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई। जांच होनी चाहिए। मस्जिद को लेकर सियासत भी शुरू हो गई है। सांसद चंद्रशेखर ने कहा- हम यह लड़ाई सदन, कोर्ट और सड़क पर लड़ेंगे। मस्जिद गिराने में इतनी जल्दबाजी क्यों की गई। वहीं, मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एक्स पर लिखा-

कितना पुराना, जांचने के लिए एएसआई टीम को बुलाया

मंत्री राजभर ने अखिलेश से पूछा-क्या वहां फातिहा पढ़ेंगे

अखिलेशजी, सहारनपुर जाकर अवैध इमारत के मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे। यूपी पूछ रहा है, बताइए न। शनिवार को 16 घंटे बुलडोजर चलाकर मस्जिद ढहाई गई थी। रविवार सुबह तक

मलबा हटाया गया। प्रशासन का कहना है कि कोर्ट के आदेश के बाद मस्जिद गिराई गई। मस्जिद पक्ष का आरोप है कि उसे हाईकोर्ट में अपील का मौका नहीं दिया गया।

16 घंटे में ढहाई की मस्जिद, 200 जवान तैनात रहे

सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में बनी मस्जिद को करीब 16 घंटे चली बुलडोजर कार्रवाई के बाद पूरी तरह ढहा दिया गया। निवार तड़के 4 बजे शुरू हुई कार्रवाई रात करीब 8 बजे तक चली। इस दौरान 200 पुलिस और पीएसी जवान तैनात रहे। इसके बाद रातभर मलबा हटाने का काम चला, जो सुबह तक पूरा कर लिया गया। कलेक्ट्रेट की मस्जिद अब जमींदोज हो चुकी है, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ है। मस्जिद पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता बाबर वसीम ने बताया कि इस संबंध में मस्जिद पक्ष की ओर से हाईकोर्ट में रिट दाखिल की जाएगी। निचली अदालत के सामने पेश किए गए दस्तावेजों और सबूतों को रिकॉर्ड पर लिए जाने की अपील की जाएगी। मामले में विधि सम्मत कार्रवाई की मांग की जाएगी।

अरुणाचल में पहली बार भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की बैठक

मौजूदा मुद्दों पर दोनों पक्षों में हुई बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और चीन की सेनाओं ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश में पहली बार कोर कमांडर स्तर की महत्वपूर्ण बैठक की। यह वार्ता वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर वाचा-दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट के भारतीय क्षेत्र में स्थित वाचा पर हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य अरुणाचल प्रदेश से जुड़े सीमा क्षेत्र में दोनों सेनाओं के बीच मौजूदा मुद्दों पर चर्चा करना और उनके समाधान के रास्ते निकलना था।

बात दें कि अरुणाचल प्रदेश में कोर कमांडर स्तर की पहली बातचीत रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। अरुणाचल का सीमावर्ती इलाका दोनों देशों के लिए अहम है और पहले इसतरह की बैठकें मुख्य रूप से लद्दाख सेक्टर तक सीमित रही हैं। भारतीय पक्ष का नेतृत्व तीन कोर कमांडरों ने किया, जिसमें तेजपुर स्थित 4 कोर और रंगापहार स्थित 3 कोर के प्रमुख शामिल थे, जो अरुणाचल प्रदेश में एलएसी की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। भारत-चीन एलएसी पर पांच बॉर्डर पर्सनल मीटिंग (बीपीएम) पॉइंट हैं, जिसमें से दो अरुणाचल प्रदेश में हैं, वाचा इन्हीं दो बीपीएम पॉइंट में से एक है।

यह वार्ता तब हुई है जब भारत और चीन के बीच सीमा संबंधी मुद्दों को लेकर सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर संवाद जारी है। दोनों देशों की एलएसी को लेकर अपनी-अपनी अलग राय है, इस कारण अक्सर जमीनी स्तर पर समस्याएं पैदा होती हैं। सूत्रों के अनुसार, भारतीय सेना ने उन इलाकों में चीनी सैनिकों के रुख से निपटने के लिए बेहद सख्त रवैया अपनाया है, जहां अभी भी मुद्दे अनसुलझे हैं। पूर्व में, लद्दाख सेक्टर में चुशुल-मोल्डो बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर एलएसी से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए कॉर्प्स कमांडर-लेवल की बैठकें होती रही हैं, खासकर 2020 की गलवान झड़पों के बाद, जब दोनों पक्षों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था।

सैन्य स्तर की यह ताजा बातचीत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की हालिया चीन यात्रा के बाद हुई है। एनएसए डोभाल ने बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ 'स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव्स डायलॉग' के तहत बातचीत की थी, जिसका मुख्य केंद्र सीमा तय करने और सीमा-पार सहयोग पर काम जारी रखना था। इस बीच, उम्मीद है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स (ब्रिक्स) शिखर सम्मेलन के लिए भारत का दौरा कर रहे हैं। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान (रिटायर्ड) ने भी पूर्वोत्तर में हॉटलाइन बनाने और कॉर्प्स कमांडर-लेवल की बातचीत की संभावनाओं का स्वागत कर 'एक स्वागत योग्य कदम' बताया है।

मुख्यमंत्री विजय ने पुलिस के कल्याण, आधुनिकीकरण पर दिया जोर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने रविवार को पुलिस दिवस के अवसर पर पुलिस बल को शुभकामनाएं देते हुए उनके कल्याण, कार्यभार में कमी और आधुनिकीकरण के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता जताई। मुख्यमंत्री ने समाज में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल के निस्वार्थ सेवाभाव, साहस और त्याग की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी न केवल अपराध रोकते हैं, बल्कि प्रतिकूल परिस्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं में भी लोगों की जान-माल की रक्षा करते हैं। विजय ने घोषणा की कि उनकी सरकार पुलिसकर्मियों का कार्यभार कम करने, उन्हें आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस करने और उनके तथा उनके परिवारों के लिए कल्याणकारी योजनाएं सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। उन्होंने एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण तमिलनाडु के निर्माण के लिए जनता से पुलिस के साथ विश्वास और सद्भाव से काम करने का भी आह्वान किया।

दिल्ली में लाठी-डंडों से पीट-पीटकर युवक की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली इलाके में रविवार सुबह 5 बजे एक शख्स की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है। ये मामला ईस्ट दिल्ली के मयूर विहार फेज 3 का है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचीं और शव को बरामद किया। मौके पर फॉरेंसिक स्पेशलिस्ट की टीम को भी बुलाया गया जो सबूत जुटा रही है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि आगे की जांच की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी बरामद किया है और अब उसे खंगाल रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना के चश्मदीद सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि दो लोग मिलकर एक शख्स को मार रहे थे। उन्होंने कहा कि मैंने सुबह 4 बजे कुछ लोगों को देखा था। वह लोग मुझे भी जान से मारने की धमकी भी दे रहे थे, जिसके बाद मैं वहां से साइड हो गया और फोन किया। गार्ड ने बताया कि उन्होंने फोन करके पुलिस को इस मामले की जानकारी दी थी। सीसीटीवी फुटेज में दो लोगों को साफतौर पर एक शख्स को डंडों से पीटते देखा जा सकता है। पुलिस इन फुटेज के जरिए आरोपियों की तलाश कर रही है।

कांग्रेस प्रत्याशी का विरोध, विधायक को दिखाए काले झंडे, कार पर चढ़े लोग

जयपुर (एजेंसी)। नगर निकाय चुनाव की वोटिंग की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे जयपुर में टिकट वितरण को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। अब आमेर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर-149 में कांग्रेस प्रत्याशी अंजलि ब्रह्मभट्ट के विरोध ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। आमेर के हांडीपुरा इलाके में अंजलि ब्रह्मभट्ट के समर्थन में पहुंचे आमेर विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा को भी भारी विरोध का सामना करना पड़ा। लोग अंजलि ब्रह्मभट्ट को कांग्रेस का टिकट दिए जाने से नाराज हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा और कांग्रेस प्रत्याशी की गाड़ी इलाके में पहुंचते ही बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। प्रदर्शनकारियों ने काले झंडे दिखाए और नारेबाजी की। विरोध इतना बढ़ गया कि कुछ लोग गाड़ी के पास पहुंच गए और वाहन को रोकने की कोशिश करने लगे। मौके पर मौजूद समर्थकों और स्थानीय लोगों के बीच काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। बताया जा रहा है कि लोगों की मुख्य नाराजगी वार्ड नंबर-149 से निवर्तमान पार्षद अंजलि ब्रह्मभट्ट को कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर है। लोग टिकट वितरण के फैसले का विरोध कर रहे थे और इसी नाराजगी का सामना विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा को भी करना पड़ा।

मायावती का आरोप : राजनीतिक दल जेन-जी आंदोलन को कर रहे हाइजैक

-युवाओं के भविष्य पर जताया संदेह

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने जेन-जी युवाओं और बेरोजगारों के आंदोलनों को लेकर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न राजनीतिक दल इन प्रदर्शनों को हाइजैक कर रहे हैं, जिससे युवाओं और छात्रों के बीच गंभीर संदेह पैदा हो रहा है। मायावती ने पोस्ट में कहा कि इसतरह के कई उदाहरण सामने आए हैं, जिससे यह साबित होता है कि युवाओं, छात्रों और बेरोजगारों से जुड़े जेन-जी आंदोलन अब स्वतंत्र न रहकर धीरे-धीरे राजनीतिक हो गए हैं। उन्होंने विशेष रूप से जंतर-मंतर आंदोलन का जिक्र किया, जहां युवाओं और छात्रों को बड़े सपने दिखाए गए थे, लेकिन अब वे राजनीतिक दलों द्वारा आंदोलनों पर कथित कब्जे के कारण गंभीर संदेह का सामना कर रहे हैं। हालांकि, मायावती ने स्पष्ट किया कि बीएसपी हमेशा जेन-जी और जेन-अल्फा की जायज मांगों के प्रति सहानुभूति रखती है और उनकी चिंताओं को गंभीरता से लेती है। उन्होंने सभी बीएसपी राज्य इकाइयों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संबंधित अधिकारियों से मिलकर युवाओं की समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान में मदद करें। इसके साथ ही, उन्होंने बीएसपी कार्यकर्ताओं को अनुशासन का पालन करते हुए धरने, प्रदर्शन या आंदोलनों में शामिल न होने की सलाह दी।

मुर्शिदाबाद में भूकंप के झटके, बारिश और भूस्खलन से बढ़ी चिंता

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। प्रकृति के कुपित रूप का अनुभव पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद जिला इन दिनों कर रहा है। भारी बारिश और भूस्खलन की लगातार घटनाओं के बाद, शनिवार देर रात भूकंप के झटकों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी। यदि प्रकृति की अप्रत्याशित शक्ति को देखना हो, तो नेपाल जैसी जगहों पर आई विनाशकारी आपदाओं को याद किया जा सकता है, और अब मुर्शिदाबाद में भी प्रकृति का रौद्र रूप एक के बाद एक आपदाओं के रूप में सामने आ रहा है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार देर रात 10 बजकर 24 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गई, जबकि भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। एनसीएस ने इसका केंद्र मुर्शिदाबाद में ही रिकॉर्ड किया है। हालांकि इन झटकों से किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है, लेकिन अचानक आए कंपन से लोगों में दहशत फैल गई और कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। यह भूकंप ऐसे समय में आया है जब मुर्शिदाबाद जिला पहले से ही प्रकृति के अन्य प्रकोपों से जूझ रहा है। पिछले कुछ दिनों से यहां भारी से बहुत भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण कई इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन भूस्खलनों ने एक बार न्यू फरक्का रेल रूट को भी बाधित कर दिया था, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद यातायात के लिए बहाल किया जा सका है। अब उसी मुर्शिदाबाद में भूकंप के झटकों ने लोगों की बेचैनी को और बढ़ा दिया है।

क्या अखिलेश जी, सहारनपुर जाकर मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे?: राजभर

सहारनपुर,, एजेंसी। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सहारनपुर की कलेक्ट्रेट स्थित मस्जिद मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए पूछा कि अखिलेश जी, सहारनपुर जाकर अवैध इमारत के मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे? क्या आप मसूद भाई की बातों का समर्थन करेंगे? यूपी पूछ रहा है, बताइए ना? उन्होंने यह बात मस्जिद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बाद मिल रही राजनीतिक प्रतिक्रियाओं के जवाब में कही।

बता दें सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद को लेकर विवाद था। इस पर नगर मजिस्ट्रेट की कोर्ट में वाद दायर किया गया था, जिसमें मस्जिद अपने पक्ष में सुबूत नहीं दिखा सका, जिस पर इस मस्जिद के ध्वस्तीकरण के साथ ही 6 करोड़ से अधिक की क्षतिपूर्ति का आदेश पारित किया गया। मस्जिद पक्ष नगर मजिस्ट्रेट के फैसले के खिलाफ जिला अदालत में गया, लेकिन अदालत ने सुबूतों को देखते हुए मस्जिद पक्ष की याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद शनिवार तड़के प्रशासन ने मस्जिद को गिरा दिया। इस पर स्थानीय सांसद इमरान मसूद समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी ऐतराज जताया, लेकिन सबको हाउस अरेस्ट कर लिया गया था। इमरान मसूद ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। सहारनपुर में मस्जिद ध्वस्त करने के सवाल पर अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो लोग धार्मिक स्थलों को गिराते हैं और दूसरों की आस्था के साथ खिलवाड़ करते हैं, वे कभी सनातनी नहीं हो सकते। उन्होंने इसे गलत ठहराया।

भारतीय सेना के पर्वतारोहण अभियान दल को माउंट त्रिशूल के लिए रवाना किया

हरिद्वार (शिखर समाचार)। भारतीय सेना की कोर ऑफ इंजीनियर्स की ओर से 7,120 मीटर ऊंचे माउंट त्रिशूल पर पर्वतारोहण अभियान के लिए दल को रुड़की स्थित बंगाल इंजीनियर ग्रुप एंड सेंटर से औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। गढ़वाल हिमालय की चुनौतीपूर्ण चोटियों में शामिल माउंट त्रिशूल पर चढ़ाई का यह अभियान सैनिकों की शारीरिक क्षमता, तकनीकी दक्षता, मानसिक मजबूती और टीम भावना की परीक्षा लेगा।

रवानगी समारोह में सेंट्रल कमांड के सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, इंजीनियर-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल विकास रोहेला और बंगाल सैपर्स एंड मिलिट्री सर्वे के कर्नल कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एसएस दहिया सहित सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कोर ऑफ इंजीनियर्स के पर्वतारोहण में अनुभव रखने वाले कई अधिकारी भी समारोह में शामिल हुए और अभियान दल से बातचीत कर उनका उत्साह बढ़ाया।

अभियान दल में अनुभवी अधिकारी, कनिष्ठ कमीशंड अधिकारी और अन्य सैन्यकर्मी शामिल हैं। दल ने अभियान के लिए ऊंचाई वाले वातावरण के अनुकूलन, शारीरिक प्रशिक्षण और पर्वतारोहण की तकनीकों का विशेष अभ्यास किया है। चढ़ाई के दौरान आने वाली तकनीकी और व्यवस्थागत चुनौतियों से निपटने के लिए भी व्यापक तैयारी की गई है। समारोह में अभियान दल के प्रमुख ने प्रस्तावित यात्रा कार्यक्रम, चढ़ाई के मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों की जानकारी दी। लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने दल की शारीरिक फिटनेस, मानसिक मजबूती और टीम भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान नेतृत्व, सहनशक्ति, अनुशासन, सामूहिक कार्य और परिस्थितियों का आकलन कर जोखिम उठाने की क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समारोह के अंत में अभियान दल के प्रमुख को अभियान ध्वज सौंपा गया। इसके बाद दल को आधार शिविर के लिए रवाना किया गया। सेना के अनुसार यह अभियान कोर ऑफ इंजीनियर्स की पर्वतारोहण परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ कठिन परिस्थितियों में साहस, दृढ़ता, अनुशासन और उत्कृष्टता की भावना को प्रदर्शित करेगा।

लक्सर में आपदा प्रबंधन की समीक्षा, राहत एवं पुनर्वास कार्यों में तेजी के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। विकासखंड सभागार लक्सर में उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विनय रुहेला की अध्यक्षता में मानसून, बाढ़ आपदा प्रबंधन और क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के साथ सिंचाई, लोक निर्माण, जल संस्थान, विद्युत, स्वास्थ्य, राजस्व, पंचायती राज, नगर निकाय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। विनय रुहेला ने लक्सर और खानपुर क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों, राहत एवं बचाव कार्यों, जल निकासी, क्षति आकलन और पुनर्वास कार्यों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों, संपर्क मार्गों और गांवों को जोड़ने वाली पुलियाओं की स्थिति की जानकारी ली। लोक निर्माण विभाग को सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की निगरानी कर दो दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निरंजनपुर और गंगदासपुर में जलभराव, कुआंखेड़ा मार्ग पर सोलानी नदी का कटाव, नरोजपुर की क्षतिग्रस्त सड़क, पोडोवाली पुल और नियामतपुर तथा दाबकी की सड़कों से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा हुई। निरंजनपुर में जल निकासी के लिए नाला निर्माण शीघ्र शुरू कराने को कहा गया।

बैठक में विनय रुहेला ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के तहत महाराजपुर के सत्संग भवन से गंगदासपुर तक करीब 4.50 किलोमीटर सड़क के निर्माण एवं सुधार के लिए 3.72 करोड़ रुपये की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए। कुआंखेड़ा में सोलानी नदी के कटाव प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर उन्होंने सिंचाई विभाग को तत्काल सुरक्षात्मक कार्य शुरू करने को कहा। साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्न, बिजली, पशु चारा और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रखने तथा जलभराव वाले स्थानों पर सफाई, पानी निकासी और कीटनाशक छिड़काव कराने के निर्देश दिए।

गौकशी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार, उपकरण और गौवंशीय पशु का सिर खाल बरामद

हरिद्वार (शिखर समाचार)। गौकशी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लक्सर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गौकशी में प्रयुक्त उपकरणों के साथ गौवंशीय पशु का सिर और खाल के टुकड़े बरामद किए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के निर्देश पर गौ तस्करों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ जिले में लगातार जांच और दबिश अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार पांच सितंबर को रायसी चौकी क्षेत्र के गांव कंकरखाता के पास कुछ व्यक्तियों द्वारा गौकशी किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही लक्सर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गौवंशीय पशु का सिर तथा खाल के टुकड़ों को कब्जे में लिया। मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीमों ने क्षेत्र में सघन जांच, निगरानी और संदिग्ध लोगों से पूछताछ के साथ लगातार दबिश दी। पुलिस के अनुसार सुरागरसी और त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप कुछ ही घंटों में घटना में संलिप्त तीन आरोपियों को गौकशी में प्रयुक्त उपकरणों सहित हिरासत में ले लिया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने कहा कि जिले में गौ तस्करी, गौकशी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखने तथा सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने 19 अगस्त को भी गांव कंकरखाता क्षेत्र में गौकशी की घटना में संलिप्त होना स्वीकार किया है। पुलिस ने कोतवाली लक्सर में उत्तराखंड गोवंश संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में गौ तस्करी और गौकशी में संलिप्त लोगों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सेलाकुई में विधिक सेवाएं एवं जागरूकता शिविर, 3500 से अधिक लोगों ने लिया भाग

देहरादून (शिखर समाचार)। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून की ओर से रविवार को जय कम्युनिटी सेंटर सेलाकुई और पीएम श्री शहीद सत्येंद्र चौहान अटल उत्कृष्ट इंटर कॉलेज में बहुउद्देशीय विधिक सेवाएं एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 40 से अधिक सरकारी विभागों और गैर सरकारी संस्थाओं ने स्टॉल लगाकर अपनी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी। आयोजकों के अनुसार शिविर से 2000 से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हुए, जबकि करीब 3500 लोगों ने इसमें भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तराखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता, कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश हरीश कुमार गोयल, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय आरके खुल्बे, सदस्य सचिव उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण प्रदीप कुमार मणि, जिलाधिकारी आशीष चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल, न्यायिक अधिकारी, बार एसोसिएशन पदाधिकारी और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

संस्कृति विभाग के कलाकारों ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और लोकनृत्य प्रस्तुत किए। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक किया। मुख्य न्यायाधीश ने प्रस्तुति की सराहना करते हुए युवाओं को नशे से बचाने का आह्वान किया और उपस्थित लोगों को नशामुक्ति की प्रतिज्ञा दिलाई। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

शिविर में चार विद्यालयों को कंप्यूटर, यूपीएस और प्रिंटर तथा पांच विद्यालयों को आरओ वाटर प्यूरीफायर दिए गए। वर्ष 2025-26 में कक्षा 10वीं और 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किए गए। जरूरतमंदों को स्कूल बैग, स्टेशनरी, ट्रैक सूट, कंबल, चिकित्सा किट, महालक्ष्मी किट और बेबी किट प्रदान की गईं। दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर, बैसाखी, वॉकर और श्रवण यंत्र भी वितरित किए गए। स्वच्छता में सहयोग करने वाले 12 पर्यावरण मित्रों को सम्मानित किया गया।

मुख्य न्यायाधीश ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। स्वास्थ्य शिविर में शुगर, रक्तचाप, हीमोग्लोबिन और ईसीजी जांच के साथ निशुल्क दवा वितरित की गई। दंत जांच तथा नेत्र परीक्षण कर जरूरतमंदों को चश्मे भी दिए गए। सचिव सीमा डुंगराकोटी ने कहा कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद और वंचित वर्ग तक न्याय तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है।

डिजिटल शिक्षा से रोरी के युवाओं को मिली नई उड़ान, शिक्षा और कौशल विकास से बदल रही गांव की तस्वीर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भोजपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत रोरी में डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को आगे बढ़ने के नए अवसर मिल रहे हैं। गांव में स्थापित मॉडल डिजिटल पुस्तकालय विद्यार्थियों के लिए आधुनिक शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। यहां छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ डिजिटल संसाधन और अध्ययन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। ग्राम पंचायत के सहयोग से संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भी युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है। अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को यहां निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए मात्र एक रुपये प्रतिदिन शुल्क निर्धारित किया गया है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवाओं को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने और रोजगार के बेहतर अवसर हासिल करने में मदद मिल रही है। रोरी में शिक्षा और विकास की इस पहल में प्रदेश

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, जिला प्रशासन की सक्रिय भूमिका और ग्राम पंचायत के प्रयासों का योगदान बताया जा रहा है। शासन की मंशा के अनुरूप गांव में शिक्षा, कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। ग्राम प्रधान पूनम सिंह के नेतृत्व में रोरी ने सामाजिक समावेशन और महिला नेतृत्व का भी उदाहरण प्रस्तुत किया है। अनुसूचित जाति की महिला का ग्राम प्रधान के रूप में नेतृत्व करना गांव में सामाजिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास की सुविधाओं से युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि स्थानीय स्तर पर शिक्षा और कौशल से जुड़ी सुविधाएं मिलने के कारण विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य के लिए बाहर के संसाधनों पर निर्भरता कम हुई है।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, डिजिटल सुविधाओं, कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के प्रयासों के प्रति आभार जताया। ग्रामीणों का कहना है कि शासन की योजनाओं और प्रशासन के सहयोग से गांवों में विकास और सकारात्मक बदलाव की नई तस्वीर सामने आ रही है। रोरी की यह पहल बताती है कि शासन की योजनाओं, प्रशासन की सक्रियता और ग्राम पंचायत की प्रतिबद्धता का प्रभावी समन्वय ग्रामीण युवाओं को शिक्षा और रोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सांसद इकरा हसन पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में सपा कार्यकताओं ने दी शिकायत

शामली (शिखर समाचार)। कैराना लोकसभा क्षेत्र की सांसद इकरा हसन के खिलाफ सामाजिक माध्यम पर कथित रूप से अमर्यादित एवं आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष सुरेंद्र ताना के नेतृत्व में रविवार को आदर्श मंडी थाने पहुंचे और पुलिस को शिकायती पत्र सौंपा। शिकायत में संबंधित पोस्ट और उसमें शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई है।

शिकायती पत्र थानाभवन क्षेत्र के गांव धकोड़ी जमालपुर निवासी ठाकुर शेर सिंह राणा की ओर से दिया गया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि रोहित प्रधान पुत्र चंद्रपाल निवासी गांव बीराखेड़ी, थाना गंगोह, जनपद सहारनपुर तथा उसके कुछ अन्य साथियों ने सांसद इकरा हसन के खिलाफ सामाजिक माध्यम अथवा सार्वजनिक माध्यम से कथित रूप से अमर्यादित एवं आपत्तिजनक टिप्पणी की।

शिकायतकर्ता के अनुसार कथित टिप्पणी से सांसद की प्रतिष्ठा और सम्मान को ठेस पहुंचने के साथ ही क्षेत्र में आपसी सौहार्द और शांति प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायत में संबंधित पोस्ट, टिप्पणी और सामाजिक माध्यम के खातों की जांच कर इसमें शामिल लोगों की भूमिका स्पष्ट करने का अनुरोध किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई करने तथा आपत्तिजनक सामग्री को नियमानुसार हटवाने की मांग की है। शिकायत के समर्थन में कथित पोस्ट के छायाचित्र, सामाजिक माध्यम की सामग्री और खातों से संबंधित अन्य साक्ष्य उपलब्ध कराने की बात भी कही गई है। इस अवसर पर कलीम चौधरी, शमशाद बलवा, सचिन कुमार, तासिन मंसूरी, सुरेश प्रधान और संदीप राणा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वर्षों पुरानी परंपरा मेला छड़ियान निर्धारित समय पर शुरू, नगरवासियों में खुशी

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कई वर्षों के अंतराल के बाद नगर का प्रसिद्ध मेला छड़ियान इस बार निर्धारित समय पर शुरू हो गया है। खतौली नगर पालिका परिषद की ओर से आयोजित मेले का शनिवार देर शाम जाहरवीर गोगा मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद फीता काटकर उद्घाटन किया गया। समय से मेला शुरू होने को लेकर नगरवासियों में उत्साह और खुशी का माहौल है। उद्घाटन अवसर पर उपजिलाधिकारी ललित मिश्रा, क्षेत्राधिकारी रूपाली राय, अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार सहित पालिका अधिकारी, सभासद और बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे।

पालिका अध्यक्ष हाजी शाहनवाज लालू ने कहा कि मेला छड़ियान नगर की पहचान और वर्षों पुरानी परंपरा का हिस्सा है। इसे निर्धारित समय पर शुरू कराने के लिए पालिका स्तर पर कई अड़चनों और व्यवस्थागत कारणों को दूर किया गया। लगातार प्रयासों के बाद इस वर्ष मेले का आयोजन समय से संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले लोगों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने नगरवासियों से भयमुक्त होकर मेले में आने और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया। उपजिलाधिकारी ललित मिश्रा ने बताया कि मेला परिसर में सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं और निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मेला ठेकेदार गुलफाम ने बताया कि इस बार 90 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। अप्पू घर में झूलों की सुरक्षा के लिए विद्युत व्यवस्था को सुरक्षित बनाया गया है तथा आपात स्थिति से निपटने के इंतजाम किए गए हैं। उपजिलाधिकारी ने बताया कि पहली बार संकट द्वार बनाया गया है और अग्निशमन दल भी मेले में मौजूद रहेगा। उद्घाटन के दौरान सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। मेले के शुरू होते ही दुकानदारों और झूला संचालकों में भी उत्साह दिखाई दिया।

भव्य रावल मौत मामले में परिजनों ने दोस्त पर लगाया हत्या का आरोप, पुनर्विवेचना की मांग

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद के बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र में करीब दस माह पूर्व विवाह समारोह में आए दिल्ली निवासी युवक भव्य रावल की ट्रैक्टर से कुचलकर हुई मौत के मामले में परिजनों ने रविवार को प्रेस वार्ता कर उसके दोस्त पर हत्या का आरोप लगाया। परिजनों ने पुलिस पर विवेचना में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह से मामले की पुनर्विवेचना कराने की मांग की है।

मृतक भव्य रावल

परिजनों के अनुसार 16 नवंबर 2025 को भव्य रावल अपने साथियों के साथ बहादुरगढ़ क्षेत्र में एक विवाह समारोह में शामिल होने आए थे। समारोह के बाद सभी एक खेत में गए, जहां खड़े ट्रैक्टर का उपयोग किया गया। इसी दौरान भव्य ट्रैक्टर के नीचे आ गए और उनकी मौत हो गई। परिजनों ने घटना को पूर्व नियोजित षड्यंत्र के तहत हत्या बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि घटनास्थल की वीडियो क्लिप की वैज्ञानिक जांच और मौके पर मौजूद सभी लोगों से पूछताछ होनी चाहिए।

मदद गुरु फाउंडेशन के अध्यक्ष आयुष गौड़ के साथ आयोजित प्रेस वार्ता में मृतक के भाई लक्ष्य रावल ने आरोप लगाया कि विवेचना अधिकारियों और बहादुरगढ़ थाने के तत्कालीन व वर्तमान अधिकारियों ने आरोपियों से कथित मिलीभगत कर मामले में अंतिम रिपोर्ट लगा दी। परिजनों का दावा है कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, वीडियो की फोरेंसिक जांच, घटनास्थल और वाहन का परीक्षण तथा घटनास्थल का पुनर्निर्माण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को विवेचना में शामिल नहीं किया गया।

परिजनों ने विवेचना अधिकारियों बनी सिंह व नवीन कुमार, तत्कालीन थाना प्रभारी धीरज मलिक तथा वर्तमान थाना प्रभारी इंद्रकांत यादव पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोपी पार्थ गुप्ता, वरुण पांडे, अवनीश चौधरी और विशेष रूप से तन्मय सिंघल पर प्रभाव व रसूख के इस्तेमाल से जांच प्रभावित करने का आरोप लगाया। परिवार ने कहा कि न्याय नहीं मिला तो मेरठ रेंज के डीआईजी कलानिधि नैथानी और मुख्यमंत्री के समक्ष गुहार लगाएंगे।

मदद गुरु फाउंडेशन के अध्यक्ष आयुष गौड़ ने कहा कि फाउंडेशन का उद्देश्य मदद के बदले मदद करना है। जरूरतमंद लोग फाउंडेशन से किसी भी प्रकार की मदद ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन ने मदद गुरु पत्रकार एसोसिएशन, अखिल भारतीय समूह की शुरूआत भी की है, जिसके माध्यम से पत्रकारों की समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर अभिषेक, कर्ण जैन आदि मौजूद रहे।

मेरठ में राष्ट्रीय वाल्मीकि सम्मेलन की तैयारी तेज, बिजनौर पहुंचे भगवत प्रसाद मकवाना

बिजनौर (शिखर समाचार)। मेरठ में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना बिजनौर पहुंचे और लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह में पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कार्यकताओं के साथ बैठक कर सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकताओं से सम्मेलन में समाज के अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक को संबोधित करते हुए भगवत प्रसाद मकवाना ने कहा कि समाज के लोगों को आपसी भेदभाव भुलाकर एकजुट होना होगा। उन्होंने कार्यकताओं से घर-घर जाकर संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी देने तथा लोगों को सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रेरित करने को कहा। उन्होंने कहा कि मोर्चा वाल्मीकि समाज को एक मंच पर लाकर उसके मूल अधिकार और सम्मान दिलाने के लिए संघर्ष कर रहा है। समाज की एकजुटता के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि डॉ.

भीमराव आंबेडकर के तीन मूल मंत्र शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो को समाज को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। जब तक समाज इन सिद्धांतों को आत्मसात नहीं करेगा, तब तक उसका अपेक्षित सामाजिक विकास संभव नहीं है। उन्होंने सम्मेलन को समाज की समस्याओं, अधिकारों और सम्मान से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा का महत्वपूर्ण मंच बताया। बैठक में राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र सोढ़ी, प्रदेश महामंत्री मनोज वाल्मीकि, प्रदेश सचिव जयपाल सिंह दरोगा, मंडल अध्यक्ष यश पवार, जिला पदाधिकारी रामपाल सिंह, पवन कुमार मंडावर, राष्ट्रीय सचिव केके रंजन, विशाल पारछा, सर्वेश कुमार, ताराचंद छितावर, नरेंद्र पारछा, प्रदेश सचिव राजू सूद जैतरा, पूनम चौटाला, रामलाल प्रधान और राजू चावला सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पर्युषण पर्व आत्मचिंतन, तप और आराधना का अवसर : नरेश मुनि

शामली (शिखर समाचार)। शहर के श्री श्वेतांबर जैन स्थानक मंदिर में चल रहे चातुर्मास कार्यक्रम के दौरान रविवार को नरेश मुनि ने श्रद्धालुओं को पर्युषण पर्व के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आठ सितंबर से पर्युषण पर्व प्रारंभ होंगे। इस दौरान तप और आराधना के साथ 24 घंटे का अखंड जाप आयोजित किया जाएगा। उन्होंने समाज के सभी लोगों से इसमें बढ़ चढ़कर सहभागिता करने का आह्वान किया। प्रवचन के दौरान नरेश मुनि ने बताया कि इस बार पर्युषण पर्व 18 दिनों तक मनाए जाएंगे। विशेष बात यह है कि श्वेतांबर और दिगंबर जैन समाज मिलकर इस पर्व को मनाएंगे। उन्होंने समाज में एकता, प्रेम और आपसी सद्भाव बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि सभी समान हैं और किसी को छोटा या बड़ा नहीं समझना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं से पर्व के दौरान

बाहरी आडंबर और श्रृंगार से दूर रहकर आत्मचिंतन, तप तथा आराधना पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। नरेश मुनि ने नशामुक्ति को लेकर भी समाज से गंभीर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शराब सहित सभी प्रकार के नशे समाज के लिए हानिकारक हैं। शराब पर नियंत्रण होने से अन्य नशों पर भी रोक लगाने में मदद मिलेगी। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों के चरित्र निर्माण और उन्हें संस्कारवान बनाने पर विशेष ध्यान देने की अपील की। नवनीत मुनि ने बताया कि गुरु महाराज के पैतृक गांव बिजरोल से छात्र छात्राएं और शिक्षक शिक्षिकाएं शामली जैन स्थानक पहुंचे तथा नशामुक्ति अभियान के तहत गुरु महाराज से पांच प्रतिज्ञाएं लेकर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में तपस्या करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। शामली के अलावा कांधला, मेरठ, दिल्ली, हरियाणा, बड़ौत, छपरौली और मवाना से बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं पहुंचे तथा प्रवचन सुनकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

एलायंस क्लब हापुड़ क्रिस्टल ने श्री जी गौशाला में की गौ सेवा

हापुड़ (शिखर समाचार)। एलायंस क्लब हापुड़ क्रिस्टल की ओर से रविवार को छठे मासिक सेवा प्रकल्प के तहत धीरखेड़ा स्थित श्री जी गौशाला में गौ सेवा की गई। क्लब के सदस्य अपने परिवार और बच्चों के साथ गौशाला पहुंचे और वहां मौजूद गोवंश तथा नंदी को अपने हाथों से फल, केले, हरा चारा, चोकर, खांड और बाजरा खिलाया। सदस्यों ने गौ सेवा के माध्यम से समाज में सेवा और करुणा का संदेश दिया।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर भगवंत गोयल ने कहा कि एलायंस क्लब एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है, जो लगातार सामाजिक हित और सेवा कार्यों में योगदान दे रही है। हापुड़ में क्लब की आठ शाखाएं विभिन्न सेवा प्रकल्पों के माध्यम से जरूरतमंदों और समाज के अन्य वर्गों के लिए कार्य कर रही हैं। अध्यक्ष रवि मोहन गर्ग ने कहा कि सनातन परंपरा में गौ सेवा को पुण्य कार्य माना गया है। उन्होंने कहा कि सेवा कार्यों से समाज में सकारात्मक सोच और करुणा की भावना मजबूत होती है। क्लब की ओर से भविष्य में भी सामाजिक और सेवा गतिविधियां जारी रखी जाएंगी।

सचिव योगेंद्र अग्रवाल ने कहा कि गौ सेवा मनुष्य में दया, करुणा और सेवा भावना का विकास करती है। कोषाध्यक्ष कपिल अग्रवाल ने बताया कि क्रिस्टल क्लब कई वर्षों से गौ सेवा के साथ जल सेवा, शर्बत सेवा और अन्य सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है। इस दौरान परियोजना अध्यक्ष सर्वेश गोयल, राजेश वर्मा, सचिन अग्रवाल, संजय वर्मा, पंकज कंसल, सीमा गोयल सहित क्लब के अन्य सदस्य और उनके परिवारजन मौजूद रहे।

भारी बारिश से अफजलगढ़ सीएचसी परिसर जलमग्न, ओपीडी और कर्मचारियों के क्वार्टरों में घुसा पानी

बिजनौर (शिखर समाचार)। अफजलगढ़ क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। लगातार बारिश से नगर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। सबसे खराब हालात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर के हैं, जहां बारिश का पानी भरने से पूरा परिसर तालाब में तब्दील हो गया है। अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग, औषधि वितरण कक्ष, मुख्य दवाई भंडार और कर्मचारियों के आवासीय क्वार्टरों में पानी घुसने से मरीजों, चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल कर्मचारियों के अनुसार, स्वास्थ्य केंद्र का परिसर आसपास के क्षेत्रों की अपेक्षा काफी निचले स्थान पर है। इसके अलावा यहां पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण प्रत्येक वर्ष बारिश के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है। इस बार लगातार दो दिन हुई तेज बारिश के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है। अस्पताल परिसर में पानी जमा होने से मरीजों और उनके तीमारदारों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। सीएचसी में तैनात फार्मासिस्ट मनोज शर्मा ने बताया कि जलभराव के कारण अस्पताल के कर्मचारियों के साथ मरीजों को भी काफी दिक्कत हो रही है। पानी जमा रहने से गंदगी और संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल मोटर पंप लगाकर पानी की निकासी कराने तथा अस्पताल परिसर में स्थायी जल निकासी व्यवस्था विकसित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि हर वर्ष बरसात में होने वाली इस समस्या का स्थायी समाधान कराया जाना जरूरी है, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों।

गोवंश वध कर देहरादून मांस भेजने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। नजीबाबाद थाना पुलिस ने क्षेत्र में गोवंश वध के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी आवारा गोवंश को पकड़कर उसका वध करने के बाद मांस को पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के देहरादून में भेजते थे। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर गोवंश वध में प्रयुक्त रस्सा, छुरी, चापड़ सहित अन्य सामान बरामद किया गया है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, 31 अगस्त को नजीबाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम मोअज्जमपुर तुलसी स्थित एक बाग में गोवंश के अवशेष पड़े मिले थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र में तनाव और आक्रोश की स्थिति बन गई थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को दो संदिग्धों के नाम प्रकाश में आए। इसके बाद पुलिस टीम ने नजीबाबाद के मोहल्ला जाब्तागंज निवासी शहनवाज और कोतवाली देहात क्षेत्र निवासी इदरीस को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में दोनों ने घटना में शामिल होने की बात स्वीकार की। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने एक अन्य साथी के साथ मिलकर आवारा गोवंश को पकड़ा और उसका वध किया था। इसके बाद मांस को वाहन के माध्यम से देहरादून के कारगी चौक स्थित एक मांस की दुकान पर बिक्री के लिए भेजा जाता था। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में आर्य समाज ने मनाया श्रावणी पर्व

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे की मास्टर कॉलोनी स्थित राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में आर्य समाज की ओर से श्रावणी पर्व श्रद्धा और वैदिक परंपराओं के साथ मनाया गया। इस अवसर पर यज्ञ-हवन का आयोजन किया गया, जिसमें आर्यजनों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां देकर समाज और देश की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के दौरान वेदों की महिमा का गुणगान करते हुए वैदिक जीवन पद्धति अपनाने का संदेश दिया गया। यज्ञ के यजमान नगर पंचायत सभासद कुणाल पंवार और उनकी पत्नी ज्योति पंवार रहे।

कार्यक्रम में आर्य समाज के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभासद कुणाल पंवार ने कहा कि आर्य समाज की ओर से मनाया जाने वाला श्रावणी पर्व प्राचीन गौरवशाली संस्कृति और सनातन परंपराओं के पुनर्जागरण का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण विभिन्न प्रकार के प्रदूषण से प्रभावित है। ऐसे में यज्ञ और हवन जैसी वैदिक प्रक्रियाएं पर्यावरण संतुलन और वातावरण की शुद्धता के प्रति लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम का संचालन संजीव आर्य ने किया। उन्होंने श्रावणी पर्व के धार्मिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों से वैदिक संस्कारों एवं परंपराओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मास्टर नाहर सिंह, संयम पंवार, राष्ट्रीय लोकदल नेत्री अनुपमा चौधरी, चमन सिंह चौधरी, प्रवीण राणा, मास्टर संजीव पंवार, रामछैल राठी और सुभाष कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सहारनपुर जाने से पहले सपा नेता नवाब इम्तियाज को नजरबंद किया

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में बनी मस्जिद को प्रशासन द्वारा अवैध अतिक्रमण मानकर हटाए जाने की कार्रवाई के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी मामले में क्षेत्र के लोगों की बात प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रखने और उनसे मुलाकात करने के लिए बुढ़ाना निवासी समाजवादी पार्टी नेता नवाब इम्तियाज सहारनपुर जाने वाले थे। उनके रवाना होने से पहले ही पुलिस उनके आवास पर पहुंच गई और उन्हें बाहर निकलने से रोकते हुए नजरबंद कर लिया।

बताया गया कि कस्बा चौकी प्रभारी ललित कसाना पुलिस बल के साथ नवाब इम्तियाज के आवास पर पहुंचे। पुलिस ने उन्हें सहारनपुर जाने की अनुमति नहीं दी और घर से बाहर निकलने से रोक दिया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद सपा नेता ने नाराजगी जताते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी बात रखने और अधिकारियों से मिलने का अधिकार है। ऐसे में किसी व्यक्ति को अपनी बात रखने के लिए जाने से रोकना उचित नहीं है। नवाब इम्तियाज ने आरोप लगाया कि उन्हें नजरबंद किया जाना सरकार के तानाशाही रवैये को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में हुई कार्रवाई को लेकर क्षेत्र के लोगों की भावनाएं और सवाल प्रशासन तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने से किसी को नहीं रोका जाना चाहिए। मामले को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक चर्चा भी तेज हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

पशुपालन विभाग मिनिस्टीरियल एम्प्लाइज एसोसिएशन का चुनाव संपन्न

बरेली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश पशुपालन विभाग मिनिस्टीरियल एम्प्लाइज एसोसिएशन बरेली मंडल का चुनाव संपन्न हुआ। इस दौरान बरेली, पीलीभीत, बदायूं और शाहजहांपुर के लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारियों ने मतदान किया। चुनाव में इंद्र भूषण गौतम को अध्यक्ष और हरीश कुमार सागर को महामंत्री चुना गया। साथ ही उदय भान सिंह और मो. असलम वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अनुराग सक्सेना उपाध्यक्ष और नितीश कुमार सिंह कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। प्रदेश महामंत्री अखंड प्रताप सिंह, प्रदेश संरक्षक अंबर वीर सिंह, नीलेश कुमार सक्सेना, कलीम जमाल, रविंद्र स्वरूप सागर, आदिल रशीद नकवी, अफसर हुसैन, रेनू, अमिता, सुजाता सक्सेना, अंजली, आशीष गंगवार, निर्भय आजाद, विनीता सक्सेना समेत कई लोग मौजूद रहे।

केपीएम अस्पताल का जर्जर भवन होगा ध्वस्त, शासन ने मांगा ब्योरा

कानपुर , एजेंसी। कमलापति मेमोरियल (केपीएम) अस्पताल के पुराने जर्जर भवन को ध्वस्त करने की तैयारी शुरू हो गई है। शासन ने अस्पताल प्रशासन से ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया और संभावित खर्च का पूरा ब्योरा मांगा है। इसके बाद सीएमएस डॉ. अनिल शुक्ला ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को पत्र भेजकर भवन ध्वस्तीकरण की तकनीकी रिपोर्ट और अनुमानित लागत उपलब्ध कराने को कहा है। सीएमएस के अनुसार शासन से लंबे समय से अस्पताल में आधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम लगाने के निर्देश मिल रहे थे। जर्जर भवन में नई तकनीक लगवाना या निर्माण कार्य कराना सुरक्षित नहीं था। करीब दो वर्ष पहले कानपुर आईआईटी के सर्वे में भी भवन को पूरी तरह जर्जर बताते हुए जीर्णोद्धार को खतरनाक बताया गया था। रिपोर्ट के आधार पर शासन ने भवन ध्वस्त कर सुरक्षा मानकों के अनुरूप नए निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया है। पीडब्ल्यूडी रिपोर्ट के बाद प्रशासनिक स्वीकृति लेकर कार्रवाई होगी। विभागीय सूत्रों के मुताबिक अस्पताल को नौबस्ता के 100 बेड अस्पताल में शिफ्ट करने की चर्चा है।

एक छात्रा और शिक्षिका का टीईसीसी छात्रवृत्ति के लिए चयन

बरेली, एजेंसी। रुहेलखंड विश्वविद्यालय से ताइपे आर्थिक व सांस्कृतिक केंद्र (टीईसीसी) की छात्रवृत्ति के लिए एक छात्रा और एक शिक्षिका का चयन हुआ है। बहुभाषी विभाग की छात्रा और आउटसोर्स कर्मचारी गीतांजलि तिवारी को एक वर्ष की छात्रवृत्ति मिली है। शिक्षा विभाग की शिक्षिका मिनाक्षी द्विवेदी का चयन शिक्षकों की श्रेणी में हुआ है।इस बार केवल एक छात्रा का चयन हुआ है, जबकि पिछले वर्षों में अधिक छात्रों को यह छात्रवृत्ति मिलती थी। एक छात्र ने चयन प्रक्रिया में भेदभाव का आरोप लगाया था, जिसमें विभाग की एक कर्मचारी के चयन को निश्चित बताया गया था।विभाग प्रभारी अनीता त्यागी ने आरटीआई के जवाब में गीतांजलि के आउटसोर्स कर्मी होने की बात स्वीकार की। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीईसीसी सीधे विश्वविद्यालय से नहीं, बल्कि ताइवान से आए शिक्षक से ही संपर्क करता है। शिक्षकों के चयन पर त्यागी ने बताया कि दो शिक्षकों में से बदायूं के शिक्षक आवेदन नहीं कर सके, इसलिए मिनाक्षी द्विवेदी का चयन हुआ। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस बार कम छात्रों का चयन टीईसीसी की बदली हुई नीतियों के कारण हुआ है, इसमें बहुभाषी विभाग की कोई भूमिका नहीं है। कुलपति अनिल कुमार राय ने कहा कि छात्रा का चयन अर्न वाइल यू लर्न नीति के तहत हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि केवल एक शिक्षिका ने आवेदन किया, इसलिए उनका चयन हुआ।

बुजुर्ग समेत तीन लोग स्वाइन फ्लू संक्रमित

बरेली, एजेंसी। स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। शुक्रवार को नवाबगंज की 74 वर्षीय महिला के बाद अब 71 वर्षीय बुजुर्ग समेत तीन लोगों की पॉजिटिव रिपोर्ट पोर्टल पर अपडेट हुई है। स्वास्थ्य विभाग की अलग-अलग टीमों ने सभी मरीजों के घर जाकर जरूरी दवाएं दीं और एहतियात बताए। पोर्टल पर अपडेट रिपोर्ट के अनुसार सभी मरीजों की जांच निजी लैब में हुई थी। इसमें बिथरी के रिठौरा निवासी 71 वर्षीय बुजुर्ग, इज्जतनगर के वसंत विहार की 25 वर्षीय महिला, रोहली टोला की 63 वर्षीय महिला चपेट में मिली है। एक महिला होम आइसोलेशन में है, जबकि अन्य निजी अस्पताल में भर्ती हैं। अब तक जिले में नौ केस मिल चुके हैं। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि सभी मरीजों के घर पहुंचकर आरआरटी टीम ने ओसेल्टामिविर दवा की पांच-पांच खुराक दी है। संदिग्ध लक्षण उभरने पर कंट्रोल रूम को सूचना देने के लिए कहा है। आईडीएसपी प्रभारी डॉ. मीसम अब्बास के मुताबिक, संक्रमितों की निगरानी की जा रही है। मॉडल टाउन की संक्रमित महिला स्वस्थ है और अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर पहुंच गई है। फॉलोअप जांच में रिपोर्ट निगेटिव मिली है।जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन के मुताबिक, स्वाइन फ्लू के मामलों के फॉलोअप और संदिग्ध लोगों की सूचना के लिए कंट्रोल रूम बनाया गया है। आठ-आठ घंटे की पाली में ड्यूटी लगी है। तेज बुखार, सर्दी, खांसी, गले में जकड़न आदि हो तो 05812553311 पर कॉल कर सूचना दे सकते हैं। पुष्टि पर दवा मिलेगी। जरूरत पर भर्ती भी किया जाएगा। जिला अस्पताल के एडी एसआईसी डॉ. आरसी दीक्षित ने बताया कि अस्पताल में ट्रूनेट मशीन है, लेकिन स्वाइन फ्लू की जांच के लिए संबंधित रीजेंट नहीं हैं। इसके लिए टेंडर हो चुका है। सोमवार को रीजेंट आ जाएगा। मंगलवार से जांच शुरू हो जाएगी। अभी अगर किसी मरीज में संदिग्ध लक्षण मिलेंगे तो उसका सैंपल जांच के लिए बदायूं जिला अस्पताल भेजेंगे।

लंपी की चपेट में 20 जिले, बचाव में उतरी टीम

हरियाणा से सटे जिलों में ज्यादा प्रकोप

» बीमारी की चपेट में आए करीब 1368 जानवरों का उपचार चल रहा है। संबंधित गांवों में पशुपालन विभाग की टीम निरंतर निगरानी कर रही है

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में पशुओं में लंपी स्किन डिजीज (एलएसडी) संक्रमण फैल गया है। इस बीमारी की चपेट में हरियाणा से सटे जिलों के पशु अधिक है। करीब 14 पशुओं की मौत हो गई। अन्य का उपचार चल रहा है। बीमारी से पशुओं को बचाने के लिए दूसरे राज्य से सटे जिलों में विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। दूसरे राज्यों के पशुओं के जिलों में आने पर भी रोक लगाई गई है।

प्रदेश में लंपी की दस्तक करीब दो माह पहले ही हो गई थी। हरियाणा एवं राजस्थान से मिले इनपुट के आधार पर पशुपालन विभाग ने सीमावर्ती जिलों में करीब 10 किलोमीटर की परिधि में टीकाकरण किया। उम्मीद थी कि इससे संक्रमण रुक जाएगा, लेकिन धीरे- धीरे यह आगे बढ़ता गया। जिन जिलों में पहले बीमारी आई थी, वहां अब नए केस नहीं मिल रहे हैं।

पशुपालन विभाग का दावा है कि अब तक करीब 8562 पशु बीमारी की चपेट में आए हैं, जिनमें 7180 ठीक हो गए हैं। प्रभावित जिलों में करीब 50 लाख टीका भेजा गया है, जिनमें 13.50 लाख पशुओं को लगा दिया गया है। बीमारी की चपेट में आए करीब 1368 जानवरों का उपचार चल रहा है। संबंधित गांवों में पशुपालन विभाग की टीम निरंतर निगरानी कर रही है।

सहारनपुर में सर्वाधिक मौत

लंपी की चपेट में सर्वाधिक 5391 पशु सहारनपुर में आए हैं। यहां आठ पशुओं की मौत हुई है। इसी तरह बागपत में एक, गाजियाबाद में तीन, मथुरा में दो सहित कुल 14 पशुओं की मौत हुई है। अन्य की डेथ आडिट की जा रही है। बीमारी की चपेट में आए जिलों में शामली में 1212, मुजफ्फरनगर में 364, मेरठ में 156, मथुरा में 206, फिरोजाबाद में 325, बिजनौर में 206, बागपत में 230, हापुड़ में 163 मरीज मिले हैं। इसके अलावा आगरा, अमरोहा, बुलंदशहर, इटावा, हाथरस, चित्रकूट, झांसी, बहराइच, कानपुर नगर में छिटपुट मरीज मिले हैं।

पूर्वांचल और बुंदेलखंड में निगरानी का मिला फायदा

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लंपी के केस मिलते ही पूर्वांचल एवं बुंदेलखंड के सीमावर्ती जिलों में 10 किलोमीटर की परिधि में टीकाकरण की बाड़बंदी(लेयर) तैयार किया गया। निरंतर निगरानी का फायदा मिला और ये जिलों बच गए हैं। चित्रकूट और झांसी के केस को देखते हुए बुंदेलखंड को अलर्ट कर दिया गया है।

अब बीमारी नियंत्रण में हैं। प्रभावित 20 जिलों की मुख्यालय से भी हर दिन समीक्षा की जा रही है। विशेष टीकाकरण अभियान भी चल रहा है। जिन जिलों में पहले मरीज मिले थे, वहां अब खत्म होने लगे हैं। सीमावर्ती जिलों से कोई प्रभावित पशु न आने पाए, इसकी भी निगरानी की जा रही है। जिन पशुओं की मौत हुई है, उनमें ज्यादातर वे हैं, जिनका पशुपालकों ने समय पर इलाज नहीं कराया अथवा निराश्रित थे। यह पशु से मनुष्य में नहीं फैलती है। इसका असर होने पर पशु के शरीर पर गांठें बनना, बुखार और दूध की कमी हो जाती है। बचने के लिए हर पशु को अनिवार्य रूप से टीका लगवाएं।

दिल के मरीज बढ़े, विशेषज्ञ भी बढ़ें: डॉ. मेहरवाल

लखनऊ, एजेंसी। दिल की बीमारियों का इलाज भले ही लगातार बेहतर हो रहा हो लेकिन मरीजों की बढ़ती संख्या के साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों की जरूरत भी बढ़ रही है। वाल्व रिप्लेसमेंट, बाईपास सर्जरी और जटिल हृदय रोगों के ऑपरेशन से लेकर हार्ट ट्रांसप्लांट तक की सुविधाओं ने गंभीर मरीजों के इलाज की उम्मीद बढ़ाई है। ऐसे में हृदय रोगों के बढ़ते बोझ के सापेक्ष विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी दूर करना जरूरी है। इसके लिए नई पीढ़ी के डॉक्टरों को बेहतर प्रशिक्षण देना होगा।

यह कहना है केजीएमयू के 1976 बैच के पूर्व छात्र और वरिष्ठ कार्डियोवैस्कुलर सर्जन डॉ. जिले सिंह मेहरवाल का। करीब 40 वर्ष के चिकित्सा कॅरिअर में वह अब तक 35 हजार से अधिक दिल की सर्जरी कर चुके हैं। उन्होंने 94 वर्ष की उम्र के मरीज की बाईपास सर्जरी का भी अनुभव साझा किया।

शनिवार को केजीएमयू के कलाम सेंटर में जॉर्जियन एलुमनाई एसोसिएशन की ओर से शिक्षकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मेहरवाल ने कहा कि हृदय सर्जरी में सफलता दर लगातार बेहतर हुई है। समय पर बीमारी की पहचान और इलाज से मरीजों को गंभीर जटिलताओं से बचाया जा सकता है। इसके लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ ही विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ाना जरूरी है।

स्मार्ट हुए सेंटर प्वाइंट में एक भी यूरिनल नहीं

शौचालय में शाम आठ बजे से लग जाता है ताला

अलीगढ़ , एजेंसी। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में करोड़ो रुपये से चमकाए गए सेंटर प्वाइंट के व्यापारी और ग्राहक आज भी लघुशंका होने पर बेचैन हो जाते हैं। चौराहे पर बने एक मात्र सुलभ शौचालय में शाम आठ बजे से ताला लग जाता है। इसके बाद यह समस्या बेहद गंभीर हो जाती है।

शनिवार को सेंटर प्वाइंट व्यापार मंडल के साथ हुए संवाद में महिला कारोबारी आरती शर्मा ने कहा कि ग्राहकों को किसी रेस्टोरेंट या होटल के शौचालय में जाना पड़ता है। यूरिनल नहीं होने से महिलाओं बहुत असुविधा होती है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष विवेक बगाई ने बताया कि समद रोड, मैरिस रोड, स्टेशन रोड और लेखराज नगर की ओर से चार-चार यूरिनल बनाने का प्रस्ताव नगर निगम को दिया गया है, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

कलर लैब के संचालक राजीव गुप्ता ने कहा कि आठ साल बाद भी स्टेशन रोड का निर्माण पूरा नहीं हुआ है। जिससे इस ओर के व्यापारी ज्यादा परेशान हैं। कोषाध्यक्ष नितिन वार्ष्णेय ने कहा कि डिजाइनर स्ट्रीट लाइटों से रोशनी नहीं हो रही है, इसलिए इनकी जगह हाई मास्ट लाइटें लगवाई जाएं। नितिन बगाई ने कहा कि टीकाराम मंदिर के सामने लगने वाले जाम को दूर करने के लिए यहां की ट्रैफिक लाइट की समय अवधि 15 सेकंड की जाए ताकि वाहनों के निकलने की गति बढ़ सके। अभी यह अवधि एक मिनट है। सराफा कारोबारी विजय कुमार ने कहा कि रोजाना नियमित समय पर सफाई नहीं होने और कूड़ा नहीं उठने से बदबू और गंदगी की समस्या रहती है। संजीव भारद्वाज ने कहा है कि स्टेशन रोड, मैरिस रोड, लेखराज नगर और समद रोड पर बनाए गए टेबल टॉप को हटाया जाए, क्योंकि इससे बारिश का पानी रुक जाता है और जलभराव होता है। योगेश वार्ष्णेय ने कहा कि स्मार्ट सिटी के तहत काम तो हुए, लेकिन बेहद जरूरी सुविधाएं दरकिनार करने से इनका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। कारोबारी अंकित गुप्ता और कमल बगाई ने कहा कि नगर निगम यहां की सुविधाओं की समीक्षा कर सुधार करे तो व्यापारियों के साथ ग्राहकों को बड़ी राहत मिलेगी।

तीन जगह प्रस्तावित है पार्किंग, एक भी नहीं बनी

व्यापारियों ने बताया कि पार्किंग की जटिल समस्या के समाधान के लिए तीन स्थानों पर इसकी व्यवस्था कराने का प्रस्ताव दिया गया है। पहला गांधी आई हॉस्पिटल की दीवार के सहारे रामघाट रोड पर, दूसरा मैरिस रोड पर सप्ताह वार दोनों ओर, तीसरा एसबीआई रोड पर लेखराज नगर के पास। नगर आयुक्त और मेयर को यह प्रस्ताव दिया जा चुका है। मेयर ने जल्द ही इसको लागू करने का भरोसा दिलाया है, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ है।

- मैरिस रोड और अब्दुल्ला चौराहे के पास बंद शौचालयों को जल्द दुरुस्त कराया जाएगा ताकि दुकानदारों और ग्राहकों को असुविधा न हो। यहां पर पिंक शौचालय बनाए जाएंगे।

- सेंटर प्वाइंट पर सार्वजनिक शौचालय एवं यूरिनल का निर्माण कराया जाएगा। तय स्थान पर पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी, ताकि दुकानदारों और ग्राहकों को सुविधा मिल सके।

–प्रेम प्रकाश मीणा, नगर आयुक्त।

आक्रांता मूर्तियां तोड़ सकते हैं, आस्था और मूल्य नहीं: योगी

जिन लोगों ने हमारी आस्था को चोट पहुंचाने का प्रयास किया, उनका इतिहास मिट गया

लखनऊ, एजेंसी। आक्रांता मूर्तियां तोड़ सकते हैं लेकिन आस्था और मूल्य नहीं। लोगों के मन में बसे श्रीराम और श्रीकृष्ण को आक्रांता छू भी नहीं पाए। जिन लोगों ने हमारी आस्था को चोट पहुंचाने का प्रयास किया, उनका इतिहास मिट गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रिजर्व पुलिस लाइंस में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योगेश्वर श्रीकृष्ण का जन्म जेल की काल कोठरी के अंधेरे में हुआ लेकिन उन्होंने जीवनभर समाज को प्रकाश का मार्ग दिखाया। उनका जीवन धर्म, सत्य और न्याय की स्थापना के साथ कर्तव्य के पालन का संदेश देता है।

योगी ने कहा कि श्रीकृष्ण का विराट व्यक्तित्व हमें कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देता है। कर्मक्षेत्र में व्यक्ति को खुद को पहचानना चाहिए और जो श्रेष्ठ हो, उसे करने का प्रयास करना चाहिए। जीवन में भ्रम और संशय की स्थिति में गीता का संदेश मार्गदर्शन करता है।

मंदिर टूटे, आस्था फिर खड़ी हुई

मथुरा-वृंदावन दौरे का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आक्रांता भारत के जनमानस में रची-बसी सनातन आस्था को नहीं मिटा सकते। उन्होंने सोमनाथ मंदिर का उदाहरण देते हुए कहा कि इसे कई बार तोड़ा गया लेकिन हर बार उसका पुनर्निर्माण हुआ। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भी लंबे संघर्ष के बाद आज भव्य स्वरूप में खड़ा है। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर को भी कई बार तोड़ा गया। बाद में देवी अहिल्याबाई होल्कर ने इसका पुनर्निर्माण कराया और आधुनिक दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भव्य स्वरूप प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन तमाम झंझावातों के बावजूद भारत आज भी जीवंत और जागृत है और अपनी शाश्वत यात्रा पर आगे बढ़ रहा है।

ब्रज में आज भी रची-बसी हैं कृष्ण की स्मृतियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीकृष्ण की लीलाभूमि ब्रज में आज भी उनकी स्मृतियां रची-बसी हैं। ब्रज की परंपराएं प्रकृति और पशुधन के संरक्षण का संदेश देती हैं। गोवर्धन पर्वत की पूजा करीब पांच हजार वर्षों से होती आ रही है। समारोह में इसके बाद श्रीकृष्ण की लीलाओं और जन्मोत्सव पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। भजन और नृत्य प्रस्तुतियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। शहर के मंदिरों के साथ-साथ कमिश्नरेट के सभी 53 पुलिस थानों में भी कृष्ण जन्माष्टमी पर भव्य सजावट की गई।

लखनऊ में सजेंगे अलीगढ़ में बने श्रीराधाकृष्ण और श्रीगणेश-लक्ष्मी

अलीगढ़ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज स्थित गंगोत्री शोरूम में प्रदेश के ओडी-ओपी उत्पादों को सजाया जा रहा है। इसके लिए अलीगढ़ से श्रीराधाकृष्ण, श्री बांकेबिहारी, गणेश-लक्ष्मी, मां दुर्गा, श्री राम दरबार, भगवान शंकर पार्वती और हनुमान जी की मनमोहक मूर्तियां वहां भेजी जा रही हैं।

जीवी इंटरनेशनल अचलताल के संचालक कृष्ण कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि प्रदेश स्तरीय टीम ने कई मूर्तियों को वहां सजाने के लिए पसंद किया है, जिन्हें भेजा जा रहा है। आईटीआई रोड स्थित औद्योगिक अस्थान में संचालित केके इंटरनेशनल के संचालक कपिल कुमार ने बताया कि उनके शोरूम से भी देव प्रतिमाओं को पसंद किया गया है।

इसके साथ ही कुछ स्टैच्यू भी भेजे जा रहे हैं। जिसमें श्रीराधाकृष्ण के दोनों ओर सजाए जाने वाले मोर, दीपक, लड्डूगोपाल का पालना, पीतल से बने बड़े झूले आदि सामान शामिल है। एमएसएमई के मंडलीय समन्वयक अमित सिंह ने बताया कि गंगोत्री शोरूम में पूरे प्रदेश से ओडी-ओपी उत्पादों को सजाया जा रहा है ताकि देसी-विदेशी पर्यटक और अन्य लोग इनकी खरीदारी कर सकें।

मेडिकल कॉलेज में अनदेखी, एक बेड पर दो मरीज

कानपुर , एजेंसी। कानपुर देहात। स्वाइन फ्लू के बढ़ते खतरे के बीच मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में मरीजों की बढ़ती संख्या के सामने व्यवस्थाएं बेपटरी हैं। बुखार और वायरल संक्रमण के मरीजों की संख्या बढ़ने से इमरजेंसी में बेड कम पड़ रहे हैं। शनिवार को एक बेड पर दो-दो मरीज उपचार के लिए लेटे मिले। जिम्मेदार बेड की व्यवस्था करने की बात कह रहे हैं।

मौसम में हुए बदलाव के बाद वायरल बुखार के मरीज बढ़े हैं। शनिवार को मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए 1565 मरीज पहुंचे। ओपीडी में पंजीकरण से लेकर दवा वितरण कक्ष के बाहर तक लंबी लाइन नजर आई। कुछ मरीजों को भर्ती होने की लिए सलाह दी गई जबकि कुछ सीधे इमरजेंसी पहुंचे। जिन्हें कई दिन से बुखार आ रहा था। इन मरीजों को भी भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। शनिवार को मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड में एक बेड पर दो-दो मरीज लेटे मिले। इनमें बुखार के साथ अन्य बीमारियों से ग्रसित लोग भी थे। एक ही बेड पर अलग-अलग बीमारी से पीड़ित मरीजों का उपचार होने से मरीजों और तीमारदारों में भी चिंता है। स्वाइन फ्लू जैसे संक्रामक रोग के खतरे के बीच इमरजेंसी में इस तरह की व्यवस्था अस्पताल प्रशासन की तैयारियों पर सवाल खड़े कर रही है। वहीं ओपीडी में पंजीकरण से लेकर दवा वितरण काउंटर तक सोशल डिस्टेंस का पालन नहीं हो रहा है।भीड़ में कई लोग बिना मास्क के भी नजर आए। मरीजों का कहना है कि संक्रमण के खतरे को देखते हुए इमरजेंसी में बेड बढ़ाने और वायरल रोगियों व अन्य मरीजों के लिए अलग व्यवस्था करने की जरूरत है।

ग्रांड परेड मार्ग बना शत्रुजीत रोड, अकबर रोड में भी बदलाव; कैंट बोर्ड का फैसला

आगरा, एजेंसी। आगरा नगर निगम की तर्ज पर कैंट बोर्ड ने भी सड़कों के मुगलिया और ब्रिटिशकालीन नाम बदल दिए हैं। शनिवार को हुई बोर्ड बैठक में छावनी इलाके में मौजूद अकबर रोड का नाम बदलकर लेफ्टिनेंट जनरल टीएस ओबेराय रोड और ग्रांड परेड रोड का नाम बदलकर शत्रुजीत रोड करने के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी। छावनी क्षेत्र में इससे पहले 17 सड़कों के नाम बदले जा चुके हैं।

बोर्ड अध्यक्ष ब्रिगेडियर रजत त्यागी की अध्यक्षता में बैठक हुई। 4.50 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को भी मंजूरी दी गई। इनमें छावनी क्षेत्र में तीन नालों की मरम्मत और निर्माण को मंजूर किया गया। इनमें कंपनी बाग, प्रतापपुरा और काछीपुरा में नाले बनाए जाएंगे। वहीं सरदार पटेल पार्क के सामने वाली सड़क, अजमेर रोड, होटल क्लार्क्स शिराज से ताज रोड, माल रोड से ताज रोड, फतेहपुर सीकरी रोड के हॉटमिक्स से निर्माण के प्रस्ताव पास किए गए। बैठक में सीईओ दीपक मोहन आदि मौजूद रहे।

नए टॉयलेट बनेंगे और चमकेंगे स्कूल : विधायक डॉ. जीएस धर्मेश और छावनी बोर्ड सदस्य राजेश गोयल की मौजूदगी में बोर्ड ने पुराने टॉयलेट की मरम्मत और जर्जर हो चुके टॉयलेट ढहाकर नए बनाने के काम को मंजूरी दी। छावनी परिषद क्षेत्र में इंटरलॉकिंग टाइल्स से साइड पटरी और ताज रोड पर कोटा स्टोन से निर्माण किया जाएगा। छावनी परिषद के स्कूलों में मरम्मत कराने पर सहमति बनी है। बोर्ड ने परिषद कर्मचारियों के डीए के साथ एसीपी को मंजूरी दी है, जबकि पानी संकट देखते हुए बूस्टर पंप लगाने और टैंकर खरीदने का प्रस्ताव भी पास कर दिया गया।

कौन हैं ले. जनरल टीएस ओबेराय : ले. जनरल टीएस ओबेराय भारतीय सेना में वर्ष 1946 में कमीशन हुए और पंजाब रेजिमेंट के कैप्टन के रूप में वर्ष 1947-48 के भारत-पाक युद्ध में असाधारण वीरता के लिए चर्चित रहे। उन्हें वर्ष 1950 की गणतंत्र दिवस परेड में वीर चक्र से सम्मानित किया गया था। वह 3 पैरा के कमांडो और पैराट्रूपर के रूप में रहे। भारतीय सेना से रिटायर होने के बाद वह वर्ष 1985 से 1990 तक अंडमान निकोबार द्वीप समूह के लेफ्टिनेंट गवर्नर भी रहे।

इन सड़कों के बदल चुके नाम : छावनी क्षेत्र में पांच महीने पहले टक्कर रोड को शस्त्र मार्ग, स्कॉट रोड को मेजर सुधीर वालिया रोड, मुनरॉय रोड को नरसिम्हा मार्ग, औलिया रोड को छत्रपति शिवाजी मार्ग, हेस्टिंग रोड को अर्जुन मार्ग, विटवर्थ रोड को कर्ण रोड, आर्मस्ट्रांग स्ट्रीट को न्याय मार्ग, मेटकॉफ रोड को फील्ड मार्शल करिअप्पा रोड, ड्रमंड रोड को सूर्य पथ, लॉरेंस रोड को शौर्य पथ और बूचरी रोड को ब्रिगेडियर पीके घोष मार्ग के नाम पर बदला जा चुका है।

मांगें पूरी होने तक सर्विस रोड का निर्माण नहीं होने देंगे किसान

जेवर (शिखर समाचार)। दयानतपुर गांव के किसानों का अपनी मांगों को लेकर यमुना एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर 38वें दिन भी दिन-रात धरना जारी रहा। किसान संघर्ष समिति के नेतृत्व में किसान बारिश के बावजूद धरनास्थल पर डटे हुए हैं। किसानों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं की जातीं, तब तक उनका धरना जारी रहेगा।

किसान संघर्ष समिति के अनुसार किसानों की प्रमुख मांगों में सात प्रतिशत आवासीय भूखंड, 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा तथा 60 मीटर सर्विस रोड के बदले आबादी की व्यवस्था करना शामिल है। किसानों का आरोप है कि यमुना विकास प्राधिकरण सात प्रतिशत आवासीय भूखंड देने में आनाकानी कर रहा है। इससे किसानों में रोष है। धरने पर बैठे किसानों ने कहा कि प्राधिकरण अपनी जिद पर अड़ा हुआ है तो किसान भी अपने अधिकारों की लड़ाई से पीछे हटने वाले नहीं हैं। किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक यमुना विकास प्राधिकरण उनकी मांगों को स्वीकार

नहीं करता, तब तक प्रस्तावित सर्विस रोड का निर्माण किसी भी हालत में नहीं होने दिया जाएगा।

किसानों ने कहा कि उनका 24 घंटे का धरना लगातार जारी है और बारिश के बीच भी किसान पूरी मजबूती के साथ आंदोलन में डटे हुए हैं। उन्होंने प्राधिकरण से किसानों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की है। धरने में राकेश कुमार, वीरपाल, रामोतार गोयल, चौधरी रतन सिंह, योगेंद्र छौंकर, प्रेमपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

रेलवे स्टेशन पर सफाई अभियान चलाकर यात्रियों को किया जागरूक

शामली (शिखर समाचार)। विश्व सनातन धर्म सूर्य सेना की ओर से रविवार को शामली रेलवे स्टेशन पर वृहद रेल सफाई एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। संगठन के अध्यक्ष दीपक सैनी के नेतृत्व में पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने विभिन्न ट्रेनों के भीतर सफाई की तथा यात्रियों को स्वच्छता, सुरक्षा और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया।

अभियान के दौरान कार्यकताओं ने यात्रियों से ट्रेनों को स्वच्छ रखने और रेलवे की संपत्ति की सुरक्षा करने की अपील की। कार्यकताओं ने यात्रियों से बिना टिकट यात्रा न करने और निर्धारित टिकट लेकर ही सफर करने का आह्वान किया। साथ ही ट्रेन में कचरा नहीं फेंकने तथा अन्य यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखने के लिए भी जागरूक किया गया। संगठन पदाधिकारियों ने दिल्ली से शामली-सहारनपुर की ओर आने वाली जनता एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि बागपत, बड़ौत और आसपास के क्षेत्रों के कुछ असामाजिक तत्व ट्रेनों में शराब का सेवन करने के बाद खाली बोतलें छोड़ देते हैं। नशे की हालत में उत्पात करने वाले लोगों के कारण आम यात्रियों, विशेषकर महिलाओं के बीच असुरक्षा की स्थिति पैदा होती है। संगठन ने रेलवे अधिकारियों से ऐसी ट्रेनों में विशेष जांच अभियान चलाने तथा शराब का सेवन कर उत्पात करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की। इस अवसर पर चरत गिरी, शौर्यागिरी, सुशील चावला, चरण सिंह पाल, इंद्रवीर सैनी, अशोक सैनी, पारस बंसल, अभिनव शर्मा और निटू सैनी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हत्या और अवैध धन अर्जित करने के आरोप में आठ लोगों पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र में हत्या जैसी जघन्य वारदातों को अंजाम देकर लोगों में भय और आतंक का माहौल पैदा करने तथा निजी लाभ के लिए अवैध धन अर्जित करने के आरोप में पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद असामाजिक तत्वों में हलचल मची हुई है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि अनुज भाटी, सक्षम शर्मा, प्रशांत उर्फ सिट्टू, विक्रांत उर्फ बिट्टू, सोनू, राहुल उर्फ कालू, प्रशांत भड़ाना और हर्ष हूण के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह हत्या जैसी गंभीर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर लोगों में भय का वातावरण पैदा करता है और आपराधिक गतिविधियों से अवैध धन अर्जित कर भौतिक सुख-सुविधाएं हासिल करता है। पुलिस का कहना है कि गिरोह की आपराधिक गतिविधियों के कारण क्षेत्र में लोगों के बीच भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ था। पुलिस ने गिरोह की गतिविधियों पर अंकुश लगाने और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस द्वारा अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई से अपराधियों में कानून का भय पैदा करने के साथ-साथ अन्य असामाजिक तत्वों को भी कड़ा संदेश मिला है।

मोबाइल टावर से आधा दर्जन आरआरयू चोरी, तीन सप्ताह बाद दर्ज हुई प्राथमिकी

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के सेक्टर जू-1 की ग्रीन बेल्ट में लगे मोबाइल टावर से चोर आधा दर्जन आरआरयू उपकरण चोरी कर ले गए। घटना का पता चलने के बाद कंपनी की ओर से पुलिस को शिकायत दी गई। जांच के बाद करीब तीन सप्ताह बाद मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि सेक्टर जू-1 की ग्रीन बेल्ट में बीसीएल कंपनी का मोबाइल टावर लगा हुआ है। कंपनी में मोबाइल टावरों की निगरानी के लिए एमआईएस पद पर तैनात शिवम को टावर से उपकरण चोरी होने की सूचना मिली थी। इसके बाद वह मौके पर पहुंचे और टावर का निरीक्षण किया। जांच के दौरान टावर से करीब आधा दर्जन आरआरयू उपकरण गायब मिले। शिवम ने मामले की जानकारी कंपनी के अधिकारियों को दी। इसके बाद कंपनी की ओर से घटना की शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर करीब तीन सप्ताह बाद चोरी की प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार चोरी हुए आरआरयू उपकरण मोबाइल संचार व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण उपकरण हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही घटना के समय क्षेत्र में सक्रिय संदिग्धों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

रेलवे स्टेशन पर लावारिस घूमता मिला नौ वर्षीय बालक, चाइल्ड हेल्पलाइन को सौंपा

दादरी (शिखर समाचार)। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग के दादरी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर आरपीएफ को नौ वर्षीय बालक लावारिस हालत में मिला। बालक के काफी देर तक अकेले घूमने और संतोषजनक जानकारी नहीं देने पर आरपीएफ ने चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचना दी। इसके बाद बालक को चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रतिनिधियों के सुपुर्द कर दिया गया। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि प्लेटफार्म नंबर एक पर नौ वर्षीय फैज काफी देर से अकेला घूम रहा था। गश्त के दौरान आरपीएफ उपनिरीक्षक सज्जन कुमार की नजर बालक पर पड़ी। उन्होंने बालक से बातचीत कर उसके अकेले घूमने का कारण और परिजनों के संबंध में जानकारी लेने का प्रयास किया, लेकिन बालक संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

स्थिति को देखते हुए आरपीएफ ने तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद चाइल्ड हेल्पलाइन के पर्यवेक्षक राघवेंद्र सिंह और रजनी सोनी दादरी रेलवे स्टेशन पहुंचे। आरपीएफ ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद नौ वर्षीय फैज को दोनों के सुपुर्द कर दिया।

आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार बालक के परिजनों की जानकारी जुटाने और उसे सुरक्षित उसके परिवार तक पहुंचाने के लिए संबंधित स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे स्टेशन पर अकेले घूम रहे बच्चों की सुरक्षा को लेकर आरपीएफ द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा का विधि-विधान से समापन, हवन-यज्ञ और भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

शामली (शिखर समाचार)। श्री राम कथा सेवा समिति शामली के तत्वावधान में आयोजित नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा का रविवार को विधि-विधान के साथ समापन हुआ। कथा व्यास मृदुल कांत शास्त्री ने श्रद्धालुओं को शिव महापुराण की कथा का श्रवण कराते हुए जीवन में धर्म, संयम, सात्विकता और अनुशासन अपनाने का संदेश दिया।

कथा व्यास ने कहा कि मनुष्य को शुद्ध एवं सात्विक भोजन करना चाहिए और खान-पान के प्रति विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संत का जीवन कठिन और अनुशासित होता है तथा उसे अपना जीवन वेदों के अनुसार व्यतीत करना होता है। धार्मिक आयोजनों में शामिल होना ही धर्म का पालन नहीं है, बल्कि धार्मिक नियमों के अनुरूप आचरण और अनुशासन भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कई लोग धार्मिक आयोजनों में शामिल होने के बावजूद आवश्यक धार्मिक नियमों और क्रियाओं का पालन नहीं करते। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धर्म के साथ अपनी जीवनशैली और आचरण में भी सात्विकता तथा अनुशासन अपनाना चाहिए।

कथा समापन से पूर्व सुबह हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। पंडित कैलाश पाठक ने विधि-विधान के साथ हवन संपन्न कराया। यज्ञ के यजमान विपिन कुमार उर्फ मोनू रहे। श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुति देकर सुख-शांति और लोक कल्याण की कामना की।

इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। शामली शहर के साथ आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। समिति पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने कथा के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार जताया। इस अवसर पर योगेश मित्तल, सचिन मित्तल, अजय मित्तल, राहुल किशोर, नंदकिशोर, विजय पाल मलिक, रितेश गोयल आदि मौजूद रहे।

मानवता की मिसाल: 16 अज्ञात मृतकों की अस्थियां हरिद्वार में गंगा में विसर्जित

शामली (शिखर समाचार)। जनपद शामली में मानवता और सामाजिक संवेदना की अनूठी मिसाल सामने आई। अंतिम यात्रा सेवा समूह और जय हिंद सामाजिक संस्था की ओर से 16 अज्ञात मृतकों की अस्थियों को लेकर हरिद्वार यात्रा रवाना की गई। हरिद्वार पहुंचकर हरकी पौड़ी पर धार्मिक परंपराओं और विधि-विधान के साथ सभी अस्थियों का मां गंगा में विसर्जन किया गया।

बताया गया कि ये सभी अस्थियां जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पुलिस के माध्यम से संस्था को प्राप्त हुई थीं। मृतकों की पहचान नहीं हो सकी थी और उनके अंतिम संस्कार अथवा अस्थि विसर्जन के लिए कोई परिजन भी सामने नहीं आया। ऐसी स्थिति में अंतिम यात्रा सेवा समूह ने इन अज्ञात मृतकों को सम्मानजनक अंतिम विदाई देने की जिम्मेदारी उठाई। संस्था के सदस्यों ने 16 अस्थि कलशों को विधि-विधान के साथ हरिद्वार के लिए रवाना किया। हरकी पौड़ी पहुंचने के बाद धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार सभी अस्थि कलशों का गंगा में विसर्जन कराया गया। इस दौरान संस्था के सदस्यों ने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। संस्था के सदस्यों ने कहा कि किसी व्यक्ति की पहचान भले ही अज्ञात रह गई हो, लेकिन जीवन के अंतिम पड़ाव पर उसे सम्मान और गरिमा के साथ विदाई मिलना समाज की जिम्मेदारी है। इसी मानवीय भावना के साथ संस्था लगातार जरूरतमंद, लावारिस और अज्ञात मृतकों के अंतिम संस्कार तथा अस्थि विसर्जन का कार्य कर रही है। संस्था के इस प्रयास की लोगों ने सराहना की। सदस्यों का कहना है कि समाज में मानवता और संवेदना की भावना को मजबूत करने के लिए ऐसे कार्य निरंतर किए जाने चाहिए। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी, सभासद निशिकांत संगल, पंकज गुप्ता, पवन गोयल, विकास धीमान, सुभाष धीमान, मैनपाल विश्वकर्मा, डॉ. रामकुमार विश्वकर्मा, बिट्टू धीमान, बिजेंद्र धीमान, राहुल तायल, जितेंद्र सैनी, कमलकांत धीमान, सुनील सैनी, मनीष नामदेव, वैभव गर्ग, आशीष कुमार, साजिद, आकाश जांगिड़ और दीपक कुमार मौजूद रहे।

जिलाधिकारी कविता मीना ने एफएलसी सेंटर का किया औचक निरीक्षण

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी कविता मीना ने रविवार को एफएलसी सेंटर का औचक निरीक्षण कर इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों और मतदाता सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मशीनों की जांच प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, वीडियोग्राफी, विद्युत व्यवस्था तथा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के अभियंताओं द्वारा की जा रही तकनीकी जांच को बारीकी से देखा। जिलाधिकारी ने उप जिला निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप प्रथम स्तरीय जांच का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ कराया जाए। उन्होंने कहा कि जांच प्रक्रिया में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि पूरी प्रक्रिया पर विश्वास और पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने एफएलसी सेंटर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि केंद्र पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए और बिना अनुमति किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाए। साथ ही परिसर में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे चौबीसों घंटे पूरी तरह क्रियाशील रहने चाहिए, ताकि प्रत्येक गतिविधि की निगरानी सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने तकनीकी जांच में लगे अभियंताओं से प्रक्रिया की जानकारी ली और अधिकारियों से कहा कि प्रथम स्तरीय जांच के दौरान निर्वाचन आयोग के सभी निर्धारित मानकों और सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए और पूरी प्रक्रिया का व्यवस्थित अभिलेखीकरण सुनिश्चित किया जाए।

बदनौली गोलीकांड में घायल दीपक की मौत से उबाल, गांव में तनाव, भारी पुलिस बल तैनात

हापुड़ (शिखर समाचार)। सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव बदनौली में शुक्रवार को दो पक्षों के बीच हुई मारपीट, पथराव और फायरिंग में घायल दलित युवक दीपक की रविवार को मेरठ मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर गांव पहुंचते ही तनाव बढ़ गया। घटना के विरोध में आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने मोदीनगर रोड तथा मेरठ रोड स्थित अंबेडकर तिराहे पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों को फांसी देने, उनके मकानों पर बुलडोजर चलाने, मृतक के परिवार को पांच करोड़ रुपये मुआवजा, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और शस्त्र लाइसेंस देने की मांग की। स्थिति को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार पूर्व प्रधान संदीप चौधरी के परिवार और दूसरे पक्ष के बीच करीब दो वर्ष से जिम तथा सामाजिक माध्यम पर टिप्पणी को लेकर विवाद चल रहा था। पहले भी इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। शुक्रवार सुबह प्राथमिकी वापस लेने को लेकर

कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में मारपीट, पथराव और फायरिंग हो गई। गोली लगने से तीन लोग घायल हुए थे, जबकि पथराव में महिला मुनेश, दीपक, बंटी समेत चार लोग घायल हुए थे। गंभीर हालत में दीपक को मेरठ रेफर किया गया था। एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि दलित पक्ष की तहरीर पर 33 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मुख्य आरोपी पूर्व प्रधान संदीप सिंह, जगदीश, विपिन, सचिन और कपिल समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। घटना में पुलिस की भूमिका पर उठे सवालों की जांच के लिए एडीजी के निर्देश पर विशेष जांच दल गठित किया गया है। दल यह जांच करेगा कि सूचना मिलने के बाद पुलिस कितनी देर में मौके पर पहुंची, घायलों को अस्पताल पहुंचाने में कोई लापरवाही हुई या नहीं और घटना के बाद क्या कार्रवाई की गई। तीन दिन में रिपोर्ट शासन को सौंपनी है।

जाम की सूचना पर एएसपी विनीत भटनागर, सीओ दीपक और थाना प्रभारी सुरेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाकर जाम खुलवाया। एएसपी ने कहा कि दीपक की उपचार के दौरान मौत हुई है। छह आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं और अन्य की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए ग्रामीणों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। गांव में बाहरी लोगों के प्रवेश पर भी रोक लगाई गई है। दीपक की मौत के बाद पुलिस के सामने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ गांव में शांति बनाए रखने की दोहरी चुनौती है। उधर बसपा प्रमुख मायावती और नगीना सांसद ने सामाजिक माध्यम पर घटना की निंदा करते हुए दोषियों को कानूनी सजा दिलाने तथा पीड़ित परिवार की मदद की मांग की है।

960 नशीले कैप्सूल और 500 टैबलेट के साथ दो नशा तस्कर गिरफ्तार

हरिद्वार (शिखर समाचार)। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गंगनहर पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स हरिद्वार की संयुक्त टीम ने दो कथित नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 960 नशीले कैप्सूल और 500 टैबलेट बरामद की हैं। आरोपियों के खिलाफ गंगनहर कोतवाली में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के निर्देश पर जनपद में अवैध मादक पदार्थों और नशीली दवाओं की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गंगनहर क्षेत्र में संयुक्त टीम संदिग्ध वाहनों और

व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को देखकर दो व्यक्ति सकपकाकर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान विनिश परमार के कब्जे से एक थैला बरामद हुआ। इसमें डाइसाइक्लोमाइन हाइड्रोक्लोराइड, ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड और एसिटामिनोफेन के 960 कैप्सूल तथा अल्प्राजोलम 0.5 मिलीग्राम की 500 टैबलेट मिलीं। पूछताछ में सामने आए तथ्यों और बरामद नशीली दवाओं की बिक्री में कथित संलिप्तता के आधार पर पुलिस ने बंटी उर्फ सुमित को भी हिरासत में लिया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ गंगनहर कोतवाली में मुकदमा संख्या 346/2026, एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विनिश परमार पुत्र धर्मवीर निवासी शिवपुर, थाना देवबंद, जनपद सहारनपुर और बंटी उर्फ सुमित पुत्र मोहकम निवासी मुबारिकपुर अलीपुर, थाना लक्सर, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस दोनों का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है।

कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक हरीश गैरोला, कांस्टेबल अजय बिष्ट, हेड कांस्टेबल रियाज अली और कांस्टेबल नितुल यादव शामिल रहे।

आईटीएस मोहन नगर में फैशन फ्यूजन 2026 का भव्य आयोजन, भारतीय भविष्यवाद की दिखी झलक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस, मोहन नगर में भारतीय भविष्यवाद विषय पर आधारित फैशन फ्यूजन 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, दर्शन, अध्यात्म और क्षेत्रीय वास्तुकला को आधुनिक तकनीक, विज्ञान तथा भविष्य की कल्पना से जोड़ते हुए विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और प्रतिभा को मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में 600 से अधिक विद्यार्थियों और 100 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अजय कुमार, आईटीएस यूजी परिसर की प्राचार्या डॉ. नैन्सी शर्मा तथा आईटीएस मोहन नगर के निदेशक डॉ. सुनील कुमार पांडेय ने अतिथियों का स्वागत किया। फैशन, मनोरंजन, मॉडलिंग, सौंदर्य प्रतियोगिता, सामाजिक माध्यम और उद्यमिता क्षेत्र से जुड़ी कई

हस्तियां भी मौजूद रहीं। इनमें अभिनेता देवा धामी, माया सिंह, आकर्शी चौरसिया, अर्चना निरंजन, मनीषा, सोनिया, आलोक कुमार, अंकिता सिंह, लोकेश वर्मा और शुभम कुमार प्रमुख रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, प्रस्तुति कौशल, संवाद क्षमता, व्यक्तित्व विकास और मंचीय अभिव्यक्ति पर विशेष जोर दिया गया। भारतीय अभिनेत्री, गायिका एवं नर्सिंग अधिकारी शिखा मल्होत्रा विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने अपने व्यावसायिक अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने और निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण फैशन वॉक रहा, जिसमें आईटीएस मोहन नगर परिसर के 62 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने मंच पर अपनी शैली, रचनात्मकता, व्यक्तित्व और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। छह समूहों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कनिका त्यागी, सलोनी, प्रियंका, दक्ष, शाइना और संस्कृति को रनवे रॉयल्टी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मिस्टर फैशन फ्यूजन का खिताब बीबीए प्रथम वर्ष के आर्यवीर तथा मिस फैशन फ्यूजन का खिताब पीजीडीएम द्वितीय वर्ष की मीनाक्षी को प्रदान किया गया। दोनों विजेताओं को अतिथियों ने सम्मानित किया।

आयोजकों के अनुसार ह्यफैशन फ्यूजन 2026 केवल फैशन प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता, संवाद क्षमता और व्यक्तित्व को निखारने का अवसर मिला। विभिन्न क्षेत्रों की सफल हस्तियों के साथ संवाद से विद्यार्थियों को व्यावसायिक जीवन में आत्मविश्वास, प्रभावी प्रस्तुति और अपनी विशिष्ट पहचान के महत्व को समझने का अवसर भी मिला। आयोजन ने परिसर में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का माहौल बनाया तथा विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

संपादकीय

युवाओं के सवालों को लेबल नहीं, जवाब चाहिए

लोकतंत्र में सत्ता और सवाल का रिश्ता उतना ही पुराना है जितना लोकतंत्र स्वयं। सत्ता के सामने सवाल उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। यही कारण है कि जब देश के प्रधानमंत्री किसी प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान के मंच से युवाओं और अपने आलोचकों के संदर्भ में दिमागी नक्सल जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं तो स्वाभाविक रूप से उस पर राजनीतिक बहस खड़ी होती है। दिल्ली के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के बाद यही बहस एक बार फिर तेज हो गई है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में 15 अगस्त के लाल किले से दिए गए भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि ह्यदिमागी नक्सलह्ण वाली होम्योपैथी की गोली के बाद ऐसे लोग सामने आने लगे। उन्होंने विरोध करने वाली मानसिकता को नाराज फूफा के रूपक से भी समझाया। प्रधानमंत्री के इस बयान पर कॉकरोच जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने आरोप लगाया कि देश के सबसे प्रतिष्ठित कॉलेजों में से एक के मंच का इस्तेमाल उन युवाओं को निशाना बनाने के लिए किया गया जो सत्ता से सवाल पूछते हैं। पार्टी ने यह भी कहा कि शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री को छात्रों और शिक्षकों की वास्तविक समस्याओं पर बात करनी चाहिए थी। शिक्षा की गुणवत्ता, रोजगार, महंगी होती प्रतिस्पर्धा, विद्यार्थियों पर बढ़ता दबाव, शिक्षकों की सुविधाएं और संस्थानों के बुनियादी ढांचे जैसे विषय किसी भी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय के लिए कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। यहां मूल प्रश्न प्रधानमंत्री के किसी एक शब्द को लेकर नाराजगी या समर्थन का नहीं है। असली सवाल यह है कि राजनीतिक संवाद का स्तर किस दिशा में जा रहा है। यदि सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने वाले हर व्यक्ति को किसी न किसी राजनीतिक विशेषण से पहचानना शुरू कर दिया जाए तो इससे लोकतंत्र में संवाद की गुंजाइश सीमित होती जाएगी। दूसरी ओर, यह भी जरूरी है कि सरकार के आलोचक हर राजनीतिक टिप्पणी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताकर बहस को केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित न कर दें। लोकतंत्र में सरकार को आलोचना सहने की क्षमता चाहिए और विपक्ष तथा आलोचकों को भी तथ्य और तर्क के साथ अपनी बात रखने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

प्रधानमंत्री का यह तर्क है कि दिमागी नक्सल एक ऐसी विचारधारा के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है जिसे वे देश के हितों के विरुद्ध मानते हैं। केंद्र सरकार की ओर से लंबे समय से यह दावा किया जाता रहा है कि सशस्त्र नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में महत्वपूर्ण सफलता मिली है और अब हिंसक नक्सलवाद के समाप्त होने के बाद वैचारिक स्तर पर भी उन प्रवृत्तियों से मुकाबला जरूरी है जो देश को भीतर से कमजोर करती हैं। सरकार के इस दृष्टिकोण पर बहस हो सकती है और होनी भी चाहिए। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब इस तरह की राजनीतिक शब्दावली का दायरा इतना व्यापक हो जाए कि सरकार की आलोचना करने वाला सामान्य छात्र, शिक्षक, पत्रकार या नागरिक भी उसके घेरे में आ जाए। शिक्षण संस्थान इस बहस का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र हैं। विश्वविद्यालय और कॉलेज केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं होते, बल्कि वे विचारों की प्रयोगशाला होते हैं। यहां विद्यार्थी प्रश्न पूछता है, शिक्षक से असहमति जताता है, सरकार की नीतियों पर चर्चा करता है और कभी-कभी उस व्यवस्था की आलोचना भी करता है जिसका वह स्वयं हिस्सा है।

~ मौलिक चिंतन ~

अमीरी किसी की उपलब्धि हो सकती है, लेकिन उसके चरित्र की गारंटी नहीं।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©
विनय संकोची

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : स्वस्थ भारत की मजबूत नींव

सुनील कुमार महला

हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 1 से 7 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। शारीरिक विकास के लिए संतुलित आहार और उचित पोषण हर किसी के लिए बहुत आवश्यक है, फिर चाहे वह कोई बच्चा हो, बुजुर्ग हो या महिलाएं। हमें यह याद रखना चाहिए कि पोषण केवल स्वास्थ्य का ही विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा राष्ट्रीय दायित्व है। इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य आमजन को संतुलित आहार, उचित पोषण, कुपोषण की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। वास्तव में, यह सप्ताह हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र का निर्माण केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि स्वस्थ नागरिकों से होता है। कहना गलत नहीं होगा कि पोषण हमारे शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास का आधार है। शरीर को ऊर्जा देने, रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, बच्चों के विकास तथा कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए पर्याप्त और संतुलित पोषण आवश्यक है। विशेष रूप से बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए उचित पोषण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भविष्य की उत्पादकता पर भी दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ता है कुपोषणः-

बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में बच्चों में कुपोषण की स्थिति अब भी गंभीर चिंता का विषय है।राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5(एनएफएचएस-5) के अनुसार, पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे ठिगनेपन से, 19.3 प्रतिशत बच्चे दुबलेपन/वेस्टिंग से और 32.1 प्रतिशत बच्चे कम वजन (अंडरवेट) की समस्या से प्रभावित हैं। इनमें 7.7 प्रतिशत बच्चे गंभीर वेस्टिंग से प्रभावित हैं। यूनिसेफ के 2025 के भारत संबंधी पोषण विवरण में भी लगभग 36 प्रतिशत बच्चों में बौनापन और 19 प्रतिशत में वेस्टिंग यानी कि लंबाई के अनुपात में वजन कम का उल्लेख किया गया है। यूनिसेफ के ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि कुपोषण केवल बच्चों के शारीरिक विकास को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता, सीखने की क्षमता और भविष्य की उत्पादकता पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है।

बच्चों के समुचित विकास में चुनौती है कुपोषणः-

वास्तव में हमारे देश में पोषण और संतुलित आहार की कमी आज भी बच्चों के समुचित विकास में बड़ी चुनौती है। यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर बच्चों को पोषण और संतुलित आहार की कमी के पीछे मुख्य कारण क्या हैं? तो इस प्रश्न का सीधा सा उत्तर यह है कि गरीबी, भोजन में विविधता की कमी, पोषण संबंधी जागरूकता का अभाव और असंतुलित खान-पान के कारण अनेक बच्चे आवश्यक प्रोटीन, विटामिन, खनिज और कैलोरी पर्याप्त मात्रा में नहीं ले पाते और इसका असर बच्चों की शारीरिक वृद्धि, मानसिक विकास और रोग-प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। कुपोषण के कारण बच्चों में वेस्टिंग (कम वजन), स्टंटिंग (कम लंबाई) और कम वजन जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। इसलिए बच्चों के लिए पौष्टिक, विविधतापूर्ण और संतुलित आहार सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

हम सभी ने छोटी कक्षाओं में अध्ययन करते हुए यह पढ़ा है कि संतुलित आहार में क्रमशः अनाज, दालें, हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, मेवे, बीज और पर्याप्त मात्रा में पानी शामिल होना चाहिए। वास्तव में, हमारे भोजन में विविधता जितनी अधिक होगी, शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलने की संभावना उतनी ही बेहतर होगी। इसके साथ ही अत्यधिक जंक फूड, नमक, चीनी और तले-भुने खाद्य पदार्थों के सेवन को सीमित करना भी जरूरी है। पाठक जानते हैं कि समय के साथ, पश्चिमी सभ्यता संस्कृति, समय का अभाव, गलत खानपान की आदतों,शहरी संस्कृति के कारण आज हमारे देश में जंक फूड, अधिक नमक, चीनी और तले-भुने खाद्य पदार्थों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। वास्तव में सच तो यह है आज स्वाद और सुविधा के कारण बच्चे पौष्टिक भोजन की जगह इन खाद्य पदार्थों को अधिक पसंद करने लगे हैं। इनका अत्यधिक सेवन मोटापा, मधुमेह और हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ा सकता है, इसलिए संतुलित आहार में फल, सब्जियां, दालें, अनाज, दूध और प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्वाद के साथ स्वास्थ्य का संतुलन ही स्वस्थ जीवन की सच्ची कुंजी है।

बदलती जीवनशैली के बीच बढ़ रहे स्वास्थ्य जोखिमः-

हाल फिलहाल, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह केवल एक जागरूकता अभियान मात्र ही नहीं है, बल्कि यह कुपोषण के विरुद्ध सामूहिक संकल्प लेने का अवसर है। परिवार, विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य संस्थान और समाज मिलकर पोषण संबंधी सही जानकारी को जन-जन तक पहुंचा सकते हैं। बच्चों में शुरू से ही पौष्टिक भोजन की आदत विकसित करना उनके बेहतर भविष्य की नींव तैयार करता है। जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि आज जब बदलती जीवनशैली के कारण मोटापा, मधुमेह और अन्य जीवनशैली संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं, तब पोषण का महत्व और भी बढ़ जाता है। सही भोजन, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और स्वच्छता-ये सभी स्वस्थ जीवन के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

तो आइए, इस राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम स्वयं भी पौष्टिक एवं संतुलित आहार अपनाएंगे और अपने परिवार तथा समाज को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। क्योंकि सही पोषण ही स्वस्थ जीवन की पहचान है और जब हमारे देश के सभी नागरिक स्वस्थ होंगे तो हमारा देश भी निरंतर तरक्की और प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकेगा।

मासूम बचपन पर मंडराता अपहरण का खतरा

कांतिलाल मांडोत

बच्चों की सुरक्षा के लिए अब कानून से लेकर पुलिस व्यवस्था तक में बड़े बदलाव की जरूरत...

बच्चा जब घर के आंगन में खेलता है तो माता पिता को लगता है कि दुनिया की सारी खुशियां उनके सामने हैं। उसकी हंसी घर को जीवंत बना देती है और उसकी छोटी छोटी जरूरतें परिवार के लिए जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती हैं। लेकिन यही बच्चा अचानक घर से गायब हो जाए तो उस परिवार की दुनिया जैसे थम जाती है। उसके लौटने की उम्मीद हर पल बनी रहती है और हर गुजरते घंटे के साथ चिंता गहरी होती जाती है। बच्चों के अपहरण की घटनाएं इसलिए केवल अपराध के आंकड़े नहीं हैं बल्कि इनके पीछे हजारों परिवारों की ऐसी पीड़ा छिपी होती है जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है।

देश में बच्चों के बढ़ते अपहरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका ने एक बेहद गंभीर विषय को राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया है। सवाल केवल यह नहीं है कि कितने बच्चे लापता होते हैं बल्कि बड़ा सवाल यह है कि उनके गायब होने के बाद व्यवस्था कितनी तेजी और संवेदनशीलता के साथ उन्हें खोजने का प्रयास करती है। यदि किसी बच्चे के लापता होने की सूचना मिलने के बाद शुरूआती समय में ही प्रभावी कार्रवाई हो जाए तो उसके सुरक्षित मिलने की संभावना बढ़ सकती है। इसके विपरीत जांच में देरी अपराधियों को अपनी गतिविधियों को छिपाने का अवसर दे सकती है।

बच्चों के अपहरण का स्वरूप भी लगातार गंभीर होता जा रहा है। कई मामलों में यह केवल किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहता बल्कि इसके पीछे संगठित नेटवर्क की भूमिका सामने आती है। बच्चों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने वाले गिरोह राज्यों की सीमाओं का फायदा उठाते हैं। ऐसे नेटवर्क स्थानीय स्तर से शुरू होकर दूसरे राज्यों तक फैले हो सकते हैं। इसलिए बच्चों की तलाश और अपराधियों की पहचान के लिए केवल एक थाने या एक जिले की पुलिस पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं हो सकता।

मानव तस्करी इस समस्या का सबसे भयावह पहलू है। मासूम बच्चों को उनके परिवारों से दूर करके अलग अलग प्रकार के शोषण में धकेला जाना समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। कुछ बच्चे मजदूरी के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं तो कुछ को भीख मांगने के लिए मजबूर किया जाता है। ऐसे गिरोह बच्चों की मजबूरी को अपने अवैध कारोबार का साधन बना लेते हैं। बच्चों के हाथों में किताब और खिलौने होने चाहिए लेकिन अपराधी उन्हें अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करने लगते हैं। इससे बड़ा सामाजिक अन्याय और क्या हो सकता है।

बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर करने की घटनाएं भी इसी समस्या की एक कड़ी हैं। सड़क पर किसी बच्चे को भीख मांगते देखकर अक्सर लोग कुछ पैसे देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि उस बच्चे की स्थिति के पीछे कोई संगठित शोषण तो नहीं है। हर बच्चा अपनी इच्छा से सड़क पर नहीं आता। कई बच्चे परिस्थितियों और अपराधी नेटवर्क के कारण ऐसी जिंदगी जीने को मजबूर होते हैं। इसलिए बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ कार्रवाई को केवल सामाजिक कल्याण का विषय नहीं बल्कि संगठित अपराध के खिलाफ अभियान के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

बच्चों के अपहरण के मामलों में पुलिस की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिकायत मिलने के बाद तत्काल प्राथमिकी दर्ज होना और जांच शुरू होना जरूरी है। बच्चे की तस्वीर और पहचान संबंधी जानकारी जल्द से जल्द संबंधित पुलिस इकाइयों तक पहुंचनी चाहिए। रेलवे स्टेशन बस अड्डों और अन्य परिवहन केंद्रों पर भी सूचना पहुंचाने में देरी नहीं होनी चाहिए। आधुनिक तकनीक ने पुलिस के सामने कई नए साधन उपलब्ध कराए हैं। कैमरों की निगरानी से लेकर डिजिटल रिकॉर्ड और दूसरे तकनीकी माध्यमों का इस्तेमाल बच्चों की तलाश में किया जा सकता है। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसके साथ प्रशिक्षित और संवेदनशील पुलिसकर्मी भी मौजूद हों।

ऐसे मामलों में जांच अधिकारियों की जिम्मेदारी भी सामान्य अपराधों से अलग है। बच्चे की बरामदगी के साथ यह पता लगाना भी जरूरी है कि उसे किसने उठाया और किस उद्देश्य से ले जाया गया। यदि केवल बच्चे को बरामद करके मामला समाप्त मान लिया गया तो उसके पीछे सक्रिय पूरा नेटवर्क बच सकता है। अपराध की जड़ तक पहुंचना जरूरी है ताकि उसी गिरोह के दूसरे बच्चे भी सुरक्षित किए जा सकें।

लंबी कानूनी प्रक्रिया भी इस समस्या को गंभीर बनाती है। बच्चों से जुड़े मामलों में पीड़ित परिवार पहले ही मानसिक और सामाजिक पीड़ा से गुजरता है। यदि मुकदमा वर्षों तक चलता रहे तो न्याय की प्रतीक्षा स्वयं एक नई पीड़ा बन जाती है। इसलिए बाल अपहरण और मानव तस्करी के गंभीर मामलों की सुनवाई के लिए विशेष व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए। तेज सुनवाई का अर्थ जल्दबाजी में न्याय करना नहीं बल्कि ऐसे मामलों को अनावश्यक देरी से बचाना होना चाहिए।

कठोर कानून की मांग के साथ यह भी जरूरी है कि कानून का प्रभाव जमीन पर दिखाई दे। अपराधियों को सजा का भय तभी होगा जब जांच मजबूत हो और मुकदमे का परिणाम समय पर सामने आए। केवल कानून में कठोर प्रावधान जोड़ देने से समस्या खत्म नहीं होगी। पुलिस की जवाबदेही बढ़ानी होगी। जांच की गुणवत्ता सुधारनी होगी और अलग अलग राज्यों की एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना होगा।

मानव तस्करी के मामलों में जिन राज्यों का नाम अधिक सामने आता है वहां विशेष निगरानी व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है। सीमावर्ती क्षेत्रों और ऐसे स्थानों पर विशेष ध्यान देना होगा जहां से बच्चों को दूसरे राज्यों में ले जाना आसान होता है। बस परिवहन और रेलवे नेटवर्क के जरिए बच्चों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए संस्थागत व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। इसके साथ ही बाल संरक्षण संस्थाओं और स्थानीय प्रशासन को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

परिवारों की जागरूकता भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को सुरक्षा के सामान्य नियमों के बारे में समझाना चाहिए। स्कूलों में भी बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ जाना या उसके बहकावे में आना कितना जोखिमपूर्ण हो सकता है। हालांकि पूरी जिम्मेदारी परिवारों पर डालना उचित नहीं होगा। सार्वजनिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें बच्चे सुरक्षित माहौल में रह सकें और किसी घटना के बाद राज्य की मशीनरी तुरंत सक्रिय हो।

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

ललित गर्ग

विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी श्रृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है।

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है।

विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी श्रृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान,

संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला, चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो विद्या भारती का शैक्षिक प्रयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। अंतर यह है कि नीति एक राष्ट्रीय नीति-ढांचा उपलब्ध कराती है, जबकि विद्या भारती जैसा सामाजिक संगठन लंबे समय से विद्यालय स्तर पर मूल्याधारित शिक्षा का अपना प्रयोग करता आया है। इसलिए यदि पश्चिम बंगाल सरकार इस विस्तार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक विज्ञान, तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है तो इसका प्रभाव केवल नए विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं रहेगा।

विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। यदि नए विद्यालय केवल भवन बनकर रह गए तो लक्ष्य अधूरा होगा; यदि वे अच्छे शिक्षक और अच्छे नागरिक बनाने के केंद्र बनते हैं, तभी यह पहल ऐतिहासिक सिद्ध होगी। यहीं स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अनेक सरकारी विद्यालय संसाधनों की कमी, शिक्षक-अभाव, आधारभूत सुविधाओं की कमजोरी, तकनीकी पिछड़ेपन और स्थानीय सहभागिता की कमी जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं। सरकार अकेले प्रत्येक विद्यालय की हर आवश्यकता पूरी करे, यह व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को सरकार के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। विद्या भारती के विस्तार के साथ यह सहयोग एक नया मॉडल विकसित कर सकता है-सरकार आधारभूत संरचना और नियामक सहयोग दे, स्वयंसेवी संगठन शैक्षिक नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मूल्याधारित कार्यक्रमों में योगदान करें तथा स्थानीय समाज विद्यालय को अपना संस्थान समझकर उसके विकास में सहभागी बने। विद्या भारती के विस्तार के साथ यदि व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण अभियान चलाया जाए, जिसमें भारतीय दर्शन के साथ आधुनिक शिक्षाशास्त्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, मनोविज्ञान, कौशल शिक्षा और नई मूल्यांकन पद्धतियां शामिल हों, तो यह पूरे देश के लिए अनुकरणीय मॉडल बन सकता है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वंदे मातरम्, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है। लेकिन दीर्घकालीन दृष्टि से आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जिसमें राष्ट्रप्रेम स्वाभाविक संस्कार बने, आदेश या भय का विषय नहीं। पश्चिम बंगाल की यह पहल इसलिए संपूर्ण राष्ट्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण सबक या प्रेरणा है कि शिक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। सरकार, समाज, अभिभावक, शिक्षक, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाएं और पूर्व विद्यार्थी-सभी मिलकर शिक्षा का नया सामाजिक तंत्र बना सकते हैं। यदि विद्या भारती के पास संगठनात्मक अनुभव है, सरकार के पास संसाधन और नीतिगत शक्ति है तथा समाज के पास सहभागिता की क्षमता है, तो इन तीनों का समन्वय शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। आज भारत को ऐसी शिक्षा चाहिए जो आधुनिक भी हो और अपनी जड़ों से जुड़ी हुई भी; वैज्ञानिक भी हो और संस्कारवान भी; रोजगारपरक भी हो और चरित्रनिर्माणकारी भी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इसके लिए नीतिगत दिशा दी है। अब आवश्यकता है कि विभिन्न राज्य और सामाजिक संगठन अपने-अपने स्तर पर इसके प्रभावी प्रयोग प्रस्तुत करें। पश्चिम बंगाल में विद्या भारती के एक हजार नए विद्यालयों का लक्ष्य इसी संदर्भ में एक प्रयोगशाला बन सकता है।

शुभेंदु अधिकारी की घोषणा इसलिए बधाई के योग्य है कि इसने शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से आगे बढ़ाकर सामाजिक सहभागिता और भारतीय शिक्षा-दृष्टि के विमर्श के केंद्र में ला दिया है। अब असली परीक्षा घोषणा की नहीं, उसके क्रियान्वयन की है। यदि एक वर्ष में विद्यालयों की संख्या बढ़ाने के साथ शिक्षक की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता, आधुनिक विज्ञान, तकनीकी दक्षता, भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिकता, संवैधानिक चेतना और सामाजिक समरसता को समान महत्व दिया गया, तो बंगाल का यह प्रयोग केवल बंगाल का नहीं रहेगा। यह भारत को यह संदेश दे सकता है कि शिक्षा व्यवस्था को बदलने के लिए केवल नई इमारतें नहीं, नई दृष्टि और समाज की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है। और शायद यही आज के भारत की सबसे बड़ी शैक्षिक आवश्यकता है-'ज्ञान आधुनिक हो, दृष्टि वैज्ञानिक हो, चरित्र भारतीय हो और शिक्षा का अंतिम लक्ष्य राष्ट्र एवं मानवता का कल्याण हो।'

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

वास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

- मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकंाश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता हैं।

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया...

दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी वाटिका में हनुमान जी और सीता जी की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदर कांड रखा गया। सुंदर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता हैं कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी।

वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की कथा सबसे अलग है। संपूर्ण श्रीरामचरितमानस भगवान श्रीराम के गुणों और उनके पुरुषार्थ को दर्शाती है। सुंदर कांड एकमात्र ऐसा अध्याय है, जो श्रीराम के भक्त हनुमान की विजय का कांड है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या संकट से आप घिरे हुए हो तो सुंदर कांड पाठ पढ़ने या सुनने से यह संकट तुरंत दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह प्रभु श्रीराम के परमभक्त श्री बजरंग बली की विजय का कांड होने से हम पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है।

हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं, अतः प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने वाले मनुष्य के जीवन से नकारात्मक शक्तियां भाग जाती है तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं और हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है इसके अलावा भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के बहुत सारे लाभ हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसका विशेष लाभ मिलता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर एक्जाम में अच्छे अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह क्लेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह के प्रतबिंध लगाए गए हैं। देश में बहुत से मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश करने पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर में इस तरह के लिए जाना जाता है कि यहां प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना पड़ता है। इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा अर्चना करना चाहता है तो उसे महिलाओं की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में हैं जहां पर श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू त्यौहार मनाया जाता है। इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयार होने के लिए मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी पहनते है, बल्कि जूलरी, मेकअप और बालों में गजरा भी लगाते है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यही नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी। अपनी खास परंपरा के लिए दुनियाभर में मशहूर इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं हैं। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसके गर्भगृह के ऊपर छत या कलश नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे, जिसके बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर का रूप दिया गया। एक मान्यता यह भी है कि कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लग गया जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी।

इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है।

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है। कहते हैं कि 6 जगहों पर रुद्राक्ष पहकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएंगे।

- **श्मशान** - रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- **मृत्यु वाले घर** - जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो वहां पर भी रुद्राक्ष पननकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो गई है तो रुद्राक्ष को उतारकर किसी उचित स्थान पर रख दें।
- **शौचालय या स्नानघर** - टॉयलेट या बाथरूम में रुद्राक्ष पहनकर नहीं जाते हैं। ऐसा करने से घोर पाप लगता है। यह शिवजी का अपमान माना जाएगा।
- **मांस मदिरा सेवन के समय** - रुद्राक्ष पहकर कर मांस भक्षण करना या शराब पीना वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने में जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनता है उस स्थान से भी दूर रहें।
- **बालक के जन्म पर** - जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना वर्जित है। एक माह तक नियम का पानल करना चाहिए। ऐसी जगह पहनकर जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो जाता है।
- **शयन कक्ष** - सोने से पहले रुद्राक्ष को उतारकर उचित स्थान पर रख देना चाहिए। सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।

चन्द्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

चंद्र घात विचार वैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहां पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या सारणी भी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नहीं देता है।

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चन्द्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीय, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती है। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवीं, मिथुन की नौवीं, कर्क की दूसरी, सिंह की छठी, कन्या की दसवीं, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवीं, धनु की चौथी, मकर की आठवीं, कुम्भ की ग्यारहवीं, मीन की बारहवीं घड़ी घात चन्द्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चन्द्र वर्जित मानी गई है।
- घात चन्द्र में रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधव्य होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमशः 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चन्द्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चन्द्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमशः कृत्तिका, चित्रा, शतभीषा, मघा, धनिष्ठा, आर्दा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमशः 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चन्द्रमा वर्जित है।

हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

केला निर्यात बढ़ाने को एफडीआई में ढील, बागान क्षेत्र में उदार होंगे नियम?

-वाणिज्य मंत्रालय वाणिज्यिक फसलों को एफडीआई के दायरे में लाने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली ।

सरकार देश के बागान क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के नियमों को और उदार बनाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसका मुख्य लक्ष्य केले जैसी अन्य वाणिज्यिक फसलों को भी एफडीआई के दायरे में लाकर उनके निर्यात को बढ़ावा देना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस संबंध में विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श कर रहा है। वर्तमान में, चाय, कॉफी, रबड़, इलायची, पाम और जैतून के पेड़ों के बागानों में स्वतः मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति है, जबकि अन्य बागान गतिविधियों को इससे बाहर रखा गया है। सरकार अब इस दायरे का विस्तार कर केले जैसी फसलों को शामिल करने की संभावनाएं तलाश रही है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा केला उत्पादक है, जहां सालाना तीन करोड़ टन से अधिक उत्पादन होता है, लेकिन वैश्विक निर्यात बाजार में इसकी हिस्सेदारी मात्र एक प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 37.75 करोड़ डॉलर मूल्य के केले का निर्यात किया, जो पिछले वर्ष से 30 फीसदी अधिक था। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इसे एक अरब डॉलर तक पहुंचाना है। एफडीआई से प्रसंस्करण, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स में निवेश बढ़कर निर्यात लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक प्रमुख उत्पादक राज्य हैं, वहीं ईरान, इराक, यूएई जैसे मौजूदा बाजारों के अलावा अमेरिका, रूस और जापान में भी निर्यात की बड़ी संभावनाएं हैं।

निवेशकों के लिए डिविडेंड का बंपर मौका!

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार निवेशकों के लिए अगले सप्ताह कमाई का एक बड़ा अवसर लेकर आ रहा है। 7 सितंबर से 11 सितंबर के बीच लगभग 149 कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी, जिससे शेयरधारकों को लाभांश (डिविडेंड) प्राप्त करने का सुनहरा मौका मिलेगा। इस दौरान छोटी से लेकर दिग्गज कंपनियां अपने शेयरधारकों को लाभांश का तोहफा देंगी। खास बात यह है कि कुछ चुनिंदा कंपनियां निवेशकों को सामान्य के साथ-साथ स्पेशल डिविडेंड भी प्रदान करेंगी, जिससे उनकी कमाई में और इजाफा हो सकता है। इस सूची में फोर्स मोटर्स, अपार इंडस्ट्रीज, टीवीएस श्रीचक्र, एम्पायर इंडस्ट्रीज, एलएसडीएल, इरेडा, वारी एनर्जीज, कल्याण ज्वैलर्स और ज़ी एंटरटेनमेंट जैसी चर्चित कंपनियां शामिल हैं। 11 सितंबर को सर्वाधिक कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। निवेशकों के लिए यह अवधि अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने का अहम समय हो सकती है।

लक्जरी एसयूवी रेंज रोवर इलेक्ट्रिक भारतीय बाजार में पेश

नई दिल्ली ।

आखिरकार भारतीय बाजार में जगुआर लैंड रोवर ने अपनी प्रतिष्ठित लक्जरी एसयूवी रेंज रोवर का पहला बैटरी-इलेक्ट्रिक संस्करण रेंज रोवर इलेक्ट्रिक पेश कर दिया है। वैश्विक अनावरण के साथ ही, भारतीय ग्राहकों के लिए इसकी आधिकारिक बुकिंग भी शुरू कर दी गई है, जो इस इलेक्ट्रिक युग में ब्रांड के प्रवेश का प्रतीक है। यह कंपनी के 56 साल के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि यह ब्रांड का पहला ज़ीरो टेलपाइप एमिशन वाला मॉडल है, जो रेंज रोवर की विशिष्ट लक्जरी, दमदार परफॉर्मेंस और असाधारण ऑफ-रोड क्षमताओं को इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के साथ सिमलेस्ली जोड़ता है। इस नई इलेक्ट्रिक एसयूवी के दिल में एक विशाल 118.5 किलोवाट घंटा की बैटरी और एक एडवांस 800-वोल्ट आर्किटेक्चर है, जो एक बार चार्ज करने पर 600 किलोमीटर तक की प्रभावशाली क्लेम्ड रेंज देने में सक्षम है। इसे दो शक्तिशाली इलेक्ट्रिक मोटर्स के माध्यम से कुल 542 हॉर्सपावर और 850 न्यूटन-मीटर का जबरदस्त टॉर्क मिलता है, जिससे यह सिर्फ 4.5 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। चार्जिंग के मोर्चे पर भी यह बेहद सक्षम है; 350 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ, यह केवल 22 मिनट में 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। डिज़ाइन के मामले में, यह अपनी पेट्रोल-डीजल सिबलिंग से काफी मिलता-जुलता है, जबकि इसका इंटीरियर उच्च गुणवत्ता वाले मटेरियल, बड़ी डिस्प्ले और अत्याधुनिक फीचर्स से सुसज्जित है, जो इसे प्रीमियम इलेक्ट्रिक सेगमेंट में एक शक्तिशाली दावेदार बनाता है। यह प्रीमियम एसयूवी यूके के सोलिहुल प्लांट में निर्मित होकर पूरी तरह से आयात (सीबीयू) की जाएगी।

वैश्विक हलचल, कच्चा तेल और अमेरिकी महंगाई तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

विशेषज्ञों ने विदेशी निवेश और वैश्विक संकेतों पर भी नजर रखने की सलाह दी।

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की चाल पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष, कच्चे तेल की अस्थिर कीमतें और अमेरिका के आगामी मुद्रास्फीति आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों का मानना है कि इन वैश्विक घटनाक्रमों के साथ-साथ विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और अन्य वैश्विक संकेतों पर भी बाजार की गहरी नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक आंकड़े भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए महत्वपूर्ण उत्प्रेरक होंगे। बाजार के जानकारों ने कहा` कि इस सप्ताह बाजार वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर संवेदनशील रह सकता है। उन्होंने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रमों को महत्वपूर्ण बताया, क्योंकि इनका भारत की महंगाई, बाहरी संतुलन और कंपनियों की लाभप्रदता पर सीधा असर पड़ सकता है। एनरिच मनी के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि पिछले सप्ताह ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत में आठ प्रतिशत से अधिक और डब्ल्यूटीआई में नौ प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी चिंताओं ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में भू-राजनीतिक जोखिमों को बढ़ा दिया है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त, निवेशकों की नजर अमेरिका के उम्मीद से बेहतर रोजगार आंकड़ों के बाद फेडरल रिजर्व की सितंबर में होने वाली मौद्रिक नीति बैठक को

लेकर बदलती उम्मीदों पर रहेगी। बाजार` विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका के आगामी महंगाई आंकड़े फेडरल रिजर्व की नीतिगत दिशा और वैश्विक बाजार धारणा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। ये आंकड़े अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और ब्याज दरों को लेकर उम्मीदों को भी प्रभावित करेंगे। घरेलू मोर्चे पर, विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह, रुपये की चाल और बाजार में नकदी की स्थिति पर भी नजर रखी जाएगी। पिछले सप्ताह, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 749.08 अंक यानी 0.96 प्रतिशत के नुकसान में रहा था, जबकि एनएसई निफ्टी 277.95 अंक यानी 1.14 प्रतिशत नीचे आया था, जो मौजूदा वैश्विक दबावों को दर्शाता है। विश्लेषकों का मानना है कि अगले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की चाल मुख्य रूप से इन प्रमुख वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करेगी।

सिंपल एनर्जी ने किया अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंपल वेव लॉन्च

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में बेंगलुरु स्थित इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर निर्माता सिंपल एनर्जी ने अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंपल वेव लॉन्च कर दिया है। यह नया मॉडल कंपनी की सिंपल वन सीरीज से अलग है और इसे विशेष रूप से भारतीय परिवारों की आवागमन की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है, जहाँ यूटिलिटी, रेंज और स्टोरेज पर विशेष जोर दिया गया है। बेंगलुरु में इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत रुपए 1,09,999 रखी गई है, जो इसे दैनिक पारिवारिक उपयोग के लिए एक आकर्षक और व्यावहारिक विकल्प बनाती है। सिंपल वेव चार अलग-अलग बैटरी विकल्पों में उपलब्ध है, जिसमें इसका टॉप वेरिएंट 243 किलोमीटर तक की प्रभावशाली आईडीसी (इंडियन ड्राइविंग साइकिल) रेंज का दावा करता है। हालांकि, ग्राहकों को अपनी नई वेव के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा, क्योंकि इसकी डिलीवरी 25 सितंबर 2026 से शुरू होने वाली है। इस स्कूटर की सबसे बड़ी खासियत इसकी विशाल स्टोरेज क्षमता है, जो कुल 70 लीटर तक है। इसमें 63 लीटर का अंडर-सीट स्पेस, 3 लीटर का ग्लव बॉक्स और एक अनोखा 4 लीटर का पिल स्टोरेज शामिल है, जो इसे इस सेगमेंट में अग्रणी बनाता है।

सुरक्षा के मोर्चे पर, इसकी बैटरी और मोटर दोनों को आईपी67 रेटिंग मिली है, जो धूल और पानी से प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करती है। वेव एस वेरिएंट में 2.2 किलोवाट घंटा (110 किमी रेंज) और 2.7 किलोवाट घंटा (132 किमी रेंज) बैटरी विकल्प मिलते हैं, जबकि टॉप वेव+ वेरिएंट में 5 किलोवाट घंटा बैटरी के साथ 243 किमी की आईडीसी रेंज मिलती है। पीएमएसएम (परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस मोटर) मोटर बेस वेरिएंट में 4.5 किलोवाट और अन्य वेरिएंट में 6.4 किलोवाट पावर जनरेट करती है, जिससे इसकी टॉप स्पीड 90 किमी प्रति घंटा तक पहुँच जाती है।

एफपीआई ने सितंबर के पहले सप्ताह में निकाले 10,289 करोड़ रुपये

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार में 10,289 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। शुद्ध बिकवाली बाजार में लगाई गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर है। तीन महीने लगातार पूंजी लगाने के बाद एफपीआई बाजार में बिकवाल दिखे हैं। इससे पहले अगस्त में उन्होंने 25,492 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। जुलाई में उन्होंने 40,031 करोड़ रुपये और जून में 4,669 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।सितंबर में अबतक एफपीआई ने इक्विटी में 7,443 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। डेट और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है यानी कम हुआ है जबकि म्यूचुअल फंड में वे शुद्ध रूप से लिवाल रहे हैं।हाइब्रिड उपकरणों से एफपीआई सितंबर में अब तक 2,522 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। डेट से उन्होंने 390 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। वहीं म्यूचुअल फंड में एफपीआई ने 67 करोड़ रुपये लगाये हैं। मौजूदा कैलेंडर वर्ष में एफपीआई ने अब तक 1,57,639 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इसमें अकेले इक्विटी से उन्होंने 2,31,886 करोड़ रुपये की निकासी की है। इस दौरान डेट और म्यूचुअल फंड में वे शुद्ध रूप से लिवाल रहे हैं जबकि हाइब्रिड उपकरणों में उनके निवेश में कमी आयी है।

खाद्य तेलों का मिलाजुला रुख, कहीं उछाल तो कहीं गिरावट

आयातकों की लागत से नीचे बिकवाली से सोयाबीन तेल टूटा, औद्योगिक मांग ने पाम-पामोलीन को सहारा दिया

नई दिल्ली ।बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के दबाव में सोयाबीन तेल की कीमतों में गिरावट आई, वहीं औद्योगिक मांग बढ़ने से कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन के दाम में तेजी दर्ज की गई। घरेलू मंडियों में सोयाबीन तिलहन की कम आवक के चलते इसमें मामूली सुधार हुआ, जबकि सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर 40-45 हजार बोरी रह गई, जो दैनिक मांग (2.5-3 लाख बोरी) से काफी कम है। इसके बावजूद, आयातक बैंकों में अपने ऋण साख-पत्र चालू रखने के लिए लागत (125 रुपये/किलो) से लगभग 5 फीसदी नीचे, 118.50 रुपये/किलो पर सोयाबीन तेल बेच रहे हैं। यह उनकी गंभीर आर्थिक स्थिति दर्शाता है, जिसके चलते सोयाबीन तेल में गिरावट आई। ऊंची कीमतों पर कमजोर मांग से बिनौला तेल भी सस्ता हुआ। दूसरी ओर, बढ़ती औद्योगिक मांग और अन्य खाद्य तेलों से सस्ता होने के कारण पाम-पामोलीन में मजबूती देखी गई। ऊंचे दाम पर सुस्त कारोबार के बीच सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में स्थिरता बनी रही। बीते सप्ताह सरसों दाना 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 16,800 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,735-2,835 रुपये और 2,735-2,885 रुपये टिन (15 किलो) पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 6,700-6,750 रुपये और 6,550-6,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।दूसरी ओर, आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,400 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 11,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 14,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 150 रुपये के सुधार के साथ 16,000 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 100 रुपये के सुधार के साथ 14,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

गोवा उज्ज्वला योजना 2026 के तहत पात्र परिवारों को सालाना मिलेंगे 3000 रुपए

बिना आय सीमा के एलपीजी/पीएनजी उपभोक्ताओं को मिलेगा सीधा लाभ

गोवा ।

गोवा सरकार ने अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए एक बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने आधिकारिक तौर पर गोवा उज्ज्वला योजना 2026 को हरी झंडी दे दी है, जिसके तहत राज्य के पात्र परिवारों को सालाना तीन घरेलू एलपीजी सिलेंडरों या पीएनजी के खर्च के बराबर 3000 रुपये की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जाएगी। इस योजना के तहत भुगतान 9 सितंबर से शुरू हो जाएगा। यह योजना मुख्यमंत्री द्वारा 2022 के गोवा विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए वादे का हिस्सा है, जिसमें लोगों को सालाना तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का भरोसा दिलाया गया था। सरकार सिलेंडर सीधे वितरित करने के बजाय, यह राशि सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित करेगी। सीएम ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी करने और आवश्यक दस्तावेज जमा करने वाले निवासियों को उनके खातों में राशि मिलनी शुरू हो जाएगी। इस योजना की सबसे खास बात यह है कि इसके लिए कोई आय सीमा नहीं रखी गई है, जिससे सामान्य और ओपन कैटेगरी के परिवार भी आवेदन कर सकते हैं। यह योजना सिर्फ एलपीजी सिलेंडर इस्तेमाल करने वालों के लिए नहीं, बल्कि घरेलू पाइप नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन का उपयोग करने वाले परिवारों को भी लाभ देगी। सरकारी कर्मचारियों को भी इस स्कीम से बाहर नहीं रखा गया है। आवेदन करने के लिए लाभार्थी अपने नजदीकी ग्राम पंचायत कार्यालय, नगर पालिका दफ्तर या स्थानीय विधायक कार्यालय से फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं और गैस कनेक्शन की कॉपी, आधार, बैंक पासबुक तथा वोटर आईडी के साथ जमा कर सकते हैं। प्रति परिवार केवल एक ही गैस कनेक्शन पर योजना का लाभ मिलेगा।

इंडस्ट्रीज का डबल धमाकाः 60 रुपए लाभांश का प्रस्ताव

नई दिल्ली

कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति शेयर 60 रुपये लाभांश की घोषणा की; चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में नेट प्रॉफिट में 77.8 फीसदी की भारी बढ़ोतरी के कपावर ट्रांसमिशन सेक्टर की प्रमुख कंपनी अपार इंडस्ट्रीज ने अपने शेयरधारकों को दोहरी खुशी दी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 60 रुपये (फेस वैल्यू का 600त्न) लाभांश देने का प्रस्ताव किया है, जिस पर 21 सितंबर 2026 को होने वाली 37वीं सालाना आम बैठक (त्नरू) में मंजूरी ली जाएगी। इसके साथ ही, अपार इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भी शानदार वित्तीय परिणाम पेश किए हैं। खबरः अपार इंडस्ट्रीज ने लाभांश के लिए 14 सितंबर 2026 को रिकॉर्ड डेट तय की है। इस तारीख तक कंपनी के रजिस्टर में दर्ज शेयरधारकों को एजीएम की मंजूरी के बाद लाभांश का भुगतान किया जाएगा।

जनधन योजना में चुनौतीः करोड़ों खाते निष्क्रिय, लाखों में नहीं है कोई राशि

आरटीआई से खुलासा; देश में 15 करोड़ से अधिक खाते निष्क्रिय

जयपुर ।

प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत वित्तीय समावेशन के प्रयासों को एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में एक आरटीआई (सूचना का अधिकार) के जवाब से खुलासा हुआ है कि देश में करीब हर चौथा जनधन खाता निष्क्रिय है, जबकि करोड़ों खातों में कोई राशि जमा नहीं है।

ये आंकड़े योजना की प्रभावशीलता और जमीनी स्तर पर इसके उपयोग पर सवाल खड़े करते हैं। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ को दी गई जानकारी के अनुसार, 12 अगस्त तक देशभर में पीएमजेडीवाई के कुल 59.03 करोड़ से अधिक खाते थे, जिनमें 3.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा थी। हालांकि, चिंताजनक बात यह है कि इन खातों में से 15.36 करोड़ खाते निष्क्रिय पाए गए। इसके अलावा, 5.72 करोड़ से अधिक खातों में कोई राशि जमा नहीं थी, यानी वे शून्य-बैलेंस वाले खाते हैं।

अगस्त, 2014 में वित्तीय समावेशन के राष्ट्रीय मिशन के रूप में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को बैंक खाते तक पहुंच प्रदान करना है।

टाटा मोटर्स का इटली के इवेको ग्रुप के लिए 34,000 करोड़ का अधिग्रहण ऑफर

3.82 अरब की डील से ग्लोबल मार्केट में बढ़ेगा दबदबा

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने वैश्विक वाणिज्यिक वाहन बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। कंपनी ने इटली की मशहूर कमर्शियल व्हीकल कंपनी इवेको ग्रुप को खरीदने के लिए एक ऑल-कैश वॉलंटरी टेंडर ऑफर पेश किया है। यह महत्वाकांक्षी अधिग्रहण लगभग 3.82 अरब यूरो (लगभग 34,000 करोड़ रुपये) का है, जिससे भारतीय ऑटोमोबाइल दिग्गज का वैश्विक दबदबा काफी बढ़ जाएगा। टाटा मोटर्स अपनी नीदरलैंड्स स्थित कंपनी टीएमएल सीवी होल्डिंग बीवी के माध्यम से इवेको ग्रुप के सभी शेयर खरीदने के लिए यह प्रस्ताव लेकर आई है। कंपनी ने इवेको के एक शेयर की कीमत 14.10 यूरो तय की है। इस सौदे को इटली के मार्केट रेगुलेटर कॉन्सॉब से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, जो इसकी राह आसान करता है। टाटा मोटर्स और इवेको ग्रुप के संयुक्त बयान के अनुसार, यह टेंडर ऑफर 7 सितंबर से 26 अक्टूबर तक खुला रहेगा। इवेको ग्रुप के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इस सौदे को अपनी पूरी मंजूरी देते हुए शेयरधारकों से ऑफर स्वीकार करने की सिफारिश की है। इवेको की सबसे बड़ी शेयरधारक कंपनी एक्सोर, जिसके पास 27.06 फीसदी कॉमन शेयर और 43.19 फीसदी वोटिंग अधिकार हैं, उसने भी इस प्रस्ताव का समर्थन करने का वादा किया है। इस विलय के बाद वैश्विक कमर्शियल व्हीकल मार्केट में एक नया और मजबूत मंच तैयार होगा। अनुमान है कि संयुक्त इकाई की सालाना बिक्री 5,90,000 यूनिट्स से अधिक और कुल राजस्व लगभग 21 अरब यूरो (लगभग 2.28 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) होगा। खास बात यह है कि दोनों कंपनियों के कारोबार और भौगोलिक मौजूदगी में कोई टकराव नहीं है, जिससे एसवायएनइआरजीवाय का पूरा लाभ मिलेगा। नई इकाई के राजस्व का वितरण काफी संतुलित होगा, जिसमें यूरोप से लगभग 46 फीसदी, भारत से करीब 32 फीसदी, दक्षिण अमेरिका से 8 फीसदी और बाकी दुनिया के बाजारों से लगभग 14 फीसदी राजस्व आने की उम्मीद है। यह एकीकरण दोनों कंपनियों को लागत और अनुसंधान खर्चों को बड़े पैमाने पर साझा करने, परिचालन क्षमता में सुधार करने और कमर्शियल व्हीकल सेक्टर के उतार-चढ़ाव से निपटने में मदद करेगा। सौदे को पूरा करने के लिए कम से कम 95 फीसदी कॉमन शेयरों की मंजूरी आवश्यक है, हालांकि कुछ शर्तों के तहत यह 80 फीसदी तक घट सकती है।

घरेलू एलपीजी के दाम स्थिर, आम जनता को मिली राहत

19 किलो वाले सिलेंडर में मामूली वृद्धि से होटल-रेस्टोरेंट का बजट बिगड़ा

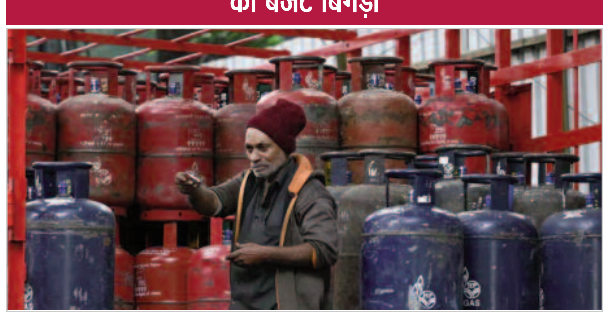

-मुंबई।

भारत में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमतें पूरी तरह स्थिर बनी हुई हैं, जिससे आम जनता और परिवारों को बड़ी राहत मिली है। सरकारी तेल मार्केटिंग ने घरेलू सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, कमर्शियल इस्तेमाल वाले 19 किलोग्राम के बड़े गैस सिलेंडरों की कीमतों में 1 सितंबर को 9.50 से 11.50 रुपये प्रति सिलेंडर की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई थी, जिसका असर होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग बिजनेस पर पड़ रहा है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के बावजूद, सरकार और तेल विपणन कंपनियों ने आम उपभोक्ताओं को महंगाई से बचाने के लिए घरेलू सिलेंडर के दाम स्थिर रखे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 95 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर निकल जाने और आयात लागत बढ़ने के कारण ही वाणिज्यिक गैस के दाम बढ़ाए गए हैं। वर्तमान में, दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 942 रुपये और मुंबई में 941.50 रुपये पर उपलब्ध है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 2,747.50 रुपये है। इस बीच पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीएसी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच घरेलू एनपीजी की खपत 15.9 फीसदी 11.3 मिलियन टन रह गई है।

देश में तेजी से फैल रहा पीएनजी नेटवर्क, 940 से 1000 रुपये के बीच का मौजूदा उच्च बेस प्राइस और सब्सिडी खत्म होने या कम होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक ईंधन की ओर वापसी, इस गिरावट के मुख्य कारण हैं। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में आखिरी बदलाव जून 2026 में हुआ था।

सितंबर में आईपीओ का महासंग्राम, बाजार में 7,055 करोड़ की हलचल

7 से 15 सितंबर के बीच खुलेंगे 11 कंपनियों के निर्गम

नई दिल्ली ।

भारतीय प्राथमिक बाजार में एक बार फिर जोरदार हलचल मचने वाली है। आगामी 7 से 15 सितंबर के बीच 11 कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ बाजार में उतरेंगी, जिनका लक्ष्य कुल 7,055 करोड़ रुपये जुटाना है। यह आईपीओ की भीड़ निवेशकों के लिए नए अवसर लेकर आएगी और बाजार में उत्साह का संचार करेगी। येस सिक्योरिटीज के अनुसार, एक साथ इतने आईपीओ आना इस बात का संकेत है कि निवेशक शुरुआती चरण की वृद्धि वाली कंपनियों में हिस्सेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं। इन निर्गमों में रियल एस्टेट, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, भुगतान समाधान, विशेष रसायन और ऑनलाइन किराये जैसे विविध क्षेत्रों की कंपनियां शामिल हैं। कुल जुटाई जाने वाली राशि में से 39 फीसदी (2,722 करोड़) नए शेयर जारी कर सीधे कंपनियों के खाते में जाएगी। इस राशि का उपयोग मुख्य रूप से कारोबार विस्तार, पूंजीगत व्यय, कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। वहीं, 61 फीसदी (4,333 करोड़) मौजूदा निवेशकों द्वारा बिक्री पेशकश के माध्यम से जुटाई जाएगी। इस अवधि में आने वाले प्रमुख आईपीओ में रेंटोमोजो (1,256 करोड़ रुपए), कनोहर इलेक्ट्रिकल्स (1,056 करोड़) और करमतारा इंजीनियरिंग (875 करोड़) शामिल हैं। रेंटोमोजो का आईपीओ इस सप्ताह का सबसे बड़ा निर्गम होगा। इसके अलावा प्रणव कंस्ट्रक्शंस, प्रसोल केमिकल्स, मणिपाल पेमेंट एंड आइडेंटिटी सॉल्यूशंस और वीगालैंड डेवलपर्स सहित कई अन्य कंपनियां भी अपने आईपीओ लेकर आ रही हैं।

सीपीएल 2026

सुनील नरेन का चला जादू, त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने बारबाडोस को 35 रन से हराया

बारबाडोस, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 27वां मुकाबला किंग्सटन ओवल, ब्रिजटाउन में खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स और त्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। त्रिनबागो ने 35 रन से मैच जीता। बारबाडोस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 6 विकेट पर 147 रन बनाए थे। कप्तान निकोलस पूरन ने 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 32 गेंदों पर 38 रन बनाए। किरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन बनाए थे। बारबाडोस के लिए गुडाकेस मोती ने 3, मुजीब उर रहमान ने 2 और जकीम पोलार्ड ने 1 विकेट लिए। 148 रन के सामान्य लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। बारबाडोस 18.3 ओवर में 112 रन पर सिमट गई और 35 रन से मैच हार गई। जैकरी कार्टर और शरफेन रदरफोर्ड ने 21-21 रन बनाए। इसके अलावा, डेनियल सैम्स ने 17, ब्रैंडन किंग्स और सैड्रैक डेसकार्टेस ने 16-16 रन बनाए। क्विंटन डि कॉक और रिवाल्डो क्लार्क जैसे बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहतरीन और मैच विजयी स्पेल फेंका। नरेन ने 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, जेड गुली ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। लाहिरु कुमारा ने 2 और अकील हुसैन ने 1 विकेट लिया।

सुनील नरेन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया

त्रिनबागो नाइट राइडर्स की सीजन के नौवें मैच में यह तीसरी जीत थी। 6 अंकों के साथ टीम छठे स्थान पर है। वहीं, बारबाडोस की सीजन के छठे मैच में यह चौथी हार थी। 4 अंक के साथ बारबाडोस आखिरी (सातवें) स्थान पर है। एंटिगुआ एंड बरबुडा फॉल्कंस 9 मैचों में 5 जीत के साथ 11 अंक लेकर पहले स्थान पर है।

रुमेश पथिरगे ने रचा इतिहास, डायमंड लीग खिताब जीतने वाले पहले श्रीलंकाई बने

ब्रसेल्स, एजेंसी। श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश थरंगा पथिरगे ने इतिहास रच दिया है। वह डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले श्रीलंकाई बन गए हैं। दुनिया के नंबर 1 जेवलिन थ्रोअर रुमेश ने ब्रसेल्स के किंग बाउडीइन स्टेडियम में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में खिताब जीत सीजन का अंत शानदार और यादगार अंदाज में किया। 23 साल के इस खिलाड़ी ने किंग बाउडीइन स्टेडियम में अपनी तीसरी कोशिश में 89.04 मीटर की बड़ी दूरी तय करके जीत पक्की की। पोलैंड के डेविड वेगनर 87.47 मीटर दूसरे स्थान पर रहे। पूर्व ओलंपिक चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने

सीजन का सबसे अच्छा थ्रो फेंका और 83.99 मीटर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 83.70 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे। जीत के बाद रुमेश ने कहा, 'मैं डायमंड लीग फाइनल जीतने वाला पहला श्रीलंकाई हूं और इससे मुझे बहुत गर्व है। मैं डायमंड लीग में मुकाबला करने के लिए बहुत उत्सुक था और मैं बहुत खुश हूं कि मुझे फाइनल में जीत मिली। मुझे पता है कि मैं आज 89.04 से कहीं बेहतर कर सकता था, लेकिन हालात मुश्किल थे। मुझे बहुत ज्यादा तापमान की आदत है। मैं अगले कुछ सालों में अटैक करने और मीटिंग रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करूंगा।' इस जीत ने श्रीलंकाई खिलाड़ी के लिए एक शानदार डायमंड लीग कैंपेन पूरा किया, जो सीजन के दौरान शानदार प्रदर्शन के बाद सर्किट लीडर के तौर पर फाइनल में पहुंचे थे। श्रीलंकाई स्टार ने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें उनके पांच डायमंड लीग मैचों में से चार में जीत मिली है। वह रबात में अपनी सीरीज में डेब्यू करते हुए दूसरे नंबर पर रहे, लेकिन रोम और ज्यूरिख दोनों जगह उन्होंने 92 मीटर से ज्यादा फेंका, और अब तक के टॉप टेन थ्रोअर में शामिल हो गए। रोम में श्रीलंकाई खिलाड़ी की 92.62 मीटर की वर्ल्ड लीड ने उन्हें इस सीजन में वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने में मदद की है। 2022 में चैंपियन रहे भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा ने इंजरी की वजह से फाइनल में हिस्सा नहीं लिया था।

साई ने झटके

5 विकेट

साई किशोर की बेहतरीन गेंदबाजी, ग्लॉस्टरशायर की डर्बीशायर पर रोमांचक जीत

ब्रिस्टल, एजेंसी। आर साई किशोर (5 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ग्लॉस्टरशायर ने रॉथसे काउंटी चैंपियनशिप डिविजन दो मैच के बेहद रोमांचक अंत में डर्बीशायर को 213 रन से हरा दिया। सीट यूनिक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ग्लॉस्टरशायर के इस विदेशी खिलाड़ी ने 18 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लिए। 319 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही बेबस डर्बीशायर की टीम आखिरी सत्र में 39 ओवर के अंदर केवल 105 रन पर सिमट गई। एड मिडलटन ने 17 रन देकर 2 विकेट और ओली प्राइस ने 59 रन देकर 3 विकेट लिए। डर्बीशायर के सभी 10 विकेट स्पिन गेंदबाजो ने झटके। यह घरेलू टीम के लिए किस्मत में शानदार बदलाव था, क्योंकि मैच के पहले दिन उसका स्कोर पांच विकेट पर मात्र 37 रन था। इससे पहले ग्लॉस्टरशायर ने अपनी दूसरी पारी में 210 रन और जोड़े। माइल्स हैमंड ने 118 और जेम्स ब्रेसी ने नाबाद 104 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 165 रन की बड़ी साझेदारी की और ग्लॉस्टरशायर ने 5 विकेट पर 359 रन बनाकर पारी घोषित की। ब्रेसी 2007 में ग्लॉस्टर के आकर्डेकन मीडो में एलेक्स गिडमैन के बाद प्रथम श्रेणी मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले खिलाड़ी बने। तालिका में सबसे नीचे चल रही ग्लॉस्टरशायर ने 19 अंक हासिल किए और लगातार छह हार का सिलसिला समाप्त किया। इस सीजन में उसकी दोनों जीत डर्बीशायर के खिलाफ ही आई हैं। ब्रिस्टल से डर्बीशायर को सिर्फ़ चार अंक मिले और टीम को भारी निराशा के साथ लौटना पड़ा। जब ग्लॉस्टरशायर ने 3 विकेट पर 149 रन से आगे खेलना शुरू किया, तब डर्बीशायर को जल्दी विकेट लेने की ज़रूरत थी। लेकिन फील्डिंग में उससे कई गलतियां हुईं। शोएब बशीर ने अपनी ही गेंद पर ब्रेसी का कैच छोड़ दिया, तब उनका स्कोर सिर्फ 5 रन था। वहीं मैट मॉन्टगोमरी ने वापसी का कैच हाथ से निकाल दिया और हैमंड को 77 रन पर जीवनदान मिल गया। ग्लॉस्टरशायर की चौथे विकेट की जोड़ी ने इसका पूरा फ़ायदा उठाया और 143 गेंदों में शतकीय साझेदारी कर मैच पर अपना दबदबा बना लिया। ब्रेसी ने 75 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

ग्लॉस्टरशायर ने डर्बीशायर को 9 विकेट से हराया

वहीं हैमंड ने जैक मॉर्ली की गेंद को फाइन लेग की ओर खेला और दो रन लेकर 182 गेंदों में इस सीजन का अपना तीसरा और करियर का आठवां प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। डर्बीशायर ने नई गेंद ली और तेज़ गेंदबाज़ बेन एटचिसन और ब्रेट रैंडेल को दोबारा गेंदबाज़ी पर लगाया। लेकिन ब्रेसी और हैमंड ने लंच तक स्कोर को 3 विकेट पर 268 रन तक पहुंचा दिया। ग्लॉस्टरशायर को सुरक्षित स्थिति में पहुंचाने के बाद हैमंड ने मार्टिन एंडरसन की गेंद को मिडविकेट की ओर खेला, जहां मॉन्टगोमरी ने उनका कैच पकड़कर उनकी पारी ख़त्म कर दी। हैमंड ने समझदारी से डिफेंस और आक्रमण का अच्छा संतुलन बनाकर बल्लेबाजी की थी। इसके बाद ब्रेसी भी तीन अंकों तक पहुंच गए। उन्होंने 143 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से इस सीज़न का अपना पांचवां शतक पूरा किया और टीम ने पारी घोषित कर दी। इसके साथ ही वह 1919 में हैरी स्मिथ के बाद एक मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले विकेटकीपर भी बने। डर्बीशायर को जीत के लिए लगभग सात रन प्रति ओवर की दर से रन बनाने थे, लेकिन उसकी कोशिश जीत से ज़्यादा मैच बचाने तक ही सीमित रही। ग्लॉस्टरशायर ने दोनों छोर से स्पिन गेंदबाज़ी शुरू की और बल्लेबाज़ के आसपास क़रीबी फ़ील्डर लगा दिए।

हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, पूरी पारी के दौरान संघर्ष किया: फातिमा सना

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई पाकिस्तान को भारत के खिलाफ शनिवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए विमेंस एशिया कप 2026 के 9वें मुकाबले में 7 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने स्वीकार किया है कि उनकी टीम की बल्लेबाजी खराब रही और पूरी पारी के दौरान टीम ने संघर्ष किया। पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया, लेकिन ये निर्णय टीम पर भारी पड़ गया और पाकिस्तानी टीम 18.1 ओवरों में सिर्फ 55 रन पर सिमट गई। आलम ये रहा कि पाकिस्तान के सिर्फ 2 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सकीं। चार खिलाड़ी अपना खाता तक नहीं खोल सकीं। पहले बल्लेबाजी करने के फैसले पर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई पूरी पारी के दौरान हमने संघर्ष किया। हमें पता था कि विकेट ताजा है और हम अधिक से अधिक रन बनाना चाहते थे। हमें भरोसा था कि हमारी गेंदबाजी इकाई अच्छी है। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 3

विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने 8.4 ओवरों में 7 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान के लिए तीनों विकेट फातिमा सना (3 ओवरों में 17 रन देकर 3 विकेट) हासिल किए। कप्तान सना निजी उपलब्धि से ज्यादा टीम की जीत को तरजीह देती हैं। उन्होंने कहा, मैंने तीन विकेट लिए, लेकिन फिर भी हम मैच हार गए, इसलिए इसका कोई मायने नहीं है। हमें जीत की जरूरत थी, इसलिए तीन विकेट लेने से कोई फर्क नहीं पड़ता। पाकिस्तानी टीम 2 में से 1 मैच गंवाने के बावजूद ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर मौजूद है। अब पाकिस्तानी टीम 7 सितंबर को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में हांगकांग, चीन का सामना करेगी। ग्रुप-ए से भारत ने पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना ली थी। अब पाकिस्तान (-0.569), थाईलैंड (-2.050) और हांगकांग, चीन (-3.575) क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर हैं। यानी अगला मैच पाकिस्तान के लिए निर्णायक होगा। इस मुकाबले को लेकर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हम वहां अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे, और आखिरी मैच में हम जीतने और फाइनल (नॉकआउट) में जाने की कोशिश करेंगे।

इतिहास में पहली बार एक साथ खेलेंगे रोनाल्डो और मेसी? जानें कब होगा मैच

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी 37 बार एक दूसरे के खिलाफ खेले हैं, लेकिन अब इतिहास में पहली बार एक टीम के लिए खेल सकते हैं. कार्लोस टेवेज इसकी योजना बना रहे हैं, जो दोनों के टीममेट रहे हैं. पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी फुटबॉल जगत के दो बड़े सितारे हैं. लगभग 15 सालों तक, उनकी प्रतिद्वंद्विता ने वर्ल्ड फुटबॉल में एक दौर को परिभाषित किया, खासकर ला लीगा में, जहां रोनाल्डो रियल मैड्रिड और मेसी बार्सिलोना के लिए खेलते थे. लेकिन अब इतिहास में पहली बार दोनों एक साथ, एक टीम के लिए खेल सकते हैं. दोनों के टीममेट रह चूके कार्लोस टेवेज ने एक खास इवेंट की योजना बनाई है. टीवाईसी स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टेवेज ने बोका जूनियर्स के प्रेसिडेंट जुआन रोमन रिकेल्मे से 'ला बॉम्बोनेरा' में मैच कराने के बारे में बात की है. रिकेल्मे ने इसके लिए हामी भर दी है, जो टेवेज के साथ खेल चुके हैं. क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी में से कौन सबसे महान है, इस पर सालों से बहस होती रही है. नेशनल और क्लब लेवल पर दोनों दिग्गज 37 बार आमने सामने हो चुके हैं, हालांकि कभी दोनों एक टीम के लिए नहीं खेले. दोनों ने मिलकर 13 बैलन डी 'ओर जीते हैं.

दिसंबर में होगा मैच!

बोका जूनियर्स के लिए अपना प्रोफेशनल करियर शुरू करने वाले टेवेज ने 2021 में फुटबॉल से संन्यास ले लिया था. अब 5 साल बाद वह अपने फेयरवेल मैच की तैयारी कर रहे हैं. रिकेल्मे द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद अधिकारी अब मैच की तारीख को तय करने पर काम कर रहे हैं. संभावना है कि ये मैच दिसंबर में होगा, जिससे बोका जूनियर्स का शेड्यूल प्रभावित न हो.

यूएस ओपन 2026

कोको गॉफ ने क्रिस्टीना बुच्सा को हराया, चौथे दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने US Open 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्पेन की क्रिस्टीना बुच्सा को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हरा दिया। इस जीत के साथ चौथी वरीयता प्राप्त गॉफ ने लगातार पांचवीं बार US Open के चौथे दौर में जगह बना ली है। उनकी लगातार जीत का सिलसिला अब 9 मैचों तक पहुंच गया है।

बुच्सा ने शुरुआत में गॉफ को दिया झटका – आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले की शुरुआत गॉफ के लिए आसान नहीं रही। बुच्सा ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले सेट में 3-1 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, गॉफ ने जल्द ही लय हासिल की और अगले छह में से पांच गेम अपने नाम कर लिए। उन्होंने एक शानदार सर्व के साथ पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया, जिसका बुच्सा के पास कोई जवाब नहीं था।

दूसरे सेट में भी कांटे की टक्कर – दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गॉफ ने 4-3 की बढ़त के लिए बुच्सा की सर्विस तोड़ी, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद गॉफ ने मैच के आखिरी आठ अंक लगातार जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया और अंतिम-16 में पहुंच गईं।

सर्विस में परेशानी के बावजूद गॉफ का दबदबा

गॉफ का यह प्रदर्शन पूरी तरह बेदाग नहीं रहा। उन्होंने अपनी पहली सर्विस का आधे से भी कम हिस्सा कोर्ट में डाला और छह डबल फॉल्ट किए। इसके बावजूद जब उनकी पहली सर्विस लगी तो वह बेहद प्रभावी रहीं। उन्होंने पहली सर्विस पर 27 में से 20 अंक जीते। गॉफ ने 9 में से 4 ब्रेक पॉइंट कन्वर्ट किए और नेट पर 22 में से 15 अंक अपने नाम किए। उनकी शानदार डिफेंस और कोर्ट पर तेज मूवमेंट एक बार फिर निर्णायक साबित हुई।

दिन के हालात में शुरुआत में हुई परेशानी

गॉफ ने माना कि दिन के समय खेले गए मुकाबले की परिस्थितियों में उन्हें शुरुआत में लय हासिल करने में परेशानी हुई थी। हालांकि, मैच आगे बढ़ने के साथ उन्होंने खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाल लिया। गॉफ ने कहा, 'वह एक मुश्किल खिलाड़ी हैं। वह कभी खेल की गति तेज कर सकती हैं और कभी धीमी। इसलिए मेरे लिए लय हासिल करना मुश्किल था, लेकिन मैं खुश हूं कि जब मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस नहीं खेल रही थी, तब भी मैंने मुकाबला लड़कर जीत हासिल की।'

मोहम्मद शमी की वनडे टीम में हो सकती है वापसी

दिलीप ट्रॉफी फाइनल पर चयनकर्ताओं की नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वनडे टीम में वापसी का रास्ता खुल सकता है. भारत को 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है और इस सीरीज के लिए टीम चयन के दौरान शमी के नाम पर भी चर्चा हो सकती है. इसकी बड़ी वजह भारत के कई प्रमुख तेज गेंदबाजों का उस समय एशियन गेम्स के लिए जापान में होना है.

एशियन गेम्स में होंगे भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज – जापान में 19 सितंबर से एशियन गेम्स शुरू होने हैं. इसी दौरान भारतीय टी20 टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी. भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा एशियन गेम्स की टीम का हिस्सा होंगे. वहीं 27 सितंबर से भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज शुरू होनी है. ऐसे में बुमराह, अर्शदीप और हर्षित के वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे टीम का हिस्सा बनने की संभावना नहीं है. इससे चयनकर्ताओं को तेज गेंदबाजी विभाग में दूसरे विकल्पों की तरफ देखना होगा.

शमी ने फिटनेस को लेकर दिया जवाब – प्मोहम्मद शमी पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस को लेकर सवालों के घेरे में रहे हैं. मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर भी उनकी फिटनेस को लेकर बयान दे चुके हैं.

सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार रेस में

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए तेज गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार का नाम सामने आ रहा है. हालांकि चयनकर्ता अगर टीम में चार तेज गेंदबाज रखना चाहते हैं तो मोहम्मद शमी एक मजबूत विकल्प बन सकते हैं. शमी के पक्ष में सबसे बड़ी बात उनका अनुभव है. बुमराह की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम के पास तेज गेंदबाजी विभाग में अनुभव के ज्यादा विकल्प मौजूद नहीं होंगे. ऐसे में शमी की वापसी टीम के पेस अटैक को मजबूती दे सकती है.

मोड्रिक ने संन्यास की अटकलों पर लगाया विराम

नेशंस लीग में खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। मिलान लुका मोड्रिक ने क्रोएशिया के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेलना जारी रखने का फैसला किया है। इसी के साथ उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें अनुभवी मिडफील्डर के नेशनल टीम से संन्यास लेने के कयास लगाए जा रहे थे। क्रोएशियाई फुटबॉल फेडरेशन (एचएनएस) ने शनिवार को पुष्टि की है कि मोड्रिक चेक रिपब्लिक, स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले नेशंस लीग मुकाबलों के लिए टीम का हिस्सा होंगे। यह फैसला मोड्रिक के हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप में क्रोएशिया का प्रतिनिधित्व करने के बाद आया है, जहां उनकी टीम को राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर संदेह पैदा हो गया था, खासकर इसलिए क्योंकि यह मिडफील्डर सितंबर में 41 साल का होने वाला है। हालांकि, नए नियुक्त हेड कोच स्लेवेन बिलिच और एचएनएस अध्यक्ष मारिजन कुस्टिक के साथ बातचीत के बाद मोड्रिक ने क्रोएशिया के आगामी आधिकारिक मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। एसी मिलान का यह मिडफील्डर क्रोएशिया के लिए एक अहम खिलाड़ी बना हुआ है, जिसने अपने देश के लिए 202 मैच खेले हैं। वह लगभग दो दशकों से नेशनल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और फीफा वर्ल्ड कप 2018 में क्रोएशिया के सफल सफर के दौरान उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी, जब टीम रनर-अप रही थी। बिलिच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, स्वाभाविक रूप से, लुका के फैसले से मुझे बेहद खुशी हुई है। हम सभी जानते हैं कि वह मैदान के अंदर और बाहर क्रोएशिया को क्या दे सकते हैं। मैं 14 साल बाद उनके साथ फिर से काम करने के लिए उत्साहित हूं। हम दोनों का एक ही मकसद है - क्रोएशिया को टॉप टीमों में बनाए रखना, जीत हासिल करना और दुनिया की बेहतरीन टीमों के बराबर लाना। मोड्रिक ने एसी मिलान के साथ अपना क्लब करियर भी जारी रखा है। इस मिडफील्डर ने हाल ही में इटैलियन क्लब के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट जून 2027 तक बढ़ा दिया है। क्रोएशिया के दिग्गज मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने राष्ट्रीय टीम के साथ अपना सफर जारी रखने का फैसला किया है। इस फैसले के साथ उन्हें अब अपने 202 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा, साथ ही वह यूरोपीय फुटबॉल के सबसे शानदार अंतरराष्ट्रीय करियरों में से एक को और लंबा कर सकेंगे। मोड्रिक ने साल 2006 में क्रोएशिया के लिए सीनियर डेब्यू किया था और तब से वह टीम के अहम खिलाड़ी बने हुए हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 4001

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

16/23 → 1 2 3 4 6 ; ↑ 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 4000 का हल

हंसी के फूव्वारें

मां: स्कूल कैसा लगा मुन्नी?
मुन्नी: अच्छा तो लगा, पर वहां मास्टर साहब मुझसे वे ही सवाल पूछते हैं जिनका मुझे जवाब मालूम नहीं होता.

अध्यापक(राजेश से): गर्मियों में होने वाला कौन-सा फल खट्टा, मीठा और चटपटा होता है.
राजेश: सर, परीक्षाफल.

वकील: तो तुम जानते हो कि तुमने श्याम लाल के कान पर छुरा मारा था.
अभियुक्त: सरकार, कान पर तो भूल से लग गया मैं तो उसे उसके गले पर मारना चाहता था.

एक दोस्त: यार, इस मोटे लैंस के चश्में में तुम बिलकुल उल्लू दिखाई देते हो.
दूसरा: अगर मैं चश्मा उतार दूं तो तुम मुझे बिलकुल गधे दिखाई दोगे.

एक बच्चे ने अपनी मां से जाकर पूछा- आखिर तुम मुझे स्कूल क्यों भेजती हो?
तुम जैसे नटखट बच्चों को इंसान बनाने के लिए, मां ने कहा.
बच्चा झट से बोला- लेकिन मास्टरजी तो मुर्गा बनाते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 4001

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4000

क्या	क	ह	ना		जं	ग		मि	
	सू		श	जा	जी		हे	ल	न
अ	र	बा	ज		र	ह	मा	न	
भि		गी		अ		व			चा
मा	ला		दे	व		स	सु	श	ल
न		डॉ		ता	ल		हा		बा
	जा	न	व	र		र	ग	बा	ज
दि	ल		र		गैं	ग		जी	
ल		अं	दा	ज			सं	ग	म
गी	त		न		कां	टे		र	

सूडोकु -4001

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4000 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 4001

बाएँ से दाएँ

1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली -4000 का हल

	रा	ह	ज	नी		फि	स	ल	ना	
अ		क	हा	र		त	न	य		बु
ह	क		न	व		र	म		फ	न
म	म	ता		ता	क	त		चा	त	क
क	र	त	ब		म		त	ल	वा	र
			ल	ह	र	दा	र			
ला	व	ज	मा		बं		स	ह	ल	ज
ज	त	न		म	द	द		म	ग	न
वा	न		क	न		ह	म		न	म
ब		त	म	स		ली	ट	र		त
	मे	ह	रा	ब		ज	र	ब	फ्त	

रेसिपी

अंजीर का हलवा

सामग्री

- सूखे अंजीर- 100 ग्राम
- घी- 2 चम्मच
- मिल्क पाउडर- 1 चम्मच
- चीनी- 2 चम्मच
- इलायची पाउडर- 1/4 चम्मच
- दूध- 1 कप

गार्निशिंग के लिए

- सूखे मेवे की कतरन और चांदी का वर्क

विधि

सबसे पहले अंजीर को दूध में भिगो दें फिर मिक्सी में पीस लें। अब नॉनस्टिक पैन को गर्म करके उसमें घी गर्म करें। अंजीर वाले मिश्रण को पैन में डालकर अच्छी तरह से भून लें। मिश्रण में अब मिल्क पाउडर और चीनी मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो इलायची पाउडर मिलाकर गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को सर्विंग बाउल में निकालकर उसके ऊपर बादाम की कतरन डालेंऔर ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर अंजीर का हलवा सर्व करें ।

सूजी बर्फी

सामग्री

- तिल - 150 ग्राम
- सूजी - 180 ग्राम
- चीनी - 225 ग्राम
- घी - 125 ग्राम
- पिस्ता - 1 टेबल स्पून
- बादाम - 1 टेबल स्पून
- घी - 2 टेबल स्पून
- इलायची पाउडर - 1 छोटी चम्मच

विधि

तिल सूजी की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले तिल भून लीजिए। इसके लिए पैन गरम कीजिए। इसमें तिल डालकर लगातार चलाते हुए तब तक तिल को भूनिए जब उसका रंग हल्का सा बदलने लगे और वह हल्का सा फूलने लगे। भुने तिल को प्लेट में निकाल लीजिए। अब कड़ाही में घी डालकर इसमें सूजी डाल दीजिए और सूजी को लगातार चलाते हुए धीमी से मध्यम आंच पर हल्की ब्राउन होने और अच्छी महक आने तक भून लीजिए। सूजी भुन जाने पर इसे भी प्लेट में निकाल लीजिए। पिस्तों को पतला-पतला काट लीजिए और बादाम को भी बारीक काटकर तैयार कर लीजिए।

चाशनी बनाएं : पैन में चीनी और कप पानी डालकर चीनी के पानी में घुलने के बाद 1 से 2 मिनिट तक पकाएं। जब चाशनी में से तार निकलने लगे तो समझ लीजिए चाशनी बनकर के तैयार है। इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए बादाम डालकर अच्छे से मिक्स कीजिए। एक थाली को थोड़े से घी से चिकना कीजिए। मिश्रण को थाली में डालकर फैलाइए और बारीक कटे हुए पिस्तों से इसे सजा दीजिए। बर्फी को ठंडा होने के लिए रख दीजिए। मिश्रण के जम जाने पर इसे चाकू की सहायता से अपने मनपसंद आकार के टुकड़ों में काट सर्व करें

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

'लव लॉटरी' में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी हेली दारूवाला

हेली दारूवाला ने टेलीविजन के चर्चित धारावाहिकों से लेकर फिल्मों तक अपने अभिनय के अलग-अलग रंग दिखाए हैं। एकता कपूर के लोकप्रिय धारावाहिक 'नागिन 3' में खलनायिका की भूमिका से पहचान बनाने के बाद वह वर्ष 2025 में 'एक चतुर नार' में टीना गुप्ता की नकारात्मक भूमिका में नजर आईं। अब वह अरविंद पांडे के निर्देशन में बनी 'लव लॉटरी' में अक्षय ओबेरॉय के साथ मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी।

आपको टेलीविजन ने पहचान दी। क्या कभी ऐसा लगा कि उस लोकप्रियता ने आपको एक खास छवि (टाइपकास्ट) में बांध दिया? बतौर अभिनेत्री आपके भीतर सबसे बड़ा बदलाव क्या आया है?

मैंने टेलीविजन में अलग-अलग तरह की भूमिकाएँ की हैं। मैंने कोई ऐसा शो नहीं किया जो सालों-साल चले और मैं एक ही किरदार में बंध जाऊं। मैंने कोई टिपिकल 'सास-बहू' ड्रामा भी नहीं किया है। मेरा सफर स्कूल और कॉलेज वाले शोज से शुरू हुआ, फिर कजिन्स पर आधारित शो किया और बाद में 'नागिन' जैसा ग्लैमरस शो किया। इसलिए मेरी ऐसी कोई एक छवि नहीं बनी जिससे मुझे बंधने का अहसास हो।

'एक चतुर नार' के बाद आपने फिर से रहस्य और अपराध (सस्पेंस/क्राइम) से जुड़ी कहानी चुनी, जिसमें मर्डर, मिस्ट्री और कोर्टरूम ड्रामा है। इसे चुनने की क्या वजह रही?

इसके बाद मेरे पास यही फिल्म आई और मुझे इसका अपना किरदार बहुत दिलचस्प लगा। ऐसा रोल मैंने पहले कभी नहीं किया था। एक एक्टर के तौर पर मैं अलग-अलग तरह के किरदार निभाना चाहती हूँ, इसीलिए मैंने इसे चुना।

अक्षय ओबेरॉय जैसे अनुभवी अभिनेता के साथ काम करते हुए अपने किरदार के लिए क्या अतिरिक्त तैयारी की?

अनुभवी तो हम दोनों ही हैं, लेकिन हाँ, मैंने उनका काम देखा है। रीडिंग सेशन के दौरान मैंने उनसे काफी टिप्स और इनपुट्स लिए। जब आप साथ में काम कर रहे होते हैं, तो सामने वाले का नज़रिया समझना बहुत जरूरी होता है। अक्षय के साथ केमिस्ट्री बहुत अच्छी रही, वह बहुत बेहतरीन इंसान हैं और उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला।

इस फिल्म की कहानी में चेहरे के भाव और ठहराव (साइलेंस) भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितना संवाद। बिना बोले भी अभिव्यक्ति देनी पड़ती है। ऐसा कोई दृश्य जिसने चुनौती दी हो?

हाँ, ऐसे कई सीन थे। इस किरदार की भावनाएं और सोच मेरी वास्तविक जिंदगी से बिल्कुल अलग थीं। मैं असल जिंदगी में वैसी इंसान नहीं हूँ। इसलिए खुद को अलग रखकर एक नकारात्मक या जटिल सोच वाले किरदार की भावनाओं को महसूस करना और स्क्रीन पर उतारना चुनौतीपूर्ण था।

सस्पेंस फिल्मों में कलाकारों को दर्शकों से भी काफी कुछ छुपाना पड़ता है, अपने किरदार की परतें नियंत्रित रखनी होती हैं। यह कितना कठिन था?

यह काफी एक्साइटिंग था। एक एक्टर का काम ही यही है कि वह दर्शकों को केवल वही दिखाए जो उस सीन के लिए जरूरी है, न कि अपने मन की बात। मुझे इसके अलग-अलग शेड्स प्ले करने में बहुत मज़ा आया।

आजकल सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग और लोकप्रियता का दबाव रहता है। क्या इसका असर कलाकारों के वास्तविक अभिनय पर पड़ता है?

यह हर इंसान की व्यक्तिगत सोच है कि वह सोशल मीडिया या फेम को कैसे लेता है। मेरे फैंस और फॉलोअर्स मुझसे इसलिए जुड़े हैं क्योंकि उन्हें मेरा काम (टेलीविजन, ओटीटी या डांस) पसंद आया है। वे हमेशा मेरे अगले प्रोजेक्ट का इंतजार करते हैं। सोशल मीडिया से मुझे दबाव नहीं, बल्कि और अच्छा काम करने की प्रेरणा और उत्साह मिलता है।

फिल्म 'लव लॉटरी' को लेकर क्या उम्मीदें हैं

यह एक पूरी तरह से स्टोरी-ड्रिवन (कहानी पर आधारित) फिल्म है। इसमें काफी ट्विस्ट एंड टर्न्स, सस्पेंस, थ्रिलर के साथ-साथ रोमांस और अच्छे गाने भी हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इससे जरूर जुड़ पाएंगे और इसे पसंद करेंगे।

प्रेशर को पॉजिटिव रूप से देखता हूं

दिग्गज निर्देशक राजकुमार हिरानी इस साल अपनी पहली वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' लेकर आए। इसकी सफलता, ओटीटी के बदलते मिजाज आदि पर उन्होंने खास बातचीत की...

क्या सोचा था कि पहला ओटीटी प्रोजेक्ट इतना सफल रहेगा?

ओटीटी को लेकर सालों से माना जाता रहा है कि यहां गंभीर और क्राइम जैसी कहानियां ज्यादा चलती हैं। इसलिए जब हम इसे लिख रहे थे तो शुरुआत में लगा कि फिल्म की तरह जल्दी जल्दी कहानी कह रहे हैं। मन में इसे लेकर शंका थी, लेकिन जब सीरीज को अच्छे नंबर मिलने लगे तो तसल्ली हुई कि हमारा रास्ता सही है। हमारा मानना है कि अगर कहानी दिल से लिखी जाए तो वह दर्शकों को जरूर पसंद आती है।

सीरीज बनने के लिए आपने इसी विषय को क्यों चुना?

जब कोई कहानी नई लगती है तो उसे कहने की इच्छा होती है। साइबर क्राइम पर कई फिल्में देखी थीं, लेकिन उनमें सिर्फ ऊपरी बातें दिखाई गई थीं। पहली बार पता चला कि किसी क्राइम को तकनीकी तरीके से कैसे सुलझाया जाता है। जैसे सीरीज में एटीएम चोरी के मामले को साइबर तकनीक की मदद से ट्रैक करने की पूरी प्रक्रिया दिखाई गई है। यही बात मुझे रोचक लगी और लगा कि फ्रॉड पकड़ने की ऐसी कहानी ओटीटी के लिए ज्यादा सही है, सिनेमा के लिए नहीं।

'प्रीतम एंड पेड्रो' को कॉमेडी के साथ जोड़ने का विचार कैसे आया?

कहानी कहने के कई तरीके होते हैं और उनमें कॉमेडी सबसे दिलचस्प तरीका है। साइबर क्राइम जैसे गंभीर विषय पर पहले से काफी कंटेंट बन रहा था, इसलिए मैंने इसे थोड़ा हल्का और मजेदार रखना चाहा। इसमें एक तरफ साइबर क्राइम की कहानी है, तो दूसरी तरफ दो दोस्तों की भी, जिनमें एक कंप्यूटर नहीं जानता और दूसरा क्राइम ब्रांच। मुझे वैसे भी हंसाने वाली कहानियां ज्यादा पसंद हैं।

क्या आप हमेशा एक हिट फिल्म देने का प्रेशर महसूस करते हैं?

जब भी कोई फिल्म बनती है, हम चाहते तो यही हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग उसे पसंद करें। लिखने के दौरान वो विचार तो बना ही रहता है और इसी वजह से स्क्रिप्ट के साथ अधिक से अधिक समय बिताते हैं और यह कोई निगेटिल प्रेशर नहीं है, इसको मैं पॉजिटिव रूप से देखता हूं और आजकल हर तरह की चीज लोग देख चुके हैं तो बतौर फिल्ममेकर हमारी कोशिश दर्शकों को कुछ अलग तरह का कंटेंट देने की रहती है।

'मिर्जापुर' की गोलू और श्वेता त्रिपाठी में क्या है खास समानता? एक्ट्रेस ने खुद किया खुलासा

एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी चर्चित फिल्म 'मिर्जापुर : द फिल्म' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में एक बार फिर वह गोलू गुप्ता के अपने पसंदीदा किरदार में नजर आने वाली हैं। गोलू का किरदार श्वेता के करियर के सबसे चर्चित किरदारों में से एक रहा है। अब एक्ट्रेस ने बताया है कि गोलू और उनमें सबसे बड़ी समानता किताबों के प्रति प्यार है, इसलिए जब उन्हें गोलू के किरदार में किताबों से लगाव को समझाने का सीन किया, तो इसके लिए उन्हें अलग से तैयारी या रिसर्च करने की जरूरत नहीं पड़ी। श्वेता ने कहा, ''हर कलाकार की इच्छा होती है कि उसे कभी ऐसा किरदार मिले, जिसमें उसके व्यक्तित्व का कोई हिस्सा पहले से मौजूद हो। मेरे लिए गोलू कुछ ऐसा ही किरदार रही है। किताबों के प्रति गोलू का लगाव मुझे बहुत अपना लगा, क्योंकि मैं खुद भी कई सालों से किताबें पढ़ती आ रही हूं। मैं अक्सर किताबों की दुकान पर यह सोचकर जाती हूं कि मैं सिर्फ किताबें देखूंगी, लेकिन वहां से कम से कम तीन किताबें लेकर ही निकलती हूं।''

श्वेता ने कहा, ''पढ़ने की आदत ने मेरे सोचने और दुनिया को देखने का तरीका भी बदल दिया है। किताबों ने मुझे अलग-अलग तरह के लोगों को समझने में मदद की। एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी होता है, क्योंकि किसी किरदार को निभाने से पहले यह समझना पड़ता है कि वह व्यक्ति किसी स्थिति में वैसा व्यवहार क्यों कर रहा है। किताबें इंसान को अपनी जिंदगी से बाहर निकले बिना कई अलग-अलग लोगों और उनकी जिंदगियों को समझने का मौका देती हैं।'' एक्ट्रेस ने कहा, ''किताबों ने मुझे लोगों के बारे में तुरंत राय बनाने से भी बचाया है। पढ़ने की वजह से मैं दूसरों को ज्यादा समझ पाती हूं और मेरे अंदर दूसरों की भावनाओं को महसूस करने की क्षमता बढ़ी है। इसके साथ ही किताबों ने मेरे अंदर लगातार कुछ नया जानने और सीखने की इच्छा भी बनाए रखी है। यही वजह है कि मुझे गोलू के किरदार में भी अपनी सोच की झलक दिखाई देती है।''

श्वेता ने कहा, ''गोलू और मेरे बीच सिर्फ किताबें ही एक समान चीज नहीं हैं। हम दोनों में सवाल पूछने और हर बात को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करने की आदत भी है। हम दोनों कुछ नया सीखने को लेकर उत्सुक रहती हैं, लेकिन हमारे स्वभाव में एक बड़ा अंतर है। गोलू काफी शांत और कम बोलने वाली है, जबकि मैं खुद बातचीत करना और अपनी भावनाओं को खुलकर जाहिर करना पसंद करती हूं।'' बता दें कि 'मिर्जापुर : द फिल्म' का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर प्रस्तुत किया है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर इसके निर्माता हैं, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी फिल्म के सह-निर्माता हैं।

श्वेता बसु की एंट्री से बढ़ेगा 'असुर 3' का सस्पेंस

वेब सीरीज 'असुर' के तीसरे सीजन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। अरशद वारसी और बरुण सोबती की इस साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर सीरीज की शूटिंग सितंबर 2026 से शुरू होने की तैयारी है। इसकी स्क्रिप्ट भी लॉक हो चुकी है। तीसरे सीजन में श्वेता के किरदार की डिटेल फिलहाल गोपनीय रखी गई है। माना जा रहा है कि उनकी एंट्री कहानी में नई परत जोड़ेगी। वह सीरीज में नया सस्पेंस जोड़ेंगी। वहीं, कास्टिंग अभी जारी है और आने वाले दिनों में कुछ और नाम सामने आएंगे। इस बार 'असुर 3' में कैमरे के पीछे भी बदलाव होगा। सीरीज के क्रिएटर और राइटर गौरव शुक्ला पहली बार निर्देशन की कमान संभालेंगे।

कार्थी की फिल्म में दिखेंगी नयनतारा

अभिनेता कार्थी ने हाल ही में निर्देशक मोहन राजा के साथ अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है। अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि फिल्म में उनके साथ नयनतारा या तृषा कृष्णन मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इस कास्टिंग की पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'फिल्म के लिए नयनतारा पहली पसंद हैं। अगर वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती हैं तो 'काश्मोरा' के बाद यह उनकी और कार्थी की दूसरी फिल्म होगी। नयनतारा इससे पहले मोहन राजा के साथ 'थानी ओरुवन', 'वेलैक्कारण' और 'गॉडफादर' में भी काम कर चुकी हैं। अगर नयनतारा अपनी व्यस्तता के कारण फिल्म नहीं कर पाती हैं, तो मेकर्स तृषा कृष्णन से संपर्क कर सकते हैं।

मालामाल वीकली 2 में नजर आएंगी ईशा देओल

ईशा देओल एक बार फिर उस जॉनर में वापसी कर रही हैं, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म पर बात करते हुए एक्साइटमेंट जाहिर की है।

ईशा देओल अब 'मालामाल वीकली 2' में नजर आएंगी। यह एक कॉमिक कैपर यानी मजेदार और मनोरंजन से भरपूर फिल्म है। ईशा के लिए यह फिल्म बिल्कुल सही समय पर आई है। इससे पहले वह दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्मों पर काम कर चुकी हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'SYG'। ईशा ने कहा, 'मुझे इस समय बिल्कुल यही चाहिए था- कुछ मजेदार, हल्का-फुल्का और हंसी से भरपूर। अभी मैंने दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्में पूरी की हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'स्ङ्क्त्र'। इसके बाद मैं एक पूरी तरह की कॉमिक कैपर फिल्म करना चाहती थी और 'मालामाल वीकली 2' बिल्कुल सही समय पर मेरे पास आई।'

ईशा देओल इससे पहले 'नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी कॉमेडी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि कॉमेडी हमेशा से उनके दिल के करीब रही है। ईशा ने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट ने उन्हें इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए सबसे ज्यादा आकर्षित किया। उन्होंने कहा, ''नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी फिल्में करने के बाद कॉमेडी एक ऐसा स्पेस है, जिसे मैंने हमेशा पसंद किया है और जिसमें मैं वापस आना चाहती थी। इसकी स्क्रिप्ट बहुत मजेदार है और मुझे सच में लगता है कि हर कोई इसे पसंद करेगा। मैं बहुत खुश हूं कि मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं, जो पूरी तरह मस्ती, हंसी और मनोरंजन से भरपूर है।'

रितेश से एल्विश तक ये सितारे आएंगे नजर

'मालामाल वीकली 2' की कास्ट को लेकर अब तक सामने आई रिपोर्ट्स में रितेश देशमुख, परेश रावल, राजपाल यादव, एल्विश यादव, रवीना टंडन, परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शिरोडकर, फरदीन खान के नाम शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' फेम अमित जोशी करेंगे और इसकी शूटिंग नवंबर से शुरू हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

सैन्य परिसर के अंदर जोरदार विस्फोट, 10 की मौत, 60 से ज्यादा घायल; आखिर कैसे हुआ इतना बड़ा धमाका

वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश बोलिविया में शुक्रवार को एक सैन्य परिसर में हुए जोरदार विस्फोट ने भारी तबाही मचा दी। स्थानीय स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का के मुताबिक, हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए। हालांकि, मृतकों की संख्या बढ़कर 15 तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। विस्फोट स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:30 बजे वियाचा स्थित सैन्य परिसर में हुआ। यह इलाका बोलिविया की राजधानी ला पाज से करीब 30 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों के अनुसार, धमाका उस हिस्से में हुआ जहां आतिशबाजी और पायरोटेक्निक सामग्री रखी गई थी। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विस्फोट की शुरुआत किस वजह से हुई। अधिकारियों ने बताया कि परिसर में रक्षा मंत्रालय के भंडार में रखी आतिशबाजी मौजूद थी। स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का ने बताया कि 62 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई थी और मृतकों की संख्या 15 तक पहुंच सकती है। घायल लोगों में से 14 को इलाज के लिए ला पाज के अस्पतालों में ले जाया गया है। इनमें एक बच्ची भी शामिल थी, जो तीसरी डिग्री तक जल गई। पुलिस के अनुसार, 50 से ज्यादा लोग घायल हुए और विस्फोट की वजह से आसपास के दर्जनों घरों को नुकसान पहुंचा। धमाके की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि कई घरों की खिड़कियां टूट गई।

अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट करेंगे यूरोपीय देश: पांच देशों में होगा समझौता; क्या विदेश में बनेंगे वापसी केंद्र

कोपेनहेगन, एजेंसी। यूरोप में अवैध प्रवासियों और बिना कानूनी अनुमति के रह रहे लोगों पर शिकंजा कसने की तैयारी तेज हो गई है। डेनमार्क की मेजबानी में हुई बैठक में जर्मनी, ऑस्ट्रिया, ग्रीस, डेनमार्क और नीदरलैंड के समूहों ने बड़ा कदम उठाया है। इन पांच देशों ने यूरोपीय संघ से बाहर के किसी देश में रिटर्न हब (प्रवासी वापसी केंद्र) बनाने को लेकर ठोस सहमति जताई है। जर्मनी के गृह मंत्री एलेक्जेंडर डोब्रिंड्ट ने कोपेनहेगन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इन देशों का लक्ष्य इसी साल ऐसे तीसरे देशों के साथ समझौते को अंतिम रूप देना है। हालांकि, अभी उन देशों के नामों का खुलासा नहीं किया गया है जहां ये केंद्र बनाए जाएंगे। यूरोपीय संसद ने जून में नई प्रवासन नीति को मंजूरी दी थी। इस योजना को लेकर मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है। काउंसिल ऑफ यूरोप ने इन केंद्रों को मानवाधिकारों के लिए जोखिम भरा बताया है। वहीं, डेनिश रिफ्यूजी काउंसिल की महासचिव शार्लोट स्लेंटे का कहना है कि इससे प्रवासियों के खतरनाक रास्ते नहीं रुकेंगे। डेनमार्क के आव्रजन और एकीकरण मंत्री मोर्टन बोद्स्कोव ने उम्मीद जताई है कि साल 2027 के अंत तक प्रवासियों को भेजने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस पूरी योजना पर चर्चा के लिए तय समूह सितंबर के अंत में जर्मनी के म्यूनिख में फिर बैठक करेगा।

रूस-यूक्रेन जंग में बढ़ी हलचल: कीव के बाद मॉस्को भी जाएंगे अमेरिकी दूत; क्या निकलेगा शांति का रास्ता

कीव, एजेंसी। अमेरिका के अधिकारी स्टीव विटकॉफ और जरेड कुशनर इस सप्ताहांत मॉस्को जाएंगे। इसके बाद वे कीव जाएंगे। उनका दौरा अगले सप्ताह की शुरुआत तक चल सकता है। अमेरिका के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वह अधिकारी सार्वजनिक रूप से बोलने के लिए अधिकृत नहीं था। इसलिए उसने नाम न बताने की शर्त पर बात की। अधिकारी ने दोनों जगहों पर जाने के सही समय की जानकारी नहीं दी। यह दोनों अमेरिकी अधिकारियों की कीव की पहली यात्रा होगी। अमेरिका युद्ध खत्म कराने के लिए बातचीत की कोशिश कर रहा है। लेकिन अब तक इन कोशिशों से शांति का रास्ता नहीं निकल पाया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि वह विटकॉफ और कुशनर के रविवार को कीव पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं। इससे पहले दोनों अधिकारी मॉस्को जाएंगे। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा कि बातचीत के दौरान यूक्रेन हवाई हमले नहीं करेगा। उन्होंने रूस से भी ऐसा ही करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे बातचीत सुरक्षित तरीके से हो सकेगी। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, अमेरिकी पक्ष की पिछली राजनयिक यात्राओं की तरह हम यह सुनिश्चित करेंगे कि रूसी हवाई क्षेत्र सामान्य रूप से काम करता रहे, ताकि बातचीत के लिए आने वाले अधिकारी सुरक्षित पहुंच सकें। रूस के राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को अमेरिकी अधिकारियों के मॉस्को दौरे की खबरों की पुष्टि करने से इनकार कर दिया।

जलविद्युत परियोजना के कर्मी सुरंग में 9 दिन कैसे रहे जिंदा, नेपाल में बचाव अभियान में क्या बदलाव

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में हिमालय की ऊंची पहाड़ियों से आए एक सैलाब का असर बीते नौ दिन से लगातार यहां रहने वालों के लिए एक बुरा सपना बना हुआ है। दरअसल, नेपाल में सबसे ज्यादा तबाही सैलाब को साथ लाने वाली भोटेकोशी और त्रिशूली नदी के आसपास के क्षेत्रों और इन नदियों पर बनी ऊर्जा परियोजनाओं को झेलनी पड़ी। इन्हीं क्षेत्रों में सबसे ज्यादा लोगों की मौत हुई और अधिकतम लापता हुए। खासकर छह हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाले करीब 900 लोगों की खोजबीन अब तक जारी है। इस बीच शुक्रवार सुबह एक अच्छी खबर आई। राहत-बचाव कार्य में लगी टीमों ने त्रिशूली नदी पर चल रही एक परियोजना में काम कर रहे दो लोगों को नौ दिन बाद मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

सामने आया है कि जिन दो लोगों को त्रिशूली 3ए प्रोजेक्ट के अंडरग्राउंड केंद्र के ऊपर जमे मलबे से बाहर निकाला गया है, वे दोनों ही नेपाली नागरिक हैं। इन्हें उपचार के लिए काठमांडू ले जाया गया है। दोनों ने ही बताया कि जब बाढ़ का प्रकोप जलविद्युत परियोजना पर पड़ा, तब उनके साथ कई और लोग मलबे में दब गए। हालांकि, बाकी लोगों की खोज अभी जारी है। बाढ़ से सबसे बुरी तरह प्रभावित हुई हाइड्रोपावर परियोजनाओं में काम कर रहे दो लोगों के नौ दिन बाद सही-सलामत निकलने के बाद यह जानना अहम है कि आखिर यह दो लोग इस भीषण बाढ़ की चपेट में आने के बावजूद नौ दिन तक जिंदा कैसे रहे जलविद्युत परियोजनाओं में काम कर रहे लोगों को निकालने के लिए राहत-बचाव कर्मी किस तरह अभियान चला रहे हैं।

फिलहाल यह साफ नहीं है कि जिस त्रिशूली 3ए प्रोजेक्ट में राहत-बचाव कार्य के दौरान दो लोग निकाले गए, वहां और कितने लोग फंसे हो सकते हैं या कितने जिंदा होंगे। हालांकि, जो दो लोग बचे हैं, उनके खुद के बयानों और रेस्क्यू टीम की कोशिशों से चार अहम तथ्य निकलकर सामने आए। सबसे पहले जो बात सामने आई, वह यह कि सुरंग के मलबे में दबे एक व्यक्ति संजय साह बाढ़ के खतरे के बीच 40-45 लोगों को बचाने में सफल हुए थे और इसी दौरान सुरंग में फंस गए।

गोल्डीलॉक्स जोन में फंसकर बची जिंदगी : दोनों कर्मचारी टनल के भीतर एक सुरक्षित हिस्से में फंसे थे, जिसे भूवैज्ञानिकों ने गोल्डीलॉक्स जोन यानी इंसानों के जीवित बचने के 'सबसे अनुकूल' जगह कहा है। यह मुख्य रूप से सुरंग का वह इलाका था, जहां से अंदर और बाहर ले जाने वाली केबल मौजूद थीं। यह केबल भूमिगत पावरहाउस से ट्रांसमिशन ग्रिड तक जाती हैं। इस मजबूत ढांचे की वजह से वे टनल में आई बाढ़, मिट्टी और मलबे के सीधे बहाव की चपेट में आने से बच गए।

टनल का मुख्य द्वार पूरी तरह से मलबे से बंद हो जाने के बावजूद बचाव कर्मियों ने सुरंग के अंदर बनी संभावित खाली जगहों में पाइपों के जरिए ऑक्सीजन भेजने का प्रयास किया था, ताकि वहां हवा की कमी न हो। मैकेनिकल फोरमैन संजय साह के मुताबिक, सुरंग के अंदर घने अंधकार में नौ दिनों तक पूरी दुनिया से कटे रहने के दौरान उन्होंने हौसला नहीं टूटने दिया। वे लगातार मंत्रों का जाप और प्रार्थना करते रहे, जिससे उन्हें मानसिक रूप से जीवित रहने का हौसला मिला।

कठिन भूख-प्यास का सामना किया : सुरंग के अंदर दोनों के पास ही भोजन या पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी। बचाव के बाद जब कबीर महर्जन को सैन्य अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया, तो उन्होंने गंभीर स्थिति में होश में आने पर सबसे पहले बताया कि उन्हें बहुत तेज प्यास लगी है। वे बेहद कठिन परिस्थितियों में केवल अपनी शारीरिक सहनशक्ति के बल पर शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) का मुकाबला करते हुए जीवित बचे रहे। बाढ़ के मलबे से बंद केबल टनल में रास्ता बनाने के बाद, बचाव कर्मियों ने टनल की छत के ऊपरी हिस्से में एक छोटा सा छेद बनाया, ताकि उसके जरिए रेंगकर अंदर जाया जा सके। इस रास्ते से जब बचाव कर्मियों ने टनल के भीतर फंसे लोगों को आवाज दी, तो उन्हें अंदर से नेपाली भाषा में किसी के जवाब देने की बहुत ही धीमी और हल्की आवाज सुनाई दी। इसी आवाज के जरिए बचाव दल को उनके जीवित होने का पहला सुराग मिला।

ईरान संघर्ष को ट्रंप ने बताया छोटी बात, पिकैक्स माउंटेन पर हमले का भी जिक्र; होर्मुज में हालात कैसे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ छह महीने से अधिक समय से चल रहे टकराव को युद्ध मानने से इनकार किया है। उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के इस विचार का समर्थन करते हुए कहा, ईरान और अमेरिका के बीच 'अंतराल वाला सैन्य संघर्ष' हो रहा है जो वाशिंगटन के लिए 'छोटी बात' है। उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका ईरान के भूमिगत परमाणु स्थल 'पिकैक्स माउंटेन' पर जल्द हमला कर सकता है। ईरान के अत्यधिक किलेबंद और भूमिगत परमाणु स्थल 'पिकैक्स माउंटेन' पर हमले का बयान ऐसे समय में आया है जब बीते कुछ दिनों में दोनों देशों ने एक दूसरे के सैन्य ठिकानों को जमकर निशाना बनाया है। ऐसे में दोनों देशों का टकराव बढ़ने का खतरा है।

क्या बहुत जल्द हमला कर सकता है अमेरिका : ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका को पिकैक्स माउंटेन पर कोई गतिविधि मिलती है, तो उसे निशाना बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी खुफिया तंत्र इस स्थल पर गतिविधियों की बारीकी से निगरानी कर रहा है।

कहां है ईरान का परमाणु भंडार : पिकैक्स माउंटेन ईरान के नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधा के पास स्थित है। इसे दो गहरी दबी सुरंग प्रणालियों वाला अत्यधिक किलेबंद भूमिगत परिसर बताया जाता है। कुछ दिन पहले आई वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक इस्राइल ने ईरान से जुड़ा चौंकाने वाला दावा किया है। इस्राइल की खुफिया जानकारी के अनुसार, हजारों सेंट्रीफ्यूज इस गहरी दबी सुविधा में स्थानांतरित कर दिए हैं। इस भूमिगत निर्माण के कारण पारंपरिक हवाई बमबारी का असर नहीं होता है। पिकैक्स माउंटेन काफी अधिक प्रतिरोधी है।

ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में तर्क दिया कि अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप के कारण पश्चिम एशिया में एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष को रोकने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, यदि अमेरिका कार्रवाई नहीं करता तो इस्राइल और इसके आसपास अन्य देशों को अधिक गंभीर खतरे का सामना करना पड़ता।

सैन्य कार्रवाई को ईरान के ठिकानों पर अंजाम देने वाली एजेंसी- अमेरिकी सेंट्रल कमान ने बताया था कि सेना ने पिछले सप्ताह ईरानी सैन्य ठिकानों के पर हमले का एक लहर चरण पूरा किया है। इन अभियानों में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़े प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। अमेरिका ने जिन जगहों पर बमबारी की, उनमें ईरान का वायु रक्षा प्रतिष्ठान, रडार प्रणालियां, समुद्री संपत्तियां, बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमताएं और संचार स्थल जैसे केंद्र शामिल हैं। सेंटकॉम के मुताबिक IRGC द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध के जवाब में अमेरिकी सेना ने हमले किए।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री को क्यों याद आई पीएम मोदी की चेतावनी: बोले- भारत ने चेताया था; चीन पर साधा निशाना

ब्रुसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुरानी चेतावनी का जिक्र करते हुए यूरोप की व्यापारिक निर्भरता पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यूरोप को अब समझ आ रहा है कि आर्थिक निर्भरता को दबाव बनाने के हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। चीन का नाम लिए बिना डी वेवर ने उस देश पर परोक्ष निशाना साधा, जिसने यूरोपीय बाजारों और उद्योगों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। उन्होंने भारत को यूरोप का सबसे अहम रणनीतिक साझेदार बताते हुए दोनों के बीच व्यापार, निवेश, तकनीक और सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने कहा कि व्यापारिक निर्भरता के जोखिमों को लेकर अब यूरोप की 'आंखें अचानक खुली हैं'। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत ने यूरोपीय देशों को इस खतरे के बारे में काफी पहले चेतावनी दी थी, लेकिन उस समय यूरोप ने भारत की बात को गंभीरता से नहीं लिया। भारत और यूरोप के बीच गहरी रणनीतिक साझेदारी की संभावनाओं पर बात करते हुए डी वेवर ने कहा कि दोनों पक्षों के सामने एक जैसी चुनौतियां हैं। खासकर आर्थिक निर्भरता अब सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए भी किया जा रहा है। हमारे सामने एक जैसी चुनौतियां हैं। हमारा सामना ऐसे ही पावर ब्लॉक्स (शक्ति समूहों) से हो रहा है, जो एक खास दिशा में बढ़ रहे हैं। एक ऐसी दिशा जो शायद हमें पसंद नहीं है और हमें अपनी मर्जी के खिलाफ कुछ करने के लिए मजबूर किया जाना भी पसंद नहीं है। हमें यह पसंद नहीं है कि निर्भरता का इस्तेमाल हमारे खिलाफ हथियार के तौर पर किया जाए। डी वेवर ने इसके बाद यूरोप को दी गई भारत की पुरानी चेतावनियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत पहले ही यूरोप को इस तरह की आर्थिक निर्भरता के खतरे के बारे में आगाह किया था, लेकिन तब उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया। आपने यह इतिहास देखा है। आपके प्रधानमंत्री ने बहुत पहले ही यूरोप को इस बारे में चेतावनी दी थी।

सऊदी अरब को अमेरिका की सौगात: पांच अरब डॉलर के हथियार सौदे को मंजूरी; जेडीएएम किट-बमों से खाड़ी में बढ़ेगी ताकत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने सऊदी अरब को करीब 5 अरब डॉलर के हथियार और सैन्य उपकरण बेचने की संभावित डील को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित बिक्री में सटीक निशाना लगाने वाली जेडीएएम-ईआर प्रणालियां, हजारों बम और उनसे जुड़े उपकरण शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी जानकारी कांग्रेस को दी है।

प्रस्तावित हथियार सौदे में क्या-क्या शामिल है : अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, सऊदी अरब ने 5,004 केएमयू-572 जेडीएएम गाइडेंस किट और 5,000 केएमयू-556 जेडीएएम गाइडेंस किट की मांग की है। इसके अलावा 5,004 बीएलयू-111 500-पाउंड सामान्य उपयोग वाले बम और 5,000 बीएलयू-117 2,000-पाउंड बम भी प्रस्तावित पैकेज का हिस्सा हैं। डील में फ्यूज

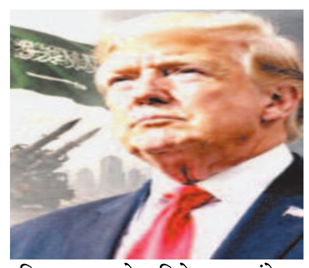

सिस्टम, टारगेट डिटेक्टर, कंटेनर, स्पेयर पार्ट्स, सपोर्ट उपकरण और अन्य जरूरी सामान भी शामिल होंगे। इसके साथ अमेरिकी सरकार और ठेकेदारों की इंजीनियरिंग, तकनीकी और लॉजिस्टिक सेवाएं भी प्रस्तावित हैं।

अमेरिका सऊदी अरब को ये हथियार क्यों देना चाहता है : अमेरिकी विदेश विभाग का कहना है कि इस संभावित बिक्री से सऊदी अरब की सुरक्षा मजबूत होगी और खाड़ी क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता तथा आर्थिक प्रगति को बढ़ावा मिलेगा। अमेरिका के मुताबिक, इससे सऊदी अरब की मौजूदा और भविष्य की क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने की क्षमता बेहतर होगी। विभाग ने कहा कि इससे सऊदी अरब की अपनी जमीन की रक्षा करने की क्षमता बढ़ेगी और अमेरिकी तथा खाड़ी क्षेत्र के सहयोगी देशों की सेनाओं के साथ उसकी सैन्य प्रणालियों की बेहतर तालमेल क्षमता विकसित होगी। क्या इस सौदे से क्षेत्र का सैन्य संतुलन बदलेगा अमेरिकी आकलन के मुताबिक, प्रस्तावित लेनदेन से क्षेत्रीय सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं होगा। अमेरिका का यह भी कहना है कि सऊदी अरब इन हथियारों और सेवाओं को अपनी सैन्य व्यवस्था में आसानी से शामिल कर सकेगा। इस संभावित बिक्री के लिए मुख्य ठेकेदार बोइंग होगा, जिसका मुख्यालय वर्जीनिया में है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि फिलहाल इस सौदे के साथ किसी ऑफसेट समझौते की जानकारी नहीं है। क्या इस हथियार सौदे का पश्चिम एशिया के तनाव से भी संबंध है यह संभावित हथियार सौदा ऐसे समय सामने आया है, जब पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष, सऊदी अरब को निशाना बनाकर हुए हमलों और यमन के हूती विद्रोहियों की गतिविधियों ने खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है। ऐसे माहौल में सऊदी अरब अपनी जमीन और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को संभावित हवाई तथा मिसाइल खतरों से बचाने की क्षमता मजबूत करना चाहता है। अमेरिका और सऊदी अरब के बीच हालिया सहयोग केवल रक्षा क्षेत्र तक सीमित नहीं है।

मॉस्को जाने पर गिरफ्तारी का खतरा, फिर भी तैयार थे जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ बुदानोव; क्या बोले

कीव, एजेंसी। इस वर्ष के शुरू में में जब शांति वार्ता का एक दौर खत्म हुआ, तो यूक्रेनी वार्ताकारों को रूसियों की तरफ से एक हैरान करने वाला प्रस्ताव मिला। इसमें कहा गया कि यूक्रेनी अधिकारी चाहें तो मॉस्को की उड़ान पकड़ सकते हैं और वार्ता जारी रख सकते हैं। इसका फायदा यह था कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की संभावना थी और नुकसान यह था कि उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता था, या उससे भी बुरा कुछ हो सकता था।

प्रस्ताव ने इससे पहले जिनेवा में वार्ता के दौरान यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले किरीलो बुदानोव के सामने एक गंभीर असमंजस उत्पन्न कर दिया। रूस ने उन पर आतंकवाद के आरोप लगा रखे हैं, जो तब लगाए गए थे जब वह यूक्रेन के सैन्य जासूसी प्रमुख थे। लेकिन वार्ता के माध्यम से शांति हासिल करने के लिए वह कोई भी अप्रत्याशित कदम उठाने के लिए तैयार थे। कभी रूस से डटकर मुकाबला करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल बुदानोव मौजूदा समय में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ हैं और किसी भी कीमत पर शांति चाहते हैं। बुदानोव का कहना है, बातचीत आज नहीं तो कल किसी नतीजे पर जरूर पहुंचेगी। आप पूरी जिंदगी युद्ध नहीं लड़ सकते। यूक्रेनी सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले बुदानोव ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं युद्ध खत्म करने वाले किसी भी कदम के लिए तैयार हूं। बशर्ते यूक्रेन को इसकी शर्तें मंजूर हों। उन्होंने मॉस्को दौरे के प्रस्ताव के बारे में खुलासा किया, जिसकी रिपोर्ट पहले सामने नहीं आई थी। यही नहीं यह दौरान भी परवान नहीं चढ़ सका था, और आगे बातचीत ठप हो गई थी। वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद : जंग लगातार जारी रहने के बीच बुदानोव ने सितंबर के आखिर तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में शांति वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद जताई है। विश्लेषकों का कहना है, शांति की पहल की बुदानोव की मंशा उनके व्यक्तित्व के दो अलग पहलुओं को सामने लाती है। वह एक ऐसे सैनिक के तौर पर अपनी पहचान बनाए रखना चाहते हैं जिसने रूस के खिलाफ जमकर जंग लड़ी। पूर्वी यूक्रेन में 2014 में लंबे समय से सुलगते रहे युद्ध के दौरान बुदानोव ने दुश्मन की सीमा के पीछे जाकर कमांडो छापों का नेतृत्व किया था, जिसमें एक छापे में रूसी जनरल के बेटे की मौत हो गई थी। 2022 में रूसी हमले के बाद उन्होंने यूक्रेन के कुछ सबसे दुस्साहसिक जवाबी हमलों की रूपरेखा तैयार करने में मदद की। अब वह खून-खराबा खत्म करने की पहल में भी सबसे आगे हैं।

450 साल पुराना दुनिया का नक्शा कितना बदला, कैसे अफ्रीकी देश के चलते भारत को मिल सकता है न्याय

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में पारंपरिक दुनिया के नक्शे (मर्केटर) को बदलने के लिए लाए गए करेक्ट द मैप प्रस्ताव को भारी बहुमत से पारित कर दिया है। 16वीं सदी का मर्केटर नक्शा उत्तरी गोलार्ध के देशों को बड़ा और भूमध्य रेखा के पास के देशों को छोटा दिखाता है। नए और सटीक अनुमान वाले इक्वल अर्थ मैप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और अन्य भूमध्यरेखीय क्षेत्रों का वास्तविक और बड़ा आकार सामने आएगा। वहीं, यूरोप, रूस और कनाडा जैसे इलाके मौजूदा मर्केटर नक्शे की तुलना में नए नक्शे में छोटे दिखाई देंगे। इस प्रस्ताव के पक्ष में 164 देश रहे, जबकि अमेरिका ने इसके खिलाफ वोट किया और छह देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। नया नक्शा अफ्रीका को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है। नए नक्शे को टोगो ने पेश किया जबकि अफ्रीकी संघ के सदस्यों ने पुरजोर समर्थन किया। मानचित्र सुधार प्रस्ताव फ्रांस और ब्रिटेन सहित 164 देशों के समर्थन से पारित हो गया। अमेरिका इकलौता देश रहा, जिसने इसके खिलाफ मतदान किया और छह देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया। 16वीं शताब्दी से उपयोग हो रहे मर्केटर मानचित्र की आलोचना की जाती रही है क्योंकि यह अफ्रीका को ग्रीनलैंड के समान आकार का दिखाता है, जबकि वास्तव में यह उससे 14 गुना बड़ा है।

अब वैश्विक नक्शों में बदलाव करना जरूरी : इस प्रस्ताव पर मतदान कि अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब आने वाले दिनों में दुनियाभर में दिखाए-पढ़ाए जाने वाले वैश्विक नक्शों में बदलाव करना जरूरी हो जाएगा और उसकी जगह नए नक्शे ले लेंगे। इतना ही नहीं मौजूदा नक्शे में दिखने वाले महाद्वीप के साथ भारत और कई देशों की स्थिति में बड़ा बदलाव हो जाएगा। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर संयुक्त राष्ट्र में वैश्विक नक्शे पर बदलाव कराने का दम रखने वाले इस प्रस्ताव की जरूरत क्यों पड़ी अब प्रस्ताव मंजूर हो चुका है तो क्या-क्या बदल सकता है आइये जानते हैं...

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश प्रस्ताव वैश्विक स्तर पर दर्शाए जाने वाले मानचित्र को बदलने और सदियों पुराने 'मर्केटर प्रोजेक्शन' मैप की जगह समान-क्षेत्र दर्शाने वाले मानचित्रों को वैश्विक मानक बनाने से जुड़ा था। इस प्रस्ताव को अफ्रीकी देश टोगो की ओर से प्रायोजित किया गया, जिसे 55-सदस्यीय अफ्रीकी संघ का समर्थन मिला। दरअसल, इस वक्त दुनिया में विश्व का जो मानचित्र दिखाया जाता है, वह 400 साल से भी ज्यादा पुराना है और इसे गेरहार्डस मर्केटर की ओर से दुनियाभर में व्यापार के लिए जाने वाले नाविकों की मदद के लिए बनाया गया था। यह पारंपरिक मानचित्र ध्रुवों के पास के देशों को उनके वास्तविक आकार से बहुत बड़ा और भूमध्य रेखा (इक्वेटर) के पास के क्षेत्रों को बहुत छोटा दिखाता है। उदाहरण के लिए मौजूदा नक्शे पर अफ्रीका और ग्रीनलैंड एक ही आकार के दिखाई देते हैं, जबकि वास्तविकता में अफ्रीका एक महाद्वीप है, जो कि ग्रीनलैंड से 14 गुना बड़ा है। ऐसा ही कई और अन्य देशों के भी साथ की स्थिति है। अफ्रीका अपने असल आकार के मुकाबले छोटा दिखाए जाने को लेकर ही नाराजगी जाहिर करता रहा है।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर छाया संकट: पहली बार आईएईए ने माना नियमों का पालन नहीं हुआ, क्या लगेगा प्रतिबंध

तेहरान, एजेंसी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंतरराष्ट्रीय दबाव अब और बढ़ता दिख रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सामने ऐसा प्रस्ताव रखने की तैयारी की है, जिसमें ईरान को परमाणु अप्रसार की अपनी कानूनी जिम्मेदारियों का पालन न करने के मामले में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तक भेजने की बात है। यह मामला इसलिए बेहद गंभीर है क्योंकि जून 2025 में आईएईए बोर्ड ने करीब 20 साल बाद पहली बार ईरान को अपनी परमाणु अप्रसार संबंधी जिम्मेदारियों का पालन न करने वाला पाया था।

मसौदे में ईरान के खिलाफ क्या कहा गया : प्रस्ताव अभी बातचीत के दौर में है और आईएईए बोर्ड को औपचारिक रूप से नहीं सौंपा गया है। इसमें आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी से प्रस्ताव और पहले पारित प्रस्तावों को आईएईए के सभी सदस्यों के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और महासभा तक पहुंचाने को कहा गया है। प्रस्ताव में ईरान के परमाणु कार्यक्रम से पैदा चुनौतियों का कूटनीतिक समाधान निकालने का समर्थन भी किया गया है। सभी पक्षों से बातचीत में रचनात्मक तरीके से शामिल होने की अपील की गई है। प्रस्ताव में बदलाव भी संभव है। औपचारिक रूप से पेश होने के बाद इस पर अगले सप्ताह वियना में आईएईए बोर्ड की बैठक में मतदान होगा।

ईरान की सबसे बड़ी परेशानी क्या : परमाणु अप्रसार संधि के तहत ईरान पर अपने सभी परमाणु पदार्थ और गतिविधियों की जानकारी देने तथा आईएईए के निरीक्षकों को यह जांचने देने की कानूनी जिम्मेदारी है कि परमाणु सामग्री का इस्तेमाल शांतिपूर्ण कामों के अलावा कहीं नहीं हो रहा। जून 2025 में अमेरिका और इस्राइल के ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमलों के बाद से ईरान ने प्रभावित परमाणु स्थलों पर आईएईए निरीक्षकों को प्रवेश नहीं दिया है। एजेंसी छह महीने से अधिक समय से हथियार बनाने की क्षमता के करीब पहुंच

चुके यूरेनियम के भंडार की स्थिति भी सत्यापित नहीं कर पाई है। आईएईए ने हाल में चेतावनी दी कि निरीक्षकों को प्रवेश न देना और परमाणु सामग्री की पुष्टि न हो पाना प्रसार का जोखिम पैदा करता है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

ईरान के पास कितना यूरेनियम और खतरा कितना बड़ा : आईएईए के अनुसार ईरान के पास 440.9 किलोग्राम यूरेनियम का भंडार है, जिसे 60 फीसदी तक शुद्धता पर समृद्ध किया गया है। हथियार बनाने के लिए आम तौर पर करीब 90 फीसदी शुद्धता वाला यूरेनियम चाहिए होता है। यानी ईरान का मौजूदा भंडार तकनीकी रूप से उस स्तर से बहुत दूर नहीं है। आईएईए प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने पिछले साल कहा था कि यह मात्रा ईरान को सैद्धांतिक रूप से 10 परमाणु बम बनाने में सक्षम कर सकती है, अगर वह अपने कार्यक्रम को हथियार बनाने की दिशा में ले जाने का फैसला करे। उन्होंने साफ किया था कि इसका मतलब यह नहीं है कि ईरान के पास परमाणु हथियार मौजूद है।

यूरेनियम के पुराने निशानों की जांच क्यों अहम : आईएईए की वर्षों से चल रही जांच में ईरान के कुछ ऐसे स्थानों पर यूरेनियम के निशान मिले हैं, जिनके बारे में पहले जानकारी नहीं दी गई थी। एजेंसी की हालिया गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार इन निशानों की जांच में भी कोई प्रगति नहीं हुई है। पश्चिमी देशों के अधिकारियों को शक है कि ये निशान इस बात के संकेत हो सकते हैं कि ईरान ने 2003 तक गुप्त परमाणु हथियार कार्यक्रम चलाया था। ईरान इन आरोपों को खारिज करता है और लगातार कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है। ईरान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तक भेजने का मतलब मामले को आईएईए से आगे संयुक्त राष्ट्र की सबसे शक्तिशाली संस्था के सामने ले जाना होगा। सुरक्षा परिषद के पास आगे कानूनी रूप से बाध्यकारी कदम उठाने की क्षमता है, जिनमें प्रतिबंध और संपत्ति फ्रीज करने जैसे कदम शामिल हो सकते हैं। हालांकि, इस मामले में कड़ी संयुक्त राष्ट्र कार्रवाई की संभावना सीमित मानी जा रही है, क्योंकि ईरान के सहयोगी रूस और चीन सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य हैं और उनके पास वीटो का अधिकार है। पश्चिमी देशों की ओर से प्रस्ताव लाने की तैयारी के बावजूद कूटनीति का रास्ता पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। मसौदे में भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी चिंताओं का राजनयिक समाधान निकालने की बात कही गई है। ईरान और आईएईए के बीच सहयोग और बातचीत की कमी ने स्थिति को ज्यादा गंभीर बनाया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)